सलाम फार्मेसी

यूनानी कम्पनी

SALAM PHARMACY ®

दवाओं का फायेदा और बीमारियों के इलाज का तरीका

Mobile No.9763383553/9172154577

WWW.SALAMPHARMACYUNANI.COM

हकीम हाजिक आलमगीर

पता : 1684 शमसुद्दीन बिल्डिंग तीसरा माला ,फातिमा नगर गायेतरी नगर रोड , भिवंडी , जिला ठाना , महाराष्ट्र 421302

सूची (LIST)

सूची (LIST)	पेज नंबर
पित की थैली में या गुर्दे मसाने में पत्थर हो उसको गलाने का तरीका	1
जोड़ों का दरद हड्डी घिस जाना कमर और जोड़ों का गैप उसका इलाज	2
शुगर बीमारी नहीं होनेवाली बीमारियों की अलामत है	4
जिगर, आंत, लीवर में सूजन हो उसका इलाज	5
बवासीर खूनी बादी का इलाज	6
बेऔलाद , औरत बाँझ या मर्द	7
स्वप्नदोष – प्रमेह (मनी का निकलना) यह होने वाली बीमारियों के लक्षण हैं	9
मरदाना कमजोरी या मुकम्मल नामरदी	11
नए प्रकार की मरदाना कमजोरी या मुकम्मल नामरदी	13
लीकोरिया अर्थात योनी से सफ़ेद पानी का निकलना उसका इलाज	14
माहवारी का ज़्यादा या अनियमित होजाना	15
पेशाब के रास्ते से खून जाना या जलन होना	16
माहवारी में कमी या माहवारी का बंद होना	17
गर्भाशय या पीसतान में गांठ गिल्टी हो उसको गलाने का इलाज	19
हर जगह की गांठ गिल्टी गलाने का इलाज	20
पुराना नजला जुकाम सरदी से हो रहा हो या गरमी से उसका इलाज	21
गुर्दा मसाना में कमजोरी या गुर्दा मसाना में सूजन होगई हो उसका इलाज	22
दमा अर्थात फेफड़े की कमजोरी या सांस में तंगी पैदा होना	24
सरद बादी (दमा) या सांस में तंगी पैदा होना	25
पेशाब में जलन हो या मसाने में गोश्त बढ़ गया हो	26
बार बार गर्भपात होना और उसका इलाज	27
मिरगी और हिस्टेरिया का इलाज	28
साटिका (अरकुननिसा) अर्थात गोश्त के अंदर की नसों का तंग या बंद होना	29
आधे या पूरे सर का दरद या चक्कर आना	31
जुनून आधा या पूरा पागलपन	31
नसयान (भूलने की बीमारी) या दिमाग कमजोर होगया हो	33
ब्लड-प्रैशर हाई या ब्लड-प्रैशर लो होरहा हो उसका इलाज	34
दिल की कमजोरी या दिल की नसों में तंगी पैदा होगई हो	36
कैंसर की निशानी और होने के कारण	39
मुंह या नाक से खून आता हो उसका इलाज	41
मुंह में छाला , ज़बान पर दाना निकलना और सीने में जलन रहना	43
अपेंडिस का इलाज	44
योनि का बाहर आना या खारिश जलन रहती है	45
भगंदर का इलाज	46
सफ़ेद दाग (अमराजे खाबिया) उसका इलाज	47

सूची (LIST)

सूची (LIST)	पेज नंबर
दांतों में दरद या पायरिया	48
कान का दरद या कान का बहना	49
पित्ती उछलना या जुलपुत्ति	49
अलसर की बीमारी का इलाज	50
फ़ालिज लकवा या हाथ पैर की उँगलियों का टेढ़ा होना उसका इलाज	52
थायरोइड बादी या खुश्क हो उसका इलाज	53
हरनिया का इलाज	54
दूध की कमी या बच्चा पैदा होने के बाद की कमजोरी	55
बच्चा पैदा होने के बाद सूजन बुखार दरद को खतम करता है	56
माजून याकुत मुकव्वी खास का फायदा	56
माजून लबाब शबाब का फायेदा	57
माजून कलबिया मोतदिल का फायदा	58
माजून शबाबे कलबिया का फायेदा	59
माजून आबे शबाब का फायेदा	61
माजून सलाम का फायेदा	61
माजून ज्वाला खास	62
इतरिफल दाएमी नजला	63
इतरिफल सरसरा	63
दायमी बुखार टैब्लेट	64
मलारिया हुम्मा टैब्लेट	64
बंदिश जुलाब टैब्लेट	64
मतली हरण टैब्लेट	65
निहायतुल यरक़ान टैब्लेट	65
लिकोरा टैब्लेट	65

सूची (LIST)	पेज नंबर
गैस हरण टैब्लेट	66
सर्दी हरण टैब्लेट	66
ज्वाला खास टैब्लेट का फायेदा	66
जौहरी टैब्लेट का फायेदा	67
पैगामे शिफा टैब्लेट का फायेदा	67
हरिसा बूटी टैब्लेट का फायेदा	69
बासीर टैब्लेट का फायेदा	70
जखमीनो टैब्लेट का फायेदा	71
बरगीन टैब्लेट का फायेदा	71
जामुनी मेथी टैब्लेट का फायेदा	72
पत्थर चट्टा टैब्लेट का फायेदा	73
माहेरवाँ टबलेट का फायेदा	74
रोगन मुरगाबी का फायेदा	74
रोगन कंगरु का फायेदा	75
रोगन सर्दी हरन का फायेदा	76
रोगन फानूस का फायेदा	77
रोगन पाइरिया का फायेदा	77
रोगन मुकव्वि दिमाग का फायेदा	78
लकवानी तेल	78

पित की थैली में या गुर्दे मसाने में पत्थर हो उसको गलाने का तरीका

पथरी गुर्दे मसाने में हो या पित्त की थैली में पत्थर हो उसको पत्थर चट्टा टैब्लेट गलाने में मदद करता है , पहले आप रिपोर्ट निकालें पत्थर की साइज़ क्या है उसके बाद पत्थर चट्टा टैब्लेट शुरू करें दो महीना तक दवा खिलाएँ इसके उसके बाद दोबारा रिपोर्ट निकालें या तो पथरी खतम होगई होगी या कुछ बाकी होगी अगर कुछ हिस्सा बाकी रह गया है तो दो महीना के इलाज से पत्थर का कितना हिस्सा छोटा होगया है उसी से अंदाज़ा कर के दोबारा इलाज शुरू करें मुकम्मल पथरी खतम होजाने के बाद संतुष्टि के लिए रिपोर्ट निकाल लें अगर पथरी गुर्दे मसाने में है तो दो महीने में या तो मुकम्मल खतम होजाती है या कुछ हिस्सा बाकी होगा गुर्दे या मसाने की पथरी पर दवा का सीधा असर होता है इसलिए गुर्दे मसाने की पथरी जलदी खतम होजाती है लेकिन अगर पथरी पित्त की थैली में है तो उसको गलने में वक़्त लगता है लेकिन गलना जरूर है कियोंकि पित्त की थैली गोदाम है खाए हुए आहार से बना पित थैली में इस्टोर होजाता है इसके बाद आहार से बना हुआ आवेश की शकल का मैला रश तय्यार होजाता है अब थैली से निकलकर पित्त की गरमी आवेश में शामिल होकर खून और बलगम की तय्यारी करता है इस तरह पित्त की थैली में पित्तरस आने और जाने की शकल में दवा पित्त की थैली में मौजूद पत्थर के ऊपर अपना असर डालती है इसी लिए पित्त की थैली का पत्थर गलने में थोड़ा वक़्त लगता है और देरी से पिघलता है इसलिए सुझाव यह है की दो महीना की दवा से हिसाब लगा कर अंदाज़ा करें कितने दिन में पत्थर खतम होगा पित्त की थैली शरीर का बहोत ही महत्वपूर्ण अंग है , पहली और दूसरी रिपोर्ट आपको फैसला करने में मदद करेगी और उसके बाद आखरी रिपोर्ट निकालकर संतुष्टि कर लें . और गुर्दे मसाने की पथरी को गलाना इसलिए आसान होता है कियोंकि पत्थर चट्टा टैब्लेट से खून की गंदगी साफ होजाती है गुर्दे का काम है खून साफ करना खून में तीन हिस्सा पानी होता है गुर्दा पानी के द्वारा गंदगी को खून से अलग करके पानी को पेशाब की थैली में डालता है और खून आगे बढ़कर दोबारा पानी ले लेता रहता है इसी तरह यह सिलसिला चलता रहता है खून में शामिल दवा बार बार पत्थर से टकराती है और पत्थर पिघलकर खतम होजाता है . यह सिर्फ जड़ी बूटी है .

तरीका इस्तेमाल

दो दो टैब्लेट सुबह खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें और कम से कम आधा घंटा बाद नाश्ता करें इसी तरह शाम को खाना खाने से एक या दो घंटा पहले दो दो टैब्लेट सादे पानी से इस्तेमाल करें .

जोड़ों का दरद हड्डी घिस जाना कमर और जोड़ों का गैप उसका इलाज

और अगर इस माजून को भी साथ में चलाएं तो बेहतर है

जोड़ों के दर्द में इस्तेमाल करें

और अगर नस बंद होगाई है तो इस तेल को इस्तेमाल करें

अगर सूजन है तो ये तेल भी इस्तेमाल करें

जोड़ों में दरद हो रहा हो या जोड़ों के बीच का गैप हो या जोड़ों की हड्डी में घिसाव पैदा होगया हो उसकी हक़ीक़त और बुनियाद लबाब की कमी है . जब शरीर के अंदर लबाब की कमी आजाती है तो जोड़ों के दरद के साथ अवर भी कई तरह की कमजोरी का संकेत देता है जोड़ों का दरद एक निशानी है शरीर के दूसरे अंगों का भविष्य बताने के लिए सच्चाई यह है की शरीर के दूसरे अंग बीमार होचूके हैं मुख़तसर यह है की नसों में कमजोरी पैदा हो रही है वीर्य ग्रंथियां ढीली होरही हैं इसलिए यौन क्षमता कमजोर होगई है या कमजोर होकर खतम होचुकी है हड्डियों में ठोस करने वाला गोंद खतम होरहा है इसलिए हड्डियों में भुरभुरापन शुरू होगया है और जवानी बुढ़ापे की तरफ तेज़ी से लुढ़क रही है और बीमारी से लड़ने की ताकत कमजोर या खतम होजाती है मामूली बीमारी को बड़ी बीमारी बन्ने में देर नहीं लगती है , खाल की रंगत बादल जाती है खाल के ऊपर सूखापन और खुरदुरपन पैदा होजाता है इंसान अपनी उमर से दस बीस साल ज़्यादा आगे का दिखाई देने लगता है अपने अंदर हर तरह की कमजोरी महसूस करता है और बड़ी तेज़ी से लबाब की पैदाइश घटने लगती है और कई तरह की बीमारियों का मेला लग जाता है , इस बीमारी जोड़ों का दरद या गैप में जुगाड़ से घसीटना सेहत और ज़िंदगी दोनों केलिए हानिकारक है इस मरज़ में अंदर से ठोस करने वाली दवा बड़े नुकसान को खतम करके दरद से आराम देगी मेज्व्न लबाब शबाब इस बीमारी केलिए बेहतरीन निर्णय होगा कम से कम दो महीना एक चेकअप समझ कर इस्तेमाल करें पहला महीना आपको फायेदे का एहसास देगा यह माजून लबाब शबाब की खास उत्तमता यह है

की लबाब की पैदाइश को बड़ी तेज़ी से बढ़ाता है और लबाब को शरीर के अंग में बड़ी आसानी से जज़्ब (पेवस्त) करता है इसलिए शरीर के हर अंग में ताकत बढ़ जाती है और जोड़ों के बीच का लबाब बढ़ने लगता है और गाढ़ा होजाता है इसलिए जोड़ों का और कमर पीठ का गैप खतम होजाता है और हड्डियों नसों में ताक़त बढ़ जाती है हड्डियों और नसों का भुरभुरापन खतम होजाता है हड्डियाँ ठोस और मजबूत होजाती हैं नसों में ताकत बढ़ जाती है इसलिए शरीर के हर तरह के अंग में नौजवानी की स्थिति पैदा करते हैं और कमर का दरद जोड़ों का पुराने से पुराना दरद खतम होकर चुस्ती फुरती बढ़ जाती है और हड्डियों को ठोस करने वाला गोंद बड़ी तेज़ी से बढ़ता है इसलिए टूटी हुई हड्डी बड़ी तेज़ी से जुडने लगती है और मोछ खाए हुए अंग में दरद का एहसास खतम होकर ताकत का एहसास बढ़ जाता है यह दवा जोड़ों का दरद कमर और पीठ का दरद चोट मोछ का दरद खतम करती है और शरीर के हर अंग में ताकत नौजवानी की चमक पैदा करता है दिखाई देने वाले अंगों का पीलापन रूखापन खतम करके चहरे पर लाली और चमक को बढ़ाता है पहले डब्बे से परिवर्तन शुरू होजाता है जितना ज़्यादा इस्तेमाल करेंगे जमीन का सूखापन खतम होता चला जाएगा , कम से कम दो महीना जरूर इस्तेमाल करें अगर माजून लबाब शबाब के माजून शबाबे कलबिया इस्तेमाल करें तो और भी ज्यादा बेहतरीन है अगर जोड़ों में सूजन है तो रोगन फानूस को इस्तेमाल करें और अगर नसों में सिकुड़न है या नस बंद होने का यकीन है तो रोगन कंगारू इस्तेमाल करें आराम होगा अगर आप कम से कम दो महीना तक सिर्फ एक माजून या दोनों दवा को एक साथ इस्तेमाल करते हैं तो हर तरह की ताकत बढ़ेगी नस सब में मजबूती पैदा होकर आपके अंदर ताकत बढ़ेगी और कमर का गैप जोड़ों का दरद खतम होगा हड्डी का घिसाव खतम होगा अगर दो महीना इस्तेमाल करके दवा को बंद करेंगे और रिपोर्ट निकालने पर आपको उम्मीद से कम फायेदा होता है तो यह शरीर की खुश्की और कमजोरी ज़्यादा होने के कारण होता है और अगर बहोत पुराना दरद और कमजोरी है तो दो महीने की दवा से जो फायेदा होगा उसी से अंदाज़ा करके कुछ दिन तक ज़्यादा इस्तेमाल करके इलाज मुकम्मल करें और हर तरह की ताकत का कायमी फायेदा उठाएँ .

तरीका इस्तेमाल

दस दस ग्राम माजून सुबह खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें और कम से कम आधा घंटा बाद नाश्ता करें इसी तरह शाम को खाना खाने से एक या दो घंटा पहले दस दस ग्राम माजून सादे पानी से इस्तेमाल करें . फानूस तेल को सूजन या दरद वाली जगह पर लगाएँ और कंगारू तेल जहां नस बंद या चोकब होने का शक हो वहाँ पर लगाएँ .

शुगर बीमारी नहीं होनेवाली बीमारियों की अलामत है

जामुनी मेथी टैब्लेट आपका शुगर नहीं घटाता इस दवा का विशेषण शुगर घटाना नहीं है परंतु यह शुगर को खतम करने में मदद करता है . शुगर खुद कोई बीमारी नहीं है कियोंकि शुगर हर मनुष्य के शरीर में होता है शुगर का बढ़ना होने वाली या आने वाली बीमारियों का प्रतीक है जब मेदा और जिगर कमजोर होजाते हैं तो लुआब की पैदाइश घट जाती है लुआब में नस और हड्डी को ठोस करने वाला गोंद निकलता है और उसी के अंदर से इन्सुलीन निकलती है जब लुआब की पैदाइश कम होती है तो इन्सुलीन की पैदाइश घट जाती है और शुगर बढ़ने लगता है नसों की बीमारी अपना हाथ बढ़ाकर आप से चिपक जाती है पहले यौन शक्ति कमजोर हुई फिर ब्लड प्रेशर आया उसके बाद दूसरी बड़ी बीमारियां भी लाईन में लग जाती हैं . हमारी दवा जामुनी मेथी टैब्लेट सिर्फ ताक़त की दवा है जिस अंग के कमजोर होने से शुगर बढ़ना शुरू हुआ है उस अंग में मजबूती पैदा करके शुगर को खतम करने में मदद करता है पहले पंद्रह दिन की दवा से शुगर के लक्षण हाथ पैर में झुंझुनाहट थरथराहट खतम होगी दूसरे पंद्रह दिन की दवा से शुगर घटना शुरू होगा और जब नसों को ठोस करनेवाली गोंद शरीर के अंदर बढ़ेगी तो यौनिक अंग सक्रिय होंगे लेकिन आपको मीठे की तरह औरत से भी परहेज रखना होगा जब आपका इस दवा जामुनी मेथी से शुगर संतूलित होजाए तो थोड़ा थोड़ा परहेज खतम करना शुरू करदो और दवा को चालू रखो जब परहेज खतम होने के बाद शुगर घटना बढ़ना खतम होजाए एक ही शकल में रहने लगे तब आप दवा को बंद कर सकते हो जामुनी मेथी टबलेट से आपको सबसे बड़ा फायेदा यह होगा की शुगर होते हुए भी आप के अंदर शुगर के कोई लक्षण नहीं बचेंगे जब शुगर दो सौ200 के नीचे हो तो जामुनी मेथी टैब्लेट के साथ माजून कलबिया मोतदिल शुरू करदो , कलबिया मोतदिल से यह फायेदा होगा की नसों में जो कमजोरी पैदा हुई है यह कमजोरी खतम होगी और हर अंग दोबारा सक्रिय होजाएगा और अगर साथ में माजून शबाबे कलबिया चलाते हैं तो शरीर का हर अंग जवानी की तरफ वापस आने लगता है जब दोनों माजूनों जो दो ढाई महीना होजाए तो मगजीन टैब्लेट का इजाफा लरलें इस

टैब्लेट से शरीर का ढीला पन खतम होजाता है और सेहत स्थिरता की तरफ आने लगती है और धीरे धीरे शुगर बढ़ना खतम होजाता है और शरीर के अंदर हर तरह का बल और शक्ति बढ़ने लगती है बीमारी का खतरा खतम होकर सेहत स्थापित होजाती है .

तरीका इस्तेमाल

दो दो टैब्लेट और अगर माजून है तो दस दस ग्राम माजून सुबह खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें और कम से कम आधा घंटा बाद नाश्ता करें इसी तरह शाम को खाना खाने से एक दो घंटा पहले दो दो टैब्लेट दस दस ग्राम माजून सादे पानी से इस्तेमाल करें .

परहेज

हर परहेज जो शुगर के मरीज करते हैं और बदन में ताक़त मसूस होने पर कामुक इच्छओं पर काबू रखें जैसे जैसे शरीर प्रकृतिक स्तिथी पर आजाएगा कामुक इच्छाओं में वृद्धि होगी इसलिए इलाज के बीच में संभोग से ही परहेज करें यह अप्प के लिए बेहतर है .

जिगर, आंत, लीवर में सूजन हो उसका इलाज

माजून शबाबे कलबिया

बासीर टैब्लेट

इस नए दौर में हर जगह केमिकल की बहार है खाने पीने की चीजों से लेकर नई दवाओं तक केमिकल ज़िंदगी की जरूरत का एक हिस्सा बन गया है किसी भी सामान से या किसी भी तरीके से पेट में जाने वाले केमिकल का कम ज़्यादा होना या आपस में टकराव सीधा मेदा लीवर में खराबी की वजह बनता है और मेदा लीवर में मामूली खराबी से शरीर का नियम उलट पुलट होजाता है और प्रकृतिक नियम को वापस लाने के लिए नए तरीके को इस्तेमाल में लाया जाता है अगर आपका मेदा लीवर खराब होगया है या उस में सूजन होगई है तो बासीर टैब्लेट इस्तेमाल करें तुरंत आराम होगा कियोंकि शरीर के अंदर आधी बीमारी सूजन से शुरू होती है और आधी मेदा जिगर का नियम बिगड़ने से खून और लुआब में खराबी पैदा होने से होती है

अगर मेदा , लीवर , गुरदा मसाना , दिल दिमाग , फेफड़ा यह सब कमजोर होगया है तो एक बार इस दवा को इस्तेमाल करके जरूर देखें यह माजून शबाबे कलबिया शरीर उन खास अंगों को शक्ति प्रदान करता है शरीर के यह खास अंग शारीरिक नियम को बिगड़ने नहीं देते अगर इन महत्वपूर्ण अंगों में सूजन के लक्षण हैं तो भी इस दवा के इस्तेमाल से कुदरती हालत में आजाते हैं मगजीन टैब्लेट और बासीर टैब्लेट यह दोनों टैब्लेट सूजन को खतम करने और शरीर को ठोस करने में मदद करते हैं तीनों दवाओं को एकसाथ इस्तेमाल कर लेने से शारीरिक नियम बिगड़ने नहीं पाता शरीर सेहत की तरफ आजाता है अगर साथ में माजून शबाबे कलबिया को इस्तेमाल करते हैं तो यह बेहतरीन इलाज के साथ कुदरती ताक़त में बढ़ौतरी करने में मदद करता है और शरीर के हर अंग में बीमारियों से लड़ने की ताक़त बढ़जाती है और सेहत को स्थापित रखने में मदद करता है .

तरीका इस्तेमाल

बासीर टैब्लेट , मगजीन टैब्लेट और अगर माजून शबाबे कलबिया भी इस्तेमाल कर रहे हैं तो एक एक टैब्लेट और दस ग्राम माजून सुबह खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें और कम से कम आधा खंता बाद नाश्ता करें इसी तरह शाम को खाना खाने से एक या दो घंटा पहले तीनों दवाओं को एक साथ सादे पानी से इस्तेमाल करें .

बवासीर खूनी बादी का इलाज

बवासीर अक्सर क़ब्ज रहने से या अंतड़ियों में कद्दु दाना या कीड़ी किटाणु पड़ने से पहले खुजली या रेंगने जैसा महसूस होता है इसके बाद अंतड़ी के निचले हिस्से में कीडियों की भीड़ बढ़ती रहती है अंतड़ी की दीवार का लुआब चाटते चाटते अंतड़ी की दीवार में सूजन पैदा करदेती है अंतड़ी का निचला हिस्सा ढीला और कमजोर होकर कुछ हिस्सा बाहर आजाता है कीड़ी की वजह से अंतड़ी में सूखा पन पैदा होजाता है संडास सख्त होती है अंतड़ी की अंदरूनी परत कमजोर होने की वजह से खराश पैदा होकर खून की धारी जाहीर होती है . इस के बाद धीरे धीरे खून की मात्रा बढ़ जाती है या तो बहोत ज़्यादा रेचिक (जुलाब आवर) दवाएं इस्तेमाल करने से

खूनी बवासीर होती है या कीडियों के कारण अंतड़ियों में कमजोरी ढीला पन पैदा होकर दर्द और ज़ख़म दोनों की शुरुआत होती है कुछ लोगों को आंत के अंदरूनी तरफ गोटी की तरह फूल जाता है प्रचंत रूप से दर्द , जलन और बैठने पर तकलीफ होती है . कुछ लोगों के आंत में सूजन , कमजोरी ,ढीलापन पैदा होकर मस्सा (ठोंठा) बाहर निकल आता है अगर मस्सा ठोंठा बाहर है तो उसे काटना नहीं चाहिए कियोंकि गंदी जगह का ज़ख़म है अगर कभी खुल गया तो सीधा भगनदर बनने का यकीन रहता है इस संक्षिप्त विषय (मुख़्तसर मजमून) में तीनों बवासीर के कारण बयान नहीं हो सकते . हमारी इस दवा से बवासीर मुकम्मल ठीक होजाती है अगर सिर्फ खूनी बवासीर है तो यह दावा चलाएं जखमीनो टैब्लेट और बरगीन टैब्लेट और अगर सिर्फ बादी बवासीर है सिर्फ मस्सा ठोंठा बाहर निकला है तो बासीर टैब्लेट और बरगीन टैब्लेट बाहर से लगाने के लिए रोगन फानूस और अगर तीनों बवासीर है मतलब कीड़ी वाली , बादी और खूनी तीनों तकलीफ एक साथ है या दो तकलीफ एक साथ है मतलब खून जा रहा है और मस्सा ठोंठा बाहर है तो जखमीनो टैब्लेट , बरगीन टैब्लेट , बासीर टैब्लेट और रोगन फानूस इसी चार दवा एक साथ चलाएं .

तरीका इस्तेमाल

सभी दवाओं के खाने का तरीका सुबह खाली पेट एक एक टैब्लेट सादे पानी से इस्तेमाल करें और कम से कम आधा घंटा बाद नाश्ता करें इसी तरह शाम को खाना खाने से एक दो घंटा पहले एक एक टैब्लेट सादे पानी से इस्तेमाल करें और तेल को साफ कापुस या कपड़े में भीगो कर मस्सा या ठोंठा की जगह पर लगा लें और रोज़ नया और साफ कपड़ा इस्तेमाल करें . बड़े का गोश्त , मछली , बैंगन , कोंहड़ा से परहेज करें .

बेऔलाद , औरत बाँझ या मर्द

मर्दाना बांझपन खतम करने के लिए ये दावा इस्तेमाल करें

गर्भावस्था के लिए पहला कारण : औरत को कम से कम चार दिन तक माहवारी आना जरूरी है और अगर पाँच से सात दिन तक माहवारी खुल कर हर महीना टाईम कुदरती हालत में चालू और बंद होता है किसी दवा की मदद की जरूरत ना हो बिना दवा के अपने आप हर महीना चालू बंद होता हो तो यह लक्षण है की औरत के गर्भ में पूरी तरह से बच्चा पैदा करने की ताक़त मौजूद है औरत बांझ नहीं है औरत की मनी में अंडे होने का प्रमाण है औरत की माहवारी का आना बिना अंडे के माहवारी नहीं आती इस बीमारी का इलाज माहवारी वाले विषय में मौजूद है इसी शीर्षक के मुताबिक (अधीन) इलाज करें लेकिन जब तक औरत गर्भवती ना होजाए अगर औरत को भी माजून लबाब शबाब और माजून सलाम इस्तेमाल कराएं तो ज़्यादा बेहतर होगा .

गर्भावस्था के लिए दूसरा कारण : बच्चा मरदके अंदर होता है मरदकी मनी में वीर्य किटाणु का होना जरूरी है सत्तर से अस्सी प्रतिशत तक और मर्दाना लिंग में अस्सी से नव्वे प्रतिशत तक ताक़त का होना जरूरी है वो भी कुदरती स्थिति में जब तक वीर्य की आत्मा और शरीर में प्राकृतिक गरमी की शक्ति और गरमी मौजूद होगी तो वीर्य गाढ़ा होगा मनी गाढ़ी होगी तो वीर्य किटाणु भी शक्तिशाली होंगे और पौरुष ग्रंथि के रेशे भी सक्रिय होंगे पौरुष प्रजनन अंग (लिंग) भी सक्रिय होंगे यह स्थिति स्थायी (Permanent) होगी कियोंकि अस्थायी (Temporary) और अवसान तनाव से गर्भावस्था नहीं होती अगर वीर्य में किटाणु नहीं हैं तो यह मर्दाना बाँझपन है इसका इलाज करें जिस दवा में शरीर और आत्मा दोनों को ताक़त देनेवाली खासियत होगी तो दवा बंद करने के बाद ताक़त का असर खतम नहीं होगा यही प्रमाण है की इसकी मदद से गर्भवती कर सकते हैं और अगर इलाज के बाद असर खतम होगया तो इलाज अस्थायी और अवसान दोनों था गर्भवती बनाने का रास्ता ही नहीं है बाकी मर्जी अल्लाह की अगर आप दो से तीन महीने का इलाज करते हैं ताक़त कायमी होगी अगर स्त्रीवता पैदा होगई है अर्थात वीर्य पानी की तरह

होगया हो तो थोड़ा ज्यादा दिन तक इलाज करना होगा माजून अंबरी खास और माजून याकूत मुकव्वी खास और साथ में पैगामे शिफा टैब्लेट , ज्वाला खास टैब्लेट और साथ में रोगन मुरगाबी इन तीन दवाओं से शरीर और आत्मा दोनों में प्रकृतिक शक्ति पैदा होगी और दवा बंद करने के बाद जब तक खराबी का जुगाड़ ना होजाए ताक़त कुदरती हालत में स्थापित रहेगी . इस कारण से गर्भवती होना संभव है मगर दावा नहीं किया जा सकता दवा की सच्चाई यह है की हर पंद्रह दिन की दवा से यौन शारीरिक शक्ति में बदलाव होगा जैसे जैसे दवा को इस्तेमाल करते रहोगे ताकत में बढ़ौतरी होती रहेगी और जब आपको सच्चाई देखना हो तो दवा बंद करके देख लो हक़ीक़त समझ में आजाएगी और इलाज को आगे बढ़ाकर कोर्स पूरा करो पहले एक कदम आगे बढ़ाओ दूसरा कदम अल्लाह की मर्जी के बिना नहीं उठेगा लेकिन पहले कदम से आपके अंदर नवजवानी की ताक़त साथ होगी और हर तरह की खुशियाँ कायम होंगी .

तरीका इस्तेमाल

दस दस ग्राम माजून एक एक टैब्लेट सुबह खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें और कम से कम आधा घंटा बाद नाश्ता करें इसी तरह शाम को खाना खाने से एक या दो घंटा पहले दस दस ग्राम माजून और एक एक टैब्लेट सादे पानी से इस्तेमाल करें और सोते वक़्त दस बूंद तेल लिंग पर लगाएँ और तेल इस्तेमाल करने का पूरा तरीका बॉक्स के अंदर मौजूद है .हर तरह की खट्टी चीज़ का परहेज करें

स्वप्रदोष – प्रमेह (मनी का निकलना) यह होने वाली बीमारियों के लक्षण हैं

अगर इस दवा का इजाफा करते हैं तो बहोत ज़्यादा बेहतर है

शबाबे कलबिया माजून

एहतेलाम, जिरयान, मनी, की शिकायत है तो इस दवा को इस्तेमाल करें और इसी दवा से रुकावट भी बढ़ जाती है

हरिसा बूटी टैब्लेट

अंबरी खास माजून

स्वप्रदोष – प्रमेह मनी के निकलने के बहुत से कारण हैं इसका संक्षिप्त में विवरण (मुख़तसर में बयान) नहीं किया जा सकता लेकिन कुछ आम स्थितियां यह होती हैं के पौरुष ग्रंथि ढीली होजाति है और जिस वर्ग का ढीला पन पौरुष ग्रंथि में होगा उसी वर्ग का सप्नदोष प्रमेह होगा अगर ढीला पन बहुत ज़्यादा बढ़ गया तो सप्नदोष

याद नहीं रहता , सप्रदोष और प्रमेह का मूल केंद्र मस्तिष्क होता है दिमाग के अंदर यौनिक अंगों का कुछ हिस्सा होता है और इस हिस्से की कोशिकावों का सक्रिय होना ठीक है लेकिन जब यह कोशिकाएं हद से ज़्यादा संवेदनशील होजाति हैं तो यौनिक अंग हर वक़्त सक्रिय रहते हैं जो संतुष्टि छूने और करने से होनी चाहिए वो उत्तेजना किसी तरह की हरकत के बिना होता रहता है ऐसे मरीजों का यौनिक अंगों पर से काबू (कंट्रोल) खतम होजाता है ऐसे मरीजों के यौनिक और शारीरिक अंग बिना लगाम का घोड़ा बन जाता है अगर इस बीमारी का सही इलाज नहीं हुआ तो शारीरिक अंगों में विभिन्न प्रकार की बीमारियां होजाति हैं शारीरिक अंगों में कमजोरी पैदा होना शुरू होजाति है इसके लक्षण हैं माथे की खाल में कालापन पैदा होना चमड़ी पतली होना शुरू होजाना और हड्डियाँ पतली होजाति हैं अगर युवा में यह स्तिथी है तो उसकी हड्डियों में पतलापन पैदा होजाता है और हड्डियों का ठोसपन खतम होकर हड्डी नरम होजाति है ताकत मौजूद होगी जवानी की गर्मी से लेकिन उसके अन्दर भयभीत स्तिथी , तनहाई अकेलेपन में रहना , सामाजिक घृणा महसूस होना , भूक में कमी या खाने से अप्रियता महसूस करना ऐसे लोगों की खाल से अंदाज़ा करना बहोत आसान होता है युवाकाल में खाल चमकती है और जब मरज़ होजाता है तो चमक-दमक उड़ जाती है और खाल खुरदुरी होजाति है या ढीली होजाति है मतलब अपनी उमर से बीस साल आगे की स्तिथी पैदा होजाति है इसके इतनी ज्यादा हानि है की आने वाली किताब में बयान होगा . जो निशानी धात गिरने , सप्रदोष की प्रचंड स्तीथी में प्रदर्शित होती है वही निशानी हस्तमैथून के मरीज की भी होती है मतलब मनी बीमारी से निकालने या हाथ से बाहर निकाली जाए कमजोरी और विभिन्न प्रकार की हानी दोनों बीमारियों में होती है , अगर सप्रदोष – प्रमेह मनी की शिकायत वैवाहित व्यक्ति को है तो यह प्रचंड रूप से हानीकारक और आने वाले संकट का लक्षण है ऐसे रोग की पहली खराबी है मरीज की रुकावट खतम होजाति है लिंग में ढीलापन पैदा होजाता है अगर अभी नहीं है तो आगे जाकर नामरदी यक़ीनी है कियोंकि हड्डियों और नसों में कमजोरी पैदा होना और कई बड़ी बीमारियों को न्योते में आना है कियोंकि शारीरिक अंग जो लुआब पैदा करते हैं उसका कुछ हिस्सा बेकार होजाता है मतलब सप्रदोष – प्रमेह से होने खराब होजाता है और लुआब के अंदर से गरमी खतम होने लगती है और नसों में ढीलापन पैदा होना शुरू होजाता है इस तरह शारीरिक स्वास्थ ढलना शुरू होजाता है मतलब इसका इलाज बहोत जरूरी होता है इलाज इस तरह का होना चाहिए की हर तरह की ताक़त भी बढ़ जाए शारीरिक स्वास्थ में बढ़ौतरी हो और सप्रदोष – प्रमेह भी खतम होजाए रुकावट में वृद्धि पैदा होजाए हमारी दवा हरीसा बूटी टैब्लेट में मनी को गाढ़ा करने की विशेषता बहोत ज़्यादा है और माजून शबाब कलबिया में दिल , दिमाग , गुरदह , मसाना , मेदा , जिगर और लुयाबी कोशिकाओं में ताक़त पैदा करने की खास विशेषता है अगर इसके साथ माजून याकूत मुकव्वि खास इस्तेमाल करते हैं तो बेहतर है अगर तीनों दवा को एक साथ इस्तेमाल करते हो तो बहोत ज़्यादा बेहतर

है अगर सिर्फ जोश रुकावट पैदा करना है तो सिर्फ याकूत मुकव्वी खास के साथ हरीसा बूटी टैब्लेट इस्तेमाल करें अगर जोश को बहोत प्रबल करना है तो जौहरी टैब्लेट या ज्वाला खास टैब्लेट को बढ़ाएँ हर तरह की धात मनी सप्रदोष का मर्ज खतम होकर जोश रुकावट को बढ़ाकर शरीर के हर अंग में शक्ति बल स्वस्थ को स्थापित रखने में मदद करता है और आजमाइश जरूरी है .

तरीका इस्तेमाल

दस दस ग्राम माजून एक एक टैब्लेट सुबह खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें और कम से कम आधा घंटा बाद नाश्ता करें इसी तरह शाम को भी खाना खाने से एक या दो घंटा पहले दस दस ग्राम माजून एक एक टैब्लेट सादे पानी से इस्तेमाल करें .

मरदाना कमजोरी या मुकम्मल नामरदी

लिंग में नस और चमड़ा है शरीर के हर अंग की नस लिंग में मौजूद होती है जब मन में कामुक एहसास पैदा होता है तो किटाणु हरकत में आजाते हैं लुआब और लुआबी झिल्लियों में उत्तेजक्ता पैदा होजाती है शरीर के हर अंग की नसों में उत्तेजना बढ्ने लगती है और सारी नसें हरकत में आजाती हैं इसके बाद दिल और फेफड़ा पर हल्कासा महसूस ना होनेवाला दबाव बढ़ जाता है और विशिष्ट अंग में तनाव पैदा होना शुरू हो जाता है और शरीर अपना पूरापन या अधूरापन प्रदर्शित करता है लिंग में सख्ती और तनाव का होना इसलिए जरूरी है की इस विशिष्ट अंग से शरीर के हर तरह के अंग और हर तरह के हिस्से के कमजोर या स्वस्थ और ठोस होने का एहसास जाहिर करने और परखने वाला आला भी है ऐसा जरूरी नहीं है के लिंग में तनाव पैदा होरहा है तो संभोग करना जरूरी है विशिष्ट अंग के तनाव और सख्ती से शरीर के हर अंग को शांति मिलती है सिर्फ तनाव पैदा होने से क्योंकि लिंग शरीर का बहुत ही महत्वपूर्ण और विशिष्ट हिस्सा है इस महत्वपूर्ण हिस्से में दिल - दिमाग - अकल - याददाश्त - फेफड़ा - गुर्दा मसाना - जिगर और मेदा के अलावा एक पूर्ण व्यक्ति के अंदर जितनी इंद्रियाएँ और जितने अंग होते हैं सभी अंगों की नसें इस विशिष्ट अंग से जुड़ी हुई होती है और जब लिंग जीवंत होकर तनाव लेता है तो शरीर के हर

अंग का खून के जरिए दूसरे अंग से मिलाप होता है और अपने पूर्ण व्यक्तित्व का एहसास होता है और दिल संतुष्ट होकर अपनी जिम्मेदारियों में लग जाता है और बेचैनी खतम होजाति है जब किसी व्यक्ति में अधूरापन पैदा होता है तो उसके दिमाग में उत्तेजक स्थिति पैदा होजाती है कियोंकि दिमाग के अंदर हर तरह की हिस और सभी अंगों के हरकत करने का ऐक हिस्सा होता है हर हिस्से में अनगिनत कोशिकाएं (सेल्स) होते हैं और इन्हीं कोशिकाओं के अंदर की नसों के जरिए शरीर के हर अंग में हरकत पैदा होती है शरीर के सब अंगों का ताल्लुक़ दिमाग की कोशिकाओं से है इंसान के दिमाग में उत्तेजना पैदा होने की वजह यह है की जब दिमाग की नसों में खून चलते हुये उस जगा या हिस्से में पहुंचता है जहां लिंग के हिस्से की अनगिनत कोशिकाएं मौजूद हैं तो नाचाहते हुवे भी शरीर के दूसरे हिस्सों की कोशिकवों पर और खास कर शरीर के महत्वपूर्ण अंग की कोशिकावों पर और उसके अंदर मौजूद नसों पर खलल (व्यवधान) पैदा हो जाता है उस महत्वपूर्ण अंग के साथ दूसरे हिस्सों में भी बेचैनी पैदा होकर इंसान अधूरापन या कम आत्म सम्मान का शिकार होजाता है इसलिए लिंग में सख्ती का होना बहुत जरूरी है लेकिन औरत इस्तेमाल करना जरूरी नहीं है लिंग में सख्ती होना बहोत जरूरी है शरीर के अंदर दूसरे अंगों में कुदरती इमियुनीटी(रोग प्रतिरोधक शक्ति) के होने का एहसास पैदा होता है हर तरह की मशीनरी (इंजन) जिंदगी को जुगाड़ से रोज़ घसीटने का अंजाम क्या होता है इसको आप अच्छी तरह से जानते हैं अगर मशीन खराब है एक बार रिपेरींग के बाद जुगाड़ की जरूरत खतम हो जाए तो उसको इलाज कहते हैं खास कर यौन रोगों में बहोत सावधानी जरूरी है अगर लिंग में कमजोरी है या मुरदह हो गया है तो कंगारु तेल - माजून याकूत मुकव्वी खास - जौहरी टैब्लेट और जोवाला खास टैब्लेट इन चार दवाओं को एक साथ पंद्रह दिन तक इस्तेमाल कर के दवा बंद करदो आजमाइश के लिए अब दस पंद्रह दिन तक दवा को इस्तेमाल ना करो अगर पंद्रह दिन की दवा से बीस पच्चीस प्रतिशत आया हुआ फाएदा शारीरिक स्वस्थ्य और बल के साथ लिंग से खतम नहीं हो रहा है तो दोबारा शुरू कर के पूर्ण नपुंसकता का दो से तीन महीना कोर्स करलो और मुकम्मल स्वास्थ्य और जवानी की रवानी का एहसास और फाएदा उठाओ और इस दवा से ज्यादा ठोस और बेहतरीन फाएदा चाहते हो तो माजून अंबरी खास - माजून याकूत मुकव्वी खास - कुर्स पैगामे शिफा - कुर्स जौहरी और रोगन मुरगाबी इस से ईलाज करो यह सब से ठोस रोग प्रतिरोधक शक्ति (इमियुनीटी)पैदा करने वाली कायमी दवा है

तरीका इस्तेमाल

दस दस ग्राम माजून एक एक टैब्लेट सुबह खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें कम से कम आधा घंटा बाद नाश्ता करें इसी तरह शाम को खाना खाने से एक या दो घंटा पहले दस ग्राम माजून एक एक टैब्लेट सादे पानी से इस्तेमाल करें और सोते

वक़्त दस बून्द तेल लिंग पर लगाएँ और तेल के इस्तेमाल का पूरा तरीका विस्तार से बॉक्स के अंदर मौजूद है

परहेज

हर तरह की खट्टी चीज़ का सख्ती से परहेज करें

नए प्रकार की मरदाना कमजोरी या मुकम्मल नामरदी

इस बीमारी में हिस (महसूस करने की क्षमता) इतना ज़्यादा सक्रिय होजाती है की जो मजा छूने और करने से आना चाहिए वो सिर्फ सोंचते या देखते ही महसूस होने लगता है और दिल की धड़कन तेज़ होजाती है सांस की रफ्तार बढ़ जाती है लिंग सक्रिय होकर सिकुड़ने लगता है और लिंग से मनी निकालने लगती है यह नई नामरदी है ऐसे मरीज की वीर्य ग्रंथियां हर वक़्त सक्रिय रहती हैं ऐसे मरीज की शादी होने के बाद भी प्रमेह और सप्रदोष की बीमारी खतम नहीं होती है और संभोग के समय शीघ्रपतन की तकलीफ रहती है रुकावट कमजोर या खतम होजाती है ऐसे मरीजों का इलाज सिर्फ और सिर्फ दिल दिमाग , जिगर मेदा , फेफड़े और गुरदह मसाना को ताक़त देकर साथ में वीर्य ग्रंथि को ठोस करके मनी में गरमी और सोखने की ताक़त बढ़ाकर और लिंग की सौ प्रतिशत नसों को सक्रिय कर के ही इलाज होसकता है कियोंकि जब तक लिंग की सौ प्रतिशत नसों में खून नहीं दौड़ता तब तक शरीर के हर अंग को औरत की योनी का सुख नहीं मिलता और तब तक बेचैनी का मेला लगा रहता है और ऐसे में इंसानी शरीर विभिन स्थितियों से घबराया हुआ रहता है ऐसे मरीजों को माजून शबाब कलबिया जरूर खिलाएँ और साथ में माजून याकूत मुकव्वी खास , हारीसा बूटी टैब्लेट और जौहरी टैब्लेट इस्तेमाल करें और लिंग की सौ प्रतिशत नसों को खोलने और सक्रिय करने के लिए रोगन मुरगाबी का जरूर इस्तेमाल करें और अगर मरीज को सिर्फ मनी निकलने की बीमारी है तो मरीज को माजून शबाबे कलबिया के साथ हरीसा बूटी टैब्लेट इस्तमल कराएं पहले डब्बे से आराम होगा और अगर मरीज के लिंग में दस से बीस प्रतिशत या इस से ज़्यादा ढीला पन है तो जरूरत के हिसाब से पाँच दवाओं का इस्तेमाल करें मुकम्मल आराम होगा और सेहत कायम होजाएगी भरपूर जवानी का फायेदा उठाएँ अपनी तकलीफ से अपने हमसफर को तकलीफ में ना डालें कियोंकि मरद के कारण औरत कई

प्रकार की विभिन्न बीमारियों में उलझ जाती हैं इसीलिए आपका इलाज करना जरूरी है .

तरीका इस्तेमाल

दस दस ग्राम माजून एक एक टैब्लेट सुबह खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल और कम से कम आधा घंटा बाद नाश्ता करें इसी तरह शाम को खाना खाने से एक या दो घंटा पहले दस दस ग्राम माजून एक एक टैब्लेट खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें और तेल इस्तेमाल करने का तरीका विस्तार से बॉक्स में दिया गया है .

लीकोरिया अर्थात योनी से सफ़ेद पानी का निकलना उसका इलाज

अगर सफ़ेद पानी की शिकायत के साथ कमर दर्द, पेड़ू (कोख) में दर्द, जिस्म में कमजोरी या जोड़ों में भी दर्द की तकलीफ है तो निसवाँ टैब्लेट के साथ माजून लबाब शबाब भी इस्तेमाल करें

लबाब शबाब माजून

लीकोरा टैब्लेट

अगर सिर्फ सफ़ेद पानी की शिकायत है तो लिकोरा टैब्लेट इस्तेमाल करने से आराम होजाएगा

लीकोरा टैब्लेट

औरत की योनी से सफ़ेद पानी निकलना विभिन्न प्रकार की दूसरी बड़ी बीमारियों को पैदा करने की शुरुआत है , देखने में तो सफ़ेद पानी के निकलने से किसी प्रकार की कोई तक़लीफ जाहीर नहीं होती लेकिन इस बीमारी से जुड़ी हुई तकलीफ़ों का जान्ना आपके लिए जरूरी है , योनी की अंदरूनी परत ढीली होने से इस बीमारी की शुरुआत होती है जब योनी के अंदरूनी परत में ढीला पन पैदा होजाता है तो गर्भ के रेशों में मनी (लबाब) की कमी होजाती है और मनी गर्भ के रेशों में रुक नहीं पाती तो माहवारी में कमी पैदा होजाती है और योनी में जो रेशों का उभार होता है उसके ऊपर दूषित लबाब की परत जम जाती है इस में सूजन की स्थिति पैदा होजाती है उभरे हुए रेशे ढीले होजाते हैं अगर अविवाहित (गैर शादी शुदा) स्त्री है तो उसका शरीर कमजोर होने लगता है भूक कम या खतम होजाती है कमर दरद , जोड़ों का दरद , घुटने के नीचे खिंचाव पैदा होना , सर दरद , बदन में सुस्ती पैदा होजाती है गर्भ की अंदरूनी गरमी बढ़ जाती है और दूषित लबाब गर्भ में स्तंभित होकर गर्भ की गरमी से पहले दाना बनता है और फिर गांठ की शकल ले लेता है . हम ने जो निशानियाँ बताई हैं वो इलाज के अनुभव से प्राप्त की गयी है ऐसा जरूरी नहीं की सब लड़कियों में पूरे लक्षण एक साथ जाहिर हों शुरूआती बीमारी में कुछ निशानियाँ जरूर जाहिर होती हैं लेकिन अगर सफ़ेद पानी का इलाज नहीं हुआ तो पूरी

निशानियाँ जाहिर होने लगें गी अगर सफ़ेद पानी की शिकायत वैवाहित स्त्री को है तो ऊपर की निशानियों के साथ जल्दी गर्भवती होना मुश्किल है कियोंकि स्त्री प्रजनन अंग के अंदर जो उभरे हुए रेशे होते हैं उस पर दूषित मनी का अस्तर चढ़ा होता है जो दूषित मनी में लिपटा हुआ होता है इसलिए गर्भवती करने वाले किटाणु को तुरंत ज़िंदगी की गरमी और अंडे न मिलने के कारण वो किटाणु मुर्दा होकर पानी बन जाते हैं और निस्वानी मनी के साथ बाहर निकल जाते हैं , औरत या लड़की कोअगर मामूली अर्थात कभी कभी हफ्ता दस दिन में योनि से पानी आता है तो यह लिकोरिया नहीं है बल्कि कामुक उत्तेजना का परिनाम है और अगर कम या ज़्यादा रोजाना सफ़ेद पानी आता है तो निसवाँ टैब्लेट का इस्तेमाल करें एक दो डब्बे में आराम होजाता है और अगर लिकोरिया के साथ कमर दरद और कमजोरी भी है तो साथ में माजून लबाब शबाब बढ़ा लें बदन में ताक़त भी आजाएगी और बीमारी भी खतम होजाएगी .

तरीका इस्तेमाल

दस दस ग्राम माजून दो दो टैब्लेट सुबह खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें और कम से कम आधा घंटा बाद नाश्ता करें इसी तरह शाम को भी खाली पेट दस दस ग्राम माजून दो दो टैब्लेट सादे पानी से इस्तेमाल करें .

माहवारी का ज़्यादा या अनियमित होजाना

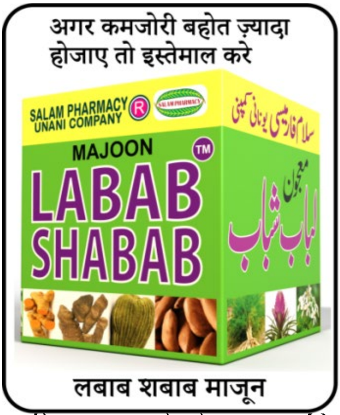

माहवारी एक हफ्ते से ज़्यादा दिनों तक जारी रहता हो या चार पाँच दिन तक माहवारी आकर बंद होजाता हो दोबारा हफ्ता या दस पंद्रह दिन के बाद दोबारा माहवारी आजाती हो या माहवारी दो या चार दिन आकार दो चार दिन बंद रहता हो फिर दो चार दिन आकर हमेशा हमेशा चालू बंद चालू बंद होते रहता हो तो यह या तो खून की ज्यादती से होता है या फिर गर्भ की इंद्रियाएँ (हिस) बहोत ज़्यादा तेज़ होचुकी हैं और गर्भ अपनी प्राकृतिक अवस्था से बहोत ज़्यादा सक्रिय होगया है इस तरह अगर माहवारी आती रही तो शरीर से प्रनाग्नि खतम होकर माहवारी की ज्यादती से शरीर बहोत कमजोर होजाता है जिस से दूसरी विभिन्न प्रकार की

बीमारियाँ पैदा हो सकती हैं किस से गर्भवती होने की संभावना घाट जाती है इसी लिए अनियमित माहवारी का शीघ्र इलाज करना जरूरी है वरना बहोत देर होने पर गर्भाशय में सूखापन पैदा होजाता है और बहोत सी नसें हद से ज़्यादा कमजोर होजाती हैं जखमीनो टैब्लेट , बरगीन टैब्लेट और बासीर टैब्लेट का इस्तेमाल करें और अगर कमजोरी हद से ज़्यादा होगई हो तो माजून लबाब शबाब का भी इस्तेमाल करें इस दवा को दो से तीन महीना तक इस्तेमाल करें मुकम्मल सेहत और माहवारी की नियामता सही होकर वक़्त पर आने लगती है .

तरीका इस्तेमाल

जखमीनो टैब्लेट , बरगीन टैब्लेट और बसीर टैब्लेट तीनों दवाओं में से एक एक टैब्लेट सुबह खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें अगर साथ में माजून भी है तो दस ग्राम माजून टैब्लेट के साथ इस्तेमाल करें और शाम को खाना खाने से एक या दो घंटा पहले चारों दवाओं को एक साथ सादे पानी से इस्तेमाल करें . बड़े का गोश्त , मछली , अंडा , मसाले दार चीज़ें , कद्दू और बैंगन को छोडकर सब खा सकते हैं.-

पेशाब के रास्ते से खून जाना या जलन होना

बरगीन टैब्लेट बासीर टैब्लेट जखमीनो टैब्लेट

बासीर टैब्लेट जखमीनो टैब्लेट

अगर पेशाब के रास्ते से खून आरहा है यह बहोत बड़ी बीमारी है मगर आसानी से ठीक होजाती है कियोंकि खून बिना ज़ख़्म के नहीं आता लेकिन पेशाब में खून आने का एक रास्ता और है वो हैं गुरदा , गुरदे का काम है खून को साफ करना कियोंकि खून में तीन हिस्सा पानी होता है गुरदा खून की गंदगी को पेशाब की थैली में दाल देता है इसी लिए पेशाब में खून आने का एक स्थान गुरदा भी है जब गुरदा खून से पानी को अलग करता है और अलग करने वाली झिल्ली में जगह पैदा होजाती है तो उस पेशाब में हल्की लाली वाला पतला खून भी आजाता है दूसरा खून आने का स्थान पेशाब की नाली है इसमें ज़ख़्म होने के बहोत से कारण होते हैं एक तो वैशिया औरत के साथ संभोग करना और दूसरा माहवारी के वक़्त औरतों के साथ बार बार संभोग करना इस से सुजाक का मर्ज होजाता है लेकिन सुजाक का नाम उस वक़्त तक नहीं दिया जासकता जब तक पेशाब के रास्ते मवाद या गंदा पीला पेशाब हल्की सी लाली लेकर न निकलता हो जब इस तरह की पेशाब जारी होगी तो उस में

जरासीम पैदा होजाने की निशानी है और अगर सिर्फ लाल या हल्का लाल पेशाब आता हो तो उसका एक कारण यह भी होता है गुरदा या मसाने में बारीक पथरी पैदा होजाती है और इसके बाहर निकलते वक़्त मसाने के ऊपर या मसाने के नीचे की नाली में खराश पैदा होकर जख्म बन कर खून जारी होगया हो पेशाब के रास्ते से खून जारी होने का कोई भी रास्ता हो या किसी भी कारण से पेशाब में खून आरहा है इस दवा से बहोत जल्द आराम मिलेगा खून रुकने के बाद कम से कम दो से महीने तक जरूर इस्तेमाल करें ताकि ज़ख़म के असरात मुकम्मल खतम होजाएँ हर तरह के जारी खून को रोकने केलिए जखमीनो टैब्लेट , बरगीन टैब्लेट और बासीर टैब्लेट इन तीनों दवाओं को एक साथ इस्तेमाल करें आपको कारण पता करने की जरूरत नहीं है एक दवा जरासीम के लिय है एक ज़ख़म के लिए है और एक सूजन के लिए है इसलिए तीनों एक साथ चलाना बेहतर है अगर किसी कारण से ज़्यादा दवा इस्तेमाल करना नहीं चाहते तो सिर्फ बासीर टैब्लेट और जखमीनो टैब्लेट बस दो दवा चलाएं बरगीन जरासीम केलिए है इस तीन दवा से हर तरह के हर जगह के आते हुए खून को रोकने में मदद मिलती है और मुकम्मल आराम होजाता है .

तरीका इस्तेमाल

एक एक टैब्लेट सुबह खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें और कम से कम आधा घंटा बाद नाश्ता करें और इसी तरह शाम को खाना खाने से एक या दो घंटा पहले एक एक टैब्लेट सादे पानी से इस्तेमाल करें . मछली , बड़े का गोश्त , अंडा , कोंहड़ा , बैंगन से सख्ती से परहेज करें .

माहवारी में कमी या माहवारी का बंद होना

महीना कम से कम चार दिन आना जरूरी है अगर चार दिन से कम आरहा है तो यह गर्भ के अंदर पित की गरमी संतूलित मात्रा से ज्यादा होने की निशानी है अगर गर्भाशय में गरमी संतूलन पर होगी तो गर्भाशय के रेशों में मौजूद मनी के अंडे पच्चीस25 से अट्ठाइस28 दिन के अंदर खून में परिवर्तित होकर माहवारी की शकल में निकाल जाती है और दोबारा गर्भ अपने दूसरे चरण की शुरुआत कर देता है . दूसरा चरण यह होता है की पच्चीस दिन तक गर्भाशय आने वाले मेहमान का इंतेजर

करता है अगर इसी बीच संभोग से गर्भवती होगए तो शिशु गर्भाशय का मेहमान होजाता है और गर्भ की मनी और अंडे सब मेहमान की परवरिश में खर्च होजाते हैं और महीना तुरंत बंद होजाता है कियोंकि गर्भाशय अपने कुदरती नियम पर लौट जाती है . अगर औरत को चार से सात दिन तक माहवारी आरही है तो यह इस गर्भ के स्वस्थमय और कुदरती हालत पर होने की निशानी है अगर महीना चार दिन से कम आरहा है तो यह गर्भाशय की बिगड़ी हुई व्यवस्था की निशानी है ज़्यादा तर औरतों में माहवारी की कमी का कारण सफ़ेद पानी की शिकायत (लीकोरिया) है जिस के कारण मनी बेकार होजाती है और गर्भाशय की अंदरूनी दीवार और गर्भाशय के रेशे कमजोर और ढीले होजाते हैं गर्भाशय की गरमी में कमी पैदा होजाती है अगर सफ़ेद पानी के कारण माहवारी में कमी होगी तो कमर दरद , कमजोरी , सुस्ती , सख्त दरद के साथ महीना आना , संभोग की इच्छा समाप्त होजाती है और संभोग के वक़्त दरद या जलन का होना उसके लक्षण हैं . अगर यह लक्षण दिख रहे हों तो यह साबित होता है की सफ़ेद पानी के कारण माहवारी में कमी पैदा हुई है इसका इलाज है पहले निसवाँ टैब्लेट और माजून लबाब शबाब दोनों दवा को एक साथ इस्तेमाल करें पहले पंद्रह दिन में या दूसरे पंद्रह दिन की दवा से पूरी तकलीफ खतम होजाएगी पहले पंद्रह दिन में अगर महीना आगया तो अंदाज़ा करें माहवारी में क्याड़ा बदलाव आया अगर महीना बढ़ गया तकलीफ कम हुई तो दवा को कुछ दिनों तक चालू रखें अगर एक महीना में तकलीफ खतम नहीं होती है तो गर्भ के अंदर गरमी ज़्यादा और खून गाढ़ा हो गया है इसलिए माहेरवाँ टैब्लेट और पत्थर चट्टा दोनों एक साथ चलाएं अगर कमजोरी भी है तो साथ में माजून सलाम भी दो से तीन महीना इस्तेमाल कराएं .

तरीका इस्तेमाल

दस दस ग्राम माजून दो दो टैब्लेट सुबह खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें और कम से कम आधा घंटा बाद नाश्ता करें इसी तरह शाम को खाना खाने से एक या दो घंटा पहले दस दस ग्राम माजून दो दो टैब्लेट सादे पानी से इस्तेमाल करें .

गर्भाशय या पीसतान में गांठ गिल्टी हो उसको गलाने का इलाज

अगर सूजन है तो साथ में इस दवा को चलाएं

बासीर टैब्लेट

अगर बच्चे दानी में गांठ है तो इस दवा से इलाज करें

महेरवाँ टैब्लेट आबे शबाब माजून

अगर पीसतान में गांठ या गिल्टी है तो इस दवा से इलाज करें

कलबिया मोतदिल माजून आबे शबाब माजून

गांठ गिल्टी लुआबी अंगों में खराबी पैदा होने से या लुआबी अंगों में खराश पैदा होकर पानी स्तंबित होजाता है स्तन के अंदर अनगिनत कोशिकाएं होती हैं और इस जगह आने के बाद लुआब दूध में बदल जाता है लेकिन यह नियम उस वक़्त तक नहीं बदलता जब तक गर्भ के अंदर किसी अतिथि का प्रवेश ना होजाए और एक बार गर्भअवस्था पैदा होगई तो स्थन की अनगिनत कोशिकाएं सक्रिय होकर प्रकृतिक नियम अनुसार होजाती हैं अर्थात दूध पैदा करने वाली कोशिकाएं और लुआब की कोशिकाएं दोनों एकसाथ सक्रिय होने केलिए मिलना शुरू होजाते हैं अगर गर्भपात होगया तो भी दोनों तरह की कोशिकाएं अपने प्रकृतिक नियम अनुसार ही रहती हैं जब तक लड़की कुंआरी या बिना गर्भअवस्था के है तब तक सिर्फ लुआबी कोशिकाएं सक्रिय रहती हैं अगर कुंवारी लड़की के लुआब में दूषितपना पैदा होजाए तो ऐसी लड़की को गांठ शरीर के दूसरे हिस्सों में होगी अर्थात ऐसी गांठ चर्बी की गांठ में मानी जाएगी और हर तरह की गांठ से कैंसर का खतरा नहीं होता लेकिन अगर गांठ स्थन में है तो ऐसी गांठ को मामूली सा ज़ख़्म भी सूखने से पहले खराब होकर जरासीम पैदा कर लेता है अगर गांठ में किसी भी तरह का ज़ख़्म या इंजेक्शन से पानी वगैरा नहीं निकाला गया है तो दो महीना तक दवा को चलाएं और इसी से अंदाजा करके आगे का इलाज शुरू करके मुकम्मल गांठ को गलाएँ कियोंकि गांठ का कोई वक़्त निश्चितनहीं किया जा सकता . स्थन की गांठ गिल्टी में माजून आबे शबाब और माजून कलबिया मोतदिल इन्हीं दोनों दवाओं से मुकम्मल शिफा होजाती है अगर सूजन और जरासीम का यकीन हो तो साथ में पंद्रह दिन या एक महीना तक बासीर टैब्लेट और मगजीन टैब्लेट की बढ़ौतरी कर दें अगर गर्भ में गांठ गिल्टी है तो इसके बहोत से कारण हैं इसका सारांश (मुख़तसर) यह है की अक्सर गर्भपात की दवा गर्भाशय को सिकोड़ कर गर्भस्थ शिशु को बाहर करदेती है इसलिय गर्भ की दीवार पर जिस जगह बच्चा जुड़ा हुआ होता है वहाँ गर्भपात के बाद ज़ख़्म बन जाता है और यह ज़ख़्म गांठ गिल्टी के सिवा ट्यूमर भी बन सकता है कियोंकि इस जगह बढ़ाने की खासियत होती है अर्थात इसका सारांश ये है की अगर गर्भाशय

में गांठ है तो पहले रिपोर्ट निकालो उसके बाद दो महीना तक माजून आबे शबाब और महेरवाँ टैब्लेट को इस्तेमाल करो और दो महीना की दवा से किता फायेदा हुआ उसी से अंदाज़ा करके आगे का इलाज शुरू करें गांठ खतम होने तक और रिपोर्ट से मालूम करके तसल्ली करलें गर्भ के अंदर गांठ है तो माहेरवां टैब्लेट और माजून आबे शबाब इस्तेमाल करें सूजन का यकीन हो तो बसीर टैब्लेट इस्तेमाल करें अगर अल्लाह ने चाहा तो मुकम्मल शिफा होगी .

तरीका इस्तेमाल

दस दस ग्राम माजून दो टैब्लेट माहे-रवां और अगर बासीर इस्तेमाल कर रहे हैं तो एक टैब्लेट बासीर में से सुबह खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें और कम से कम आधा घंटा बाद नाश्ता करें इसी तरह शाम को भी दस दस ग्राम माजून दो टैब्लेट और अगर बसीर इस्तेमाल कर रहे हैं तो उस में से एक टैब्लेट खाना खाने से एक या दो घंटा पहले सादे पानी से इस्तेमाल करें .

हर जगह की गांठ गिल्टी गलाने का इलाज

गांठ गिल्टी किसी भी जगह पर हो माजून आबे शबाब इसको गलाने में मदद करता है इसका तरीका यह है की पहले सोनोग्राफी कर के मालूम करो इसका साइज़ क्या है और कितनी गिल्टी है उसके बाद माजून आबे शबाब और साथ में माजून कलबिया मोतदिल दोनों दवाओं को एक साथ शुरू करदो और दो महीना दवा खिलाने के बाद दोबारा रिपोर्ट निकालो और मालूम करो गांठ का कुछ हिस्सा बाकी है या मुकम्मल खतम होगया है अगर कुछ हिस्सा गांठ का अभी बाकी है तो अंदाज़ा करो दो महीना में कितना गांठ छोटी हुई है इसी हिसाब से अंदाज़ा करके कुछ दिन तक दोबारा दवा खिलाएँ इसके बाद रिपोर्ट निकालो जब गांठ मुकम्मल खतम होजाए इसके बाद एक महीना ज़्यादा दवा को इस्तेमाल करें कियोंकि गांठ का रेशा अगर बचा होगा तो मुकम्मल खतम होजाएगा अगर गांठ में जरासीम का शक है तो दोनों माजून के साथ मगजीन टैब्लेट को बढ़ालें किसी भी तरह की जरासीम होगी तो खतम होजाएगी अगर कैंसर के जरासीम का शक है तो गांठ गलने के बाद मगजीन टैब्लेट और बरगीन टैब्लेट दोनों दवा छे महीना तक इस्तेमाल कराएं इसके बाद तसल्ली के लिए रिपोर्ट निकालो .

जरूरी चेतावनी

किसी भी जगह गांठ गिल्टी का यकीन हो जाए तो उसको काटने नोचने से बचाव कियोंकि गांठ में लुआबी पानी होता है अर्थात जिस जगह तेल पानी का मिश्रण वाला हिस्सा होता है उसी जगह गांठ गिल्टी निकलती है इस तेल पानी के मिश्रण वाले हिस्से का ज़ख़म जल्दी सूखता नहीं इस तरह के ज़ख़म के सूखने से पहले सड़कर उसमें जरासीम या कीड़ी पैदा होजाना यक़ीनी होता है और इसके बाद कैंसर का होना शरत है इसलिए मामूली ज़ख़म इसको पका कर फोड़ा बना देता है .

तरीका इस्तेमाल

दस दस ग्राम माजून अगर टैब्लेट है तो एक एक टैब्लेट सुबह खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें कम से कम आधा घंटा बाद नाश्ता करें इसी तरह शाम को खाना खाने से एक या दो घंटा पहले दस दस ग्राम माजून एक एक टैब्लेट सादे पानी से इस्तेमाल करें . हर तरह की खट्टी चीजों का और हर मादा जानवर के गोशत का परहेज करें .

पुराना नजला जुकाम सरदी से हो रहा हो या गरमी से उसका इलाज

नजला जुकाम सरदी से हो रहा हो या गरमी से इसका केंद्र दिमाग है और यह लापरवाही करने वाली बीमारी नहीं है कियोंकि मेदा जिगर दोनों मिलकर जो कमाते हैं उसका बीस से पच्चीस प्रतिशत हिस्सा दिमाग को चलाजाता है अगर दिमाग इस लबाब को पचा लेता है तो शरीर के किसी भी अंग में कमजोरी है का एहसास नहीं रहता है और शरीर के सारे अंग अपने काम को ढंग से अंजाम देते हैं हर अंग अपने ताकतवर मजबूत होने का एहसास जाहीर करके मुकम्मल इंसान होने का एहसास जाहिर करते हैं और कई तरह की कमजोरी और बहोत सी बड़ी बीमारियों की शुरुआत का साधन भी नजला जुकाम है जब दिमाग का हाजमा खराब होता है तो नजला जुकाम की शुरुआत होती है अगर दिमाग के अंदर सरदी पैदा होगई तो दिमाग की झिल्लियों में नाक की तरफ आने वाली और और गले की ओर दिमाग की कोशिकाओं (रेशों) में सूजन पैदा होजाती है सूजन की स्थिति मरज़ के कमजोर

या ताकतवर होने के हिसाब से सूजन होती है और यह सरदी फेफड़े के अंदर प्रवेश करने पर सांस में तंगी पैदा होने का कारण बंता है या फेफड़े में पानी होने का साधन बंता है इस मरज़ की बड़ी लंबी कहानी है यह किताब सिर्फ तरीका इलाज है इसलिए सारांश है और दूसरा नजला जुकाम गरमी के कारण होता है और लबाब पिघलता है लुआब में सफरा बढ़ जाता है गरम नजला जुकाम की निशानी है ऐसे मरीजों को गरमी के मौसम में या ज़्यादा गरम मसालेदार आहार के सेवन से छोटी बड़ी आंतों में सूखापन पैदा होकर क़ब्ज पैदा होजाती है पेट साफ नहीं रहता जब दिमाग का लासिका पिघलकर सीने की तरफ बढ़ता है और हवा की नाली का मुंह बंद करती है तो फेफड़ा लासिका को हटाने की कोशिश करता है और इस तरह की खांसी आती है की एक दो बार खर खर करके रह जाता है और लगातार खांसी नहीं आती है लेकिन अगर फेफड़े में संतुलन से ज्यादा गरमी पैदा होगई तो हवा में सूखापन पैदा होकर फेफड़े का लासिका सूखने लगता है और दिमाग से आई हुई नमी हवा की नाली में चिपकने लगती है और लगातार खांसी की मदद से फेफड़ा इस नमी को हटाने की कोशिश करता है और फेफड़े के अंदर का लासिका गाढ़े बलगम की शकल लेकर सांस में तंगी का कारण बनती है अगर इलाज में गलती हुई तो बलगम फेफड़े में सूखकर दूसरी बीमारियों को पैदा करता है . अगर सरदी से नजला जुकाम होरहा है या कुछ भी ठंडा खाने पीने से नजला जुकाम सरदी खांसी या फेफड़े में पानी बढ्ने से सांस में तंगी पैदा होरही है और खांसी आने पर लासा लुआब जैसा लासिका निकल रहा हो तो माजून कलबिया मोतदिल और साथ में हरिसा बूटी टैब्लेट इस्तेमाल करें आराम होगा और अगर गरम नजला है तो बलगम फेफड़े में गाढ़ा होता रहता है और खांसी आने के बाद जब बलगम निकाल जाता है तो राहत महसूस होती है अगर फेफड़े में बलगम जाम गया है और खांसी सांस फूलने की बीमारी होती है तो माजून कलबिया मोतदिल और बरगीन टैब्लेट इस्तेमाल करें आराम होजाएगा .

तरीका इस्तेमाल

दस दस ग्राम माजून सुबह खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें और इसी तरह शाम को भी खाना खाने से एक या दो घंटा पहले दस दस ग्राम माजून एक एक टैब्लेट सादे पानी से इस्तेमाल करें .

गुर्दा मसाना में कमजोरी या गुर्दा मसाना में सूजन होगई हो उसका इलाज

अगर गुर्दा सिकुड़ गया है तो यह दवा इस्तेमाल करें

आबे शबाब माजून | याकूत मुकव्वी खास माजून | कलबिया मोतदिल माजून

गुर्दे (मसाने) में सूजन है तो ये दवा इस्तेमाल करें

बासीर टैब्लेट | मगजीन टैब्लेट | लबाब शबाब माजून | कलबिया मोतदिल माजून

गुर्दे में कमजोरी का मूल्य कारण या तो सूजन होती है या गुर्दे के अंदर मौजूद नस सिकुड़ जाती है तो नसों के ऊपर रहने वाला गुर्दा और गुर्दे के अंदर का रेशा कोशिकाएं भी सिकुड़ जाती हैं जब गुर्दे की साइज़ कम होती है तो गुर्दे के रेशे की कोशिकाएं भी कम होजाती हैं और कुछ लोगों की कुछ कोशिकाएँ बंद होकर बाकी कुछ हिस्सों के रेशे की कोशिका कुदरती हालत में रहकर खून को साफ करती रहती है और कुछ हिस्सा बेकार होजाता है लेकिन जब नसों में कुदरती ताक़त पैदा होकर नस ठोस और सक्रिय होती है तो उसके अंग वापस अपनी कुदरती शकल में आकार दोबारा कुदरती निजाम से चलने लगते हैं गुर्दे का काम है खून साफ करके खून का पानी पेशाब की थैली में डाल देना खून में तीन हिस्सा पानी होता है और गुर्दा हर वक़्त खून की गंदगी को साफ करता रहता है अगर पेशाब होरही है तो यह समझ लो की गुर्दा पूरी तरह से सक्रिय है कियोंकि पेशाब की थैली में पानी आने का एक ही रास्ता है गुर्दा जब खून गुर्दे के वाल में प्रवेश करेगा तो पानी पेशाब की थैली में जाएगा और खून आगे बढ़कर दोबारा पानी ले लेता है अगर गुर्दे में सिकुड़न है तो माजून कलबिया मोतदिल और माजून याकूत मुकव्वी खास यह दोनों दवा को एक साथ पंद्रह दिन तक चलाएं और अगर साथ में माजून शबाबे कलबिया को चलाएं तो बेहतर है कियोंकि माजून शबाबे कलबिया गुर्दे को ताकत देने की दवा है और जब एक महीना होजाए तो मगजीन टैब्लेट बढ़ा दें दो महीना के बाद रिपोर्ट निकालकर देखें गुर्दा कुदरती साइज़ में आगया है या कुछ कसर बाकी है और सब से बेहतरीन तरीका है की पेशाब पहले से ज़्यादा बढ़ गई है या पुरानी हालत में है अगर पुरानी हालत में हो तो खीरा कंकड़ी खाकर पानी पी लें तरबूज खाकर पानी पी लें इस से पेशाब बढ़ जाएगी और खून की गंदगी धीरे धीरे साफ होती रहेगी इस इलाज में कम से कम छह महीना या इस से भी ज़्यादा वक़्त लग सकता है और अगर गुर्दे में मामूली सी सूजन पैदा हुई है तो कमर दरद होगा या भरी पन महसूस होगा बदन में जलन या चुंचुनाहट होगी और अगर गुर्दा की नसों में सिकुड़न पैदा हुई है तो गुर्दा की गोलाई कम होजाएगी और खून के अंदर मौजूद ठोस कण बाहर नहीं निकाल पाएंगे जिस से शरीर पर सूजन पैदा होजाएगी पैर या चहरे या दोनों पर

सूजन दिखाई देना गुर्दे के सिकुड़ने की निशान है गुर्दे की जाली का सुराख तंग होगया है अगर गुर्दे में सूजन पैदा हुई है तो माजून कलबिया मोतदिल और माजून लबाब शबाब को बासीर और मगजीन टैब्लेट के साथ इस्तेमाल करें इसी से मुकम्मल आराम होगा अगर आपको एक महीना में कुछ अच्छा महसूस होता है तो आप अपने लिए बेहतरीन सुझाव रखेत हैं .

तरीका इस्तेमाल

दस दस ग्राम माजून एक एक टैब्लेट सुबह खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें कम से कम आधा घंटा बाद नाश्ता करें इसी तरह शाम को खाना खाने से एक दो घंटा पहले पूरी दवा को एक साथ सादे पानी से इस्तेमाल करें . हर तरह की खट्टी चीज़ से परहेज करें .

दमा अर्थात फेफड़े की कमजोरी या सांस में तंगी पैदा होना

फेफड़ों की कमजोरी से सांस फूलने की बीमारी होती है इसके सिवा जब किसी कारण सरदी पैदा होने से बलगम गाढ़ा होकर पक जाता है और बलगम पीला होजाए या फेफड़ों में बलगम सूख जाए तो सांस में तंगी पैदा होजाती है शरीर के अंदर गरमी संतुलन से ज़्यादा होजाए तो लसीका दूषित होने लगता है और बलगम का पीला और गाढ़ा होना या सुख जाना यह स्थिति स्वास्थ्य के लिए खराबी की निशानी है अर्थात आप किसी भी तरह के जरासीम वाली बीमारी में पड़ सकते हैं इसी लिए ऐसी स्थिति को बदलना बहोत ही जरूरी होता है वर्ण शारीरिक नियम बदलने लगता है और शरीर में तकलीफ बढ़ जाती है ऐसी हालत में माजून कलबिया मोतदिल से प्राणगनी संतुलित होजाती है साथ में बासीर टैब्लेट जो शरीर के हर तरह के आंतरिक अंगों की सूजन शोथ को खतम करदेती है इसके इस्तेमाल से बलगम अपना रंग बदल कर अपने कुदरत रंग पर आने लगता है सेहत में बेहतरी दिखना शुरू होजाती है अगर बलगम अपने असली हालत में आने के बाद पतला होकर

सांस में मुसकिल पैदा करने लगे तो मगजीन या जौहरी टैब्लेट बढ़ा दें अगर लुआबी अंगों और लुआब में सरदी पैदा होजाए तो फेफड़ों में सिकुड़न पैदा होकर सांस लेने में मुश्किल पैदा होने लगती है और जौहरी टैब्लेट बढ़ाने से इन्हीं तीन दवाओं से मर्ज खतम होगा लेकिन इस तरह के मरीजों के गले फेफड़े में सूजन भी होती है इसलिए बासीर टैब्लेट को पाँच से दस दिन तक खिला दिया करें आंतरिक अंगों की सूजन खतम होकर मर्ज को खतम करने में मदद करेगा सांस का मामला बड़ा ही महत्वपूर्ण है इसलिए इसको बहोत ही लंबी स्पष्टता की जरूरत है जो इस सारांश (मुख़तसर) सी किताब में बयान करना मुश्किल है इसके बाद वाली किताब में बड़ी ही स्पष्टता के साथ सभी बीमारियों का बयान और इलाज होगा .

तरीका इस्तेमाल

दस दस ग्राम माजून एक एक टैब्लेट सुबह खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें और कम से कम आधा घंटा बाद नाश्ता करें इसी तरह शाम को खाना खाने से एक या दो घंटा पहले दस दस ग्राम माजून एक एक टैब्लेट सादे पनि से इस्तेमाल करें .

सरद बादी (दमा) या सांस में तंगी पैदा होना

बासीर टैब्लेट

मगजीन टैब्लेट

सर्दी हरन टैब्लेट कलबिया मोतदिल माजून

सरद बादी दमा की निशानी बलगमी दमा से भिन्न है इसका बयान बलगमी दमा के विषय में होगा . इस जगह फेफड़ा में सरदी पैदा होनेसे जो निशानी है उसका बयान है , सरद बादी दमा का मरज़ होने से सांस में तंगी पैदा होजाती है तो इस मरज़ में हाथ और पैर की उँगलियाँ ठंडी होजाती है और उँगलियों में सूजन चढ़ जाती है यह सूजन शरीर के दूसरे हिस्से में नहीं होती है और खांसी ना होने के बराबर रहती है सांस लगातार (मुसलसल) फूलती रहती है और लसीदार लबाब फेफड़े में जमा होजाने से खांसी आती है और सांस में तंगी बढ़ जाती है इस बीमारी का मुख्य कारण फेफड़े में सरदी पैदा होना है इस के कारण फेफड़े में आने जाने वाली हवा के अंदर का पानी फेफड़े में जमा होता रहता है इसलिए फेफड़े में तंगी और सरदी पैदा होजाती है और फेफड़े के अंदर की नसों में दौड़ने वाले खून की गरमी से पानी गाढ़ा होकर लबाब में परिवर्तित होता रहता है और फेफड़े की सिकुड़न खतम नहीं होती और सांस में तंगी स्थायी रहती है जब तक फेफड़े में ताकत और शरीर के हर अंग की नसों में गरमी के साथ नसों में सक्रियता नहीं पैदा होती है इस मरज़ से छुटकारा नहीं

मिलता है और कुछ लोगों में सरदी बहोत ज़्यादा बढ़ जाने से जब खून में गरमी कम होजाए तो फेफड़े में पानी जमा होना शुरू होजाता है अगर फेफड़े में पानी जमा होगया हो या सरद बादी दमा का मरज़ होगया हो तो ऐसी स्थिति में आप माजून कलबिया मोतदिल जो नसों में सक्रियता पैदा करता है और हरीसा बूटी टैब्लेट पानी को भी गरमी के साथ संविलीन करके लुआबी रेशों में ताकत को बढ़ाता है हरीसा बूटी टैब्लेट लुआब को दूषित बलगम नहीं बनने देता है यह लुआब को संविलित कर के ताकत को बढ़ाता है आप एक छोटा डब्बा कलबिया मोतदिल का और एक डब्बा हरीसा बूटी टैब्लेट का एक हफ्ता तक इस्तेमाल करते हैं तो इसका फायेदा आपके सामने होगा आगे का इलाज करके मरज़ को खतम करने में मदद मिलेगी पहली खुराक से फायेदा शुरू होजाता है अगर गले में सीने में सूजन के लक्षण हैं तो बासीर टैब्लेट भी इस्तेमाल करलें सूजन खतम गैस और तेजाबीयत से छुटकारा मिलता है .

तरीका इस्तेमाल

दस दस ग्राम माजून और एक एक टैब्लेट सुबह खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें इसी तरह शाम को खाना खाने से एक या दो घंटा पहले दस दस ग्राम माजून एक एक टैब्लेट सादे पनि से इस्तेमाल करें .

पेशाब में जलन हो या मसाने में गोश्त बढ़ गया हो

पेशाब में जलन होने के बहोत से कारण होते हैं जैसे मसाने और पेशाब की नाली में सूजन पैदा होने से पेशाब में जलन पैदा होजाती है और पौरुष ग्रंथि के सक्रिय होने से वीर्य पदार्थ का कुछ हिस्सा पौरुष ग्रंथि से बाहर पेशाब की नाली की तरफ ठहेर जाता है और पौरुष ग्रंथि और मजी की बहोत तेज़ गरमी से कुछ लोगों की मजी सूख जाने से खराश पैदा होकर जलन का कारण बनती है कुछ लोगों की मजी ठहेर जाती है नाली में और वहाँ अनियमित गरमी से सड़न पैदा होकर इसमें जरासीम पैदा होजाती है और जरासीम वाले मरीज के पेशाब की जलन फौरन ठीक नहीं होती है और सही इलाज नहीं होने की हालत में सुजाक का कारण बनती है और बाकी दूसरे जीतने कारण हैं उनको ठीक करने का बेहतरीन इलाज यह भी है की आप खीरा कंकड़ी बीज वाली अर्थात पक्का खीरा खाकर फौरन पानी

पीलें आराम होजाएगा या तरबूज खाकर फौरन पानी पी लें खुल कर साफ पेशाब होगी और जलन ठीक होजाएगी और अगर मरज़ पुराना होगया है हमेशा जलन चालू बंद चालू बंद होता रहता है तो बरगीन टैब्लेट इस्तेमाल करें सुबह शाम उससे आराम होगा और अगर बहोत ज़्यादा बेहतर करना होतो बरगीन टैब्लेट के साथ बासीर टैब्लेट इस्तेमाल करें तो और भी कई दूसरी बीमारियाँ होंगी वो भी खतम होजाएगी इस दोनों टैब्लेट को इस्तेमाल करने से पेशाब की नाली या पेशाब खुलने की जगह पर गोश्त बढ़ गया हो या सूजन पैदा होगई हो जरसीम पैदा होगई हो और शरीर के दूसरे कई हिस्सों की सूजन जरसीम वगैरा को खतम करता है और अगर इन दोनों टैब्लेट को बिना जरूरत मरज़ ना होने की सूरत में इस्तेमाल करते हैं तो शरीर के हर हिस्से से सूजन और जरासीम खतम होकर सेहत बेहतर होजाती है कई बार किसी खास या आम जगह की मामूली से आंतरिक सूजन और जरासीम किसी बड़ी बीमारी का कारण बनती है इन दोनों दवाओं के इस्तेमाल से ऐसी भी जगह की तकलीफ को आराम होजाता है और यह कुदरती जड़ी बूटी होने के कारण किसी भी तरह का नुकसान नहीं करती है .

तरीका इस्तेमाल

एक एक टैब्लेट बरगीन अगर बसीर है तो उसमें से भी एक टैब्लेट सुबह खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें और इसी तरह शाम को खाना खाने से एक या दो घंटा पहले एक एक टैब्लेट सादे पानी से इस्तेमाल करें .

बार बार गर्भपात होना और उसका इलाज

अगर साथ में इस दवा का इजाफा करें तो बेहतरीन होगा

लबाब शबाब माजून

बार बार हमल का गिरना या हमल का ना ठहेरना इस बीमारी में इन दवाओं से मुकम्मल आराम होगा

बासीर टैब्लेट

लीकोरा टैब्लेट

अगर बार बार गर्भपात होजाता है या गर्भवती होने में बहोत ज़्यादा वक़्त लगता हो या गर्भवस्थित ना हो पा रहे हों , गर्भपात और गर्भवस्थित ना होपाने का असल कारण है काफी दिनों तक सफ़ेद पानी का गिरना कई बार गर्भवती होते भी हैं और सफ़ेद पानी के साथ गर्भपात भी होजाता है कियोंकि गर्भ की अंदरूनी परत ढीली और कजोर होती है गर्भाशय के अंदरूनी हिस्से में मनी के रेशे में गर्भाशय की गरमी से मनी दूषित होकर दही के पानी की तरह गर्भ के रेशे में लिपटी रहती है और गर्भ शिशु गर्भाशय की दीवार से चिपक कर रुक नहीं पाता और सफ़ेद पानी के साथ बाहर आजाता है ऐसे मरीज को ना गर्भवती होने का पता चलता है न ही गर्भपात होने का ऐसी औरतों को कमजोरी , कमर दरद , पेड़ू के दरद की शिकायत होती है और कुछ औरतों को सरदरद , जोड़ों का दरद , माहवारी आते वक़्त प्रचंड रूप से विभिन्न प्रकार की पीड़ाओं के साथ माहवारी की शुरुआत होती है और महीना बहोत ही छोटी मात्रा में थोड़ा थोड़ा आता है ऐसे मरीजों को माहवारी की दावा से आराम नहीं होगा निसवाँ टैब्लेट , बासीर टैब्लेट और माजून शबाबे कलबिया इन्हीं तीनों दवाओं को एक साथ इस्तेमाल करने से आराम होगा इससे गर्भ की ताक़त बढ़ेगी गर्भाशय की सूजन और ढीलापन खतम होगा महीना खुलकर साफ आने लगेगा गर्भवती हो जाने का यकीन बढ़ जाएगा और बार बार गर्भपात होजने वाली औरतों को अगर इन तीनों दवाओं के साथ माजून लबाब शबाब भी इस्तेमाल कराते हैं तो शरीर के हर अंग में शक्ति की बढ़ौतरी होगी और गर्भपात की संभावना खतम होजाएगी इस दवा को डेढ़ महीने से जितना ज्यादा इस्तेमाल करें उतना ज़्यादा बेहतर होगा .

तरीका इस्तेमाल

निसवाँ टैब्लेट में से दो टैब्लेट बासीर टैब्लेट में से एक दस ग्राम माजून के साथ सुबह खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें इसी तरह शाम को पूरी दवा को एक साथ

खाना खाने से एक या दो घंटा पहले सादे पानी से इस्तेमाल करें . परहेज कुछ भी नहीं .

मिरगी और हिस्टेरिया का इलाज

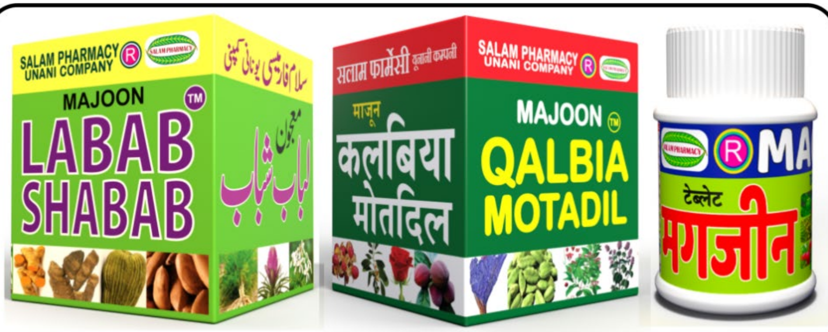

लबाब शबाब माजून कलबिया मोतदिल माजून मगजीन टैब्लेट

मिरगी और हिस्टेरिया दोनों अलग बीमारियाँ हैं लेकिन दोनों का केंद्रीय स्थान एक है इसी लिए दोनों की स्थिति एक जैसी है एक ही अंग से होकर पूरे शरीर पर असर डालने के कारण इन दोनों की स्थिति लग भग एक ही जैसी होती है फरक सिर्फ इतना है की हिस्टेरिया में गर्भ की कामुकता पहले सक्रिय होती होती है उसके बाद जिगर में दिल दिमाग में कंपन पैदा होकर भयानक शकल ले लेता है और तीनों स्थितियाँ एक साथ सक्रिय होकर खून के बहाव को बेतरतीब कर के दिमाग में जनसमूह (भीड़) करते हैं दिमाग में मौहूड़ शरीर के हर अंग को हरकत देने वाली नसों में खिंचाव पैदा होकर सिकुड़ने फैलने की स्थिति पैदा होती है ऐसी स्थिति उतनी देर में खतम होती है जब तक खून के बहाव के साथ लहर पूरे शरीर से होकर दिल की धड़कन के साथ होकर दिमाग में कुदरती तरतीब में आजाता है अगर स्नायु नसों (एसाबी नस) में ढीला पन ज़्यादा है तो खिंचाव का टाईम नसों की ताक़त और कमजोरी पर होता है . मिरगी के मरज़ में दिमागी नसों के कमजोर और ढीले होने के कारण मिरगी आती है स्नायु नसों में महसूस करने की क्षमता बहोत ज़्यादा होती है इसी लिए मिरगी का मरीज बड़ी ही तेज़ी से हिस्टेरिया की स्थिति में आजाता है और पूरा शरीर निचोड़ उठता है और मुंह से झाग निकल आता है , मिरगी और हिस्टेरिया के बीच में सिर्फ झाग का फरक है वरना बाकी सारी स्थितियाँ एक जैसी हैं इस मरज़ को मुकम्मल खतम करने में चार से छे महीना का वक़्त लगता है लग भग डेढ़ महीना के बाद से कुछ बदलाव दिखाई देना शुरू होजाता है सेहत बेहतर और ताक़त में बढ़ौतरी और कमजोरी खतम होकर बीमारी खतम होजाती है .

तरीका इस्तेमाल

दस दस ग्राम माजून एक एक टैब्लेट सुबह खाली पेट सादा पानी से इस्तेमाल करें आधा घंटा तक कुछ न खाएं तो बेहतर है इसी तरह शाम को खाना खाने से एक या दो घंटा पहले पूरी दवा को एकसाथ सादे पानी से इयातेमाल करें . सिर्फ बड़े का गोश्त , मछ्ली , अंडा छोड़कर सब कुछ इस्तेमाल कर सकते हैं .

साटिका (अरकुननिसा) अर्थात गोश्त के अंदर की नसों का तंग या बंद होना

साटिका उस बीमारी को कहते हैं जिस में नसों में तंगी पैदा होने से इस बीमारी की शुरुआत होती है और कुछ खास नसों के बंद होने पर मरीज की तकलीफ की तड़प बढ़ती है अगर शुरुआती मरज है तो दरद के होते हुए भी मरीज चल फिर सकता है और जब नस बंद होजाती है तो मरीज की तकलीफ में सख्ती पैदा होजाती है और उसका चलना फिरना बहोत मुश्किल और तकलीफ का कारण बन जाता है साटिका गरदन , पीठ , पुट्ठा और पैर के किसी भी हिस्से में किसी एक जगह दरद होरहा हो या रेंगने जैसा दरद हो या किसी एक ही जगह दरद शुरू होकर रुक जाता हो दोबारा शुरू होजाता हो अब तक जीतने भी मरीज आए सब की स्थिति एक दूसरे से अलग रहती है असल साटिका यह है की गोश्त के अंदर की नसों में तंगी पैदा होजाती है और इन सभी जगहों के दरद को भी सटिका कहते हैं इसके इलाज का तरीका यह है की माजून कलबिया मोतदिल और माजून लबाब शबाब इसी दो दवा से इलाज होगा और मालिश केलिए रोगन कंगारू और रोगन सरदी हरन को मिला कर मालिश करें और दवा शुरू करते वक़्त पंद्रह दिन से एक महीना तक बासीर टैब्लेट का इस्तेमाल करें ताकि आंत और उसकी झिल्लियों का शोथ (सूजन) खतम होजाए इसके बाद बासीर टैब्लेट को बंद कर दें इसकी जगह पर मगजीन टैब्लेट चलाएं और अगर आपको ऐसा लगे की नसें सूख गई हैं तो दोनों माजून ही चलाएं जब एक महीना होजाए उसके बाद एक महीना आबे शबाब इस्तेमाल करें तो मरज़ ठीक होजाता है पहले महीने से फायेदा शुरू होकर खतम होने तक इस्तेमाल करें दो से

तीन महीना में खतम होजाता है अगर किसी कारण देरी होती है तो दो महीना के फायेद से आपको अंदाज़ा करने केलिए आसान होगा लेकिन ठीक जरूर होगा .

तरीका इस्तेमाल

दस दस ग्राम माजून एक एक टैब्लेट सुबह खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें कम से कम आधा घंटा बाद नाश्ता करें इसी तरह शाम को खाना खाने से एक दो घंटा पहले सादे पानी से इस्तेमाल करें और तेल दरद वाली जगह लगा कर खुला रखें एक दो घंटा ताकि तेल कपड़े में ना लगे .

आधे या पूरे सर का दरद या चक्कर आना

जब दिमाग के अंदर बार बार सरदी पैदा होती रहती है तो दिमाग की नसों मेंज

कमजोरी पैदा होकर नसों की दीवार नरम होजाती है और दिमाग में हमेशा दरद का आना जाना लगा रहता है दिमाग की सरदी से फेफड़े में सरदी का पैदा होना फेफड़े में पानी भरना , निमोनिया का होना , सांस में तंगी पैदा होना , बुखार का आना जाना कई तरह की बीमारियों का साधन बंता है कियोंकि दिमाग में आधे से ज्यादा लुआबी पानी होता है अगर दिमाग में सरदी पैदा होती है तो कई तरह की बीमारियों का साधन बन जाता है कियोंकि दिमाग में तरी का होना सेहत केलिए बेहतर है लेकिन सरदी का होना ठीक नहीं होता खास कर उन लोगों केलिए जो ठंडे या बलगमी स्वभाव के हैं और अगर दिमाग खुश्क है तो उसे बदलने की कोशीशकरें कियोंकि खुश्क स्वभाव लोगों को ज़रा सी गलती से चक्कर आना घबराहट होना बेचैनी का साधन बन जाता है इसके सिवा नसों की बीमारी का कारण है अगर आपको सरदी नहीं होती है तो आप समझ लें की आपका स्वभाव खुश्क है माजून कलबिया मोतदिल को लगातार इस्तेमाल करने से दिमाग संतूलन पर आजाता है इसके साथ में माजून लबाब शबाब को इस्तेमाल करने से नसों में ताक़त और लचक दोनों पैदा होजाती है और नसों की बीमारियों का खतरह ही खतम होजाता है अगर सर दरद या आधे सर का दरद रहता है तो दोनों माजून

खाएं आराम होगा लेकिन अगर तर स्वभाव है और सरदी होती है तो साथ में हरिसा बूटी टैब्लेट बढ़ा दें अगर दिमाग या उसकी झिल्लियों में सूजन का यकीन है तो बासीर टैब्लेट बढ़ा दें .

तरीका इस्तेमाल

दस दस ग्राम माजून अगर टैब्लेट है तो एक एक टैब्लेट सुबह खाली पेट सादे पानी से सुबह खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें कम से कम आधा घंटा बाद नाश्ता करें इसी तरह शाम को खाना खाने से एक दो घंटा पहले दस दस ग्राम माजून एक एक टैब्लेट सादे पानी से इस्तेमाल करें . सिर्फ खट्टी चीजों से परहेज करें .

जुनून आधा या पूरा पागलपन

पागलपन के कई कारण होते हैं एक असल पागलपन यह होता है की दिमाग के अंदर गरमी बढ़ जाती है खून में अग्नि बढ़ जाती है दिमाग में दूषित गरमी विजयी होजाती है और नसों की लचक खतम होजाती है दिमाग का अगला हिस्सा (बुद्धि) काम करना बंद करदेती है दिमाग का अगला हिस्सा जो हर तरह के अच्छे बुरे निर्णय का शासक होता है किस बात का सही जवाब क्या होगा और किसी काम के करने या ना करने का फायेदा या नुकसान क्या होगा अर्थात हर काम हर बात का फायेदा क्या होगा और नुकसान क्या होगा हया और शरम पैदा करनेवाला अगला हिस्सा शासक होता जब बुद्धि भ्रष्ट होजाए तो समझ लो दिमाग के अगले हिस्से की कोशिका (सेल) ढीली होकर बेजान हो रही है या इस हिस्से में कोशिकाएँ सूखकर कमजोर होरही हैं और जब इसकी नसों में खून का दौड़ना कम या खतम होता है तो पागलपन शबाब पर होता है और चीखना चिल्लाना बढ़ जाता है और जब बुद्धि स्मृति से अलग होजाती है तो दिमाग का अगला हिस्सा मौन होजाता है तो दिमाग में अंधेरा पैदा होजाता है और दिमाग अपनी सारी इंद्रियाएँ सक्रिय करके उसे ठीक करने की कोशिश करता है की बुद्धि सक्रिय होजाए कान की सुनी हुई बातों का सही जवाब नहीं मिलता सब से ज़्यादा जिस बात पर दिमाग सक्रिय रहता है वही हरकत लोगों के सामने होती है कियोंकि दिमाग को उसकी आदत होजाती है इसलिए बिना सोंचे समझे उसपर सक्रिय होता है इसके इलाज से पहले पूरे दिमाग की पूरी हिस को सक्रिय करना है जब दिमाग की पूरी नसों में लचक और हरकत पैदा होगी तो धीरे

धीरे दिमाग बुद्धि और स्मृति सब थोड़ा थोड़ा काम करना शुरू करदेंगे दिमाग की गरमी संतुलित होने लगेगी और दिमाग पूरी तरह से सक्रिय होजाएगा , गहरी नींद आने लगेगी सेहत की हालत बेहतर होने की कुछ निशानियाँ दिखाई देना शुरू होजाती हैं कम से कम दो महीना तक एक छोटा सा चेक अप समझकर दवा शुरू करें किसी भी आहार को शरीर का भाग बनने में चालीस दिन लग जाता है दो महीना पूरा होने पर आपको सही निर्णय लेने में आसानी होगी माजून कलबिया मोतदिल , माजून लबाब शबाब और बरगीन टैब्लेट से इलाज करें जब डेढ़ महीना होजाए तो मगजीन टैब्लेट बढ़ा दें ताकि नसों की दीवार ठोस होने लगे और लुआबी झिल्लियों में ताकत बढ़कर कोशिकाओं का रेशा मजबूत होजाए इसलिए मगजीन टैब्लेट चलाना बेहतर है अगर मरीज के चहरे और शरीर पर हमारी दवा शुरू होने से पहले सूजन थी या ढीलापन था तो दवा शुरू करते वक़्त ऊपर की दवा के साथ सिर्फ बासीर टैब्लेट बढ़ा दें और उसके बाद सिर्फ नीचे की तीनों दवाओं को इस्तेमाल करें अगर बहोत ज़्यादा बेहतर करना हो तो साथ में माजून शबाबे कलबिया बढ़ा सकते हैं इस से सेहत में ताकत बढ़कर तंदुरुस्ती मिलेगी .

तरीका इस्तेमाल

दस दस ग्राम माजून एक एक टैब्लेट सुबह खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें और कम से कम आधा घंटा बाद नाश्ता करें इसी तरह शाम को खाना खाने से एक या दो घंटा पहले सादे पानी से दस दस ग्राम माजून एक एक टैब्लेट इस्तेमाल करें .

नसयान (भूलने की बीमारी) या दिमाग कमजोर होगया हो

अगर भूलने की बीमारी है और दिमाग कमजोर होगया है या इस तकलीफ में ज़्यादा दिन से हैं और सर में दरद आँखों की रौशनी कमजोर होना शुरू गई है नींद में कमी आगई है शरीर कमजोर होगया है तो ऐसी हालत में इस दवा से फायेदा उठाएँ माजून

बच्चों की हड्डी को मजबूत करने , जिस्म को बढ़ने , दिमाग को ताक़त देने में मदद करता है कमजोर मरीजों की ताक़त बढ़ाने केलिए , जचकी के बाद औरतों के जिस्म में ताक़त और चमक और दूध को बढ़ाने केलिए इस दवा को इस्तेमाल करें.

सलाम माजून

अगर बड़ी उमर के लोगों में नसयान (दिमागी कमजोरी) है तो इस दवा को इस्तेमाल करें

शबाबे कलबिया माजून

सलाम माजून

सलाम और माजून शबाबे कलबिया और अगर सिर्फ भूलने की बीमारी है दिमाग कमजोर होगया है तो माजून शबाबे कलबिया इस्तेमाल करें और अगर बच्चों को भूक की कमी , शारीरिक कमजोरी और दिमागी कमजोरी है तो माजून सलाम इस्तेमाल करें इस से शरीर के हर अंग में कुदरती ताक़त और हड्डियों में मजबूती दिल दिमाग में ताक़त पैदा होजाती है इस माजून को बच्चों का कमजोर मेदा भी हजम कर लेगा और बदन में चुस्ती फुर्ती बढ़ जाएगी आँखों में रौशनी पैदा होगी नसयान खतम होजाएगा याददाश्त बढ़ जाएगी पढ़ने लिखने और सोचने की क्षमता बढ़ेगी और बच्चों का शरीर तेज़ी से बढ्ने लगता है और हड्डी और नसों में मजबूती पैदा होती है माजून सलाम बच्चों के सिवा कमजोर मरीजों को और जचकी के बाद की औरतों को ताक़त देने में मदद करता है .

तरीका इस्तेमाल

बड़ी उम्र के लोग दस दस ग्राम माजून सुबह खाली पेट सादे पनि से इस्तेमाल करें और कम से कम आधा घंटा बाद नाश्ता करें इसी तरह शाम को खाना खाने से एक या दो घंटा पहले दस दस ग्राम सादे पानी से इस्तेमाल करें और बच्चों को पाँच ग्राम माजून सुबह खाली पेट सादे पानी से खिलाएँ और इसी तरह शाम को भी पाँच ग्राम माजून खाली पेट सादे पानी से खिलाएँ .

ब्लड-प्रेशर हाई या ब्लड-प्रेशर लो होरहा हो उसका इलाज

ब्लड-प्रेशर में खून का दबाव बढ़ जाता है जब नसों की लचक कम या खतम होजाती है और नसों में तंगी पैदा होजाती है खून के चलने में मुश्किल पैदा होती है खून अंदर

मौजूद दूषित कण खून के चलने में रुकावट पैदा करते हैं इसलिए दिल के ऊपर दबाव बढ़ जाता है दिल की धड़कन तेज़ होजाती है शरीर के हर अंग में लगातार खून नहीं पहोंचता है खून के पहोंचने का कुदरती नियम अनियमित होजाता है शरीर के हर अंग में जिस रफ्तार से खून पहोंचना चाहिए उस रफ्तार से नहीं मिलता दिमाग की नस बारीक होती है इसी लिए शरीर की हर तरह की हरकत में कंपकंपी पैदा होजाती है , हाथ पैर में थरथराहट या भारीपन पैदा होजाता है , आँखों में धुंधलापन या अंधेरा छाजाता है , सर में भारीपन या चक्कर आने लगता है , सांस फूलने लगती है कियोंकि दिल की धड़कन तेज़ होने के कारण हवा की जरूरत बढ़ जाती है और फेफड़ा जल्दी जल्दी दिल को हवा देने लगता है इसी लिए सांस फूलने लगती है इसलिए ब्लड-प्रेशर हाई होजाता है और नसों में मौजूद तंगी नसों में सिकुड़ने फैलने की ताकत कम होजाना या खतम होजाना यह हाई ब्लड-प्रेशर होने का साधन है इन सभी कारणों में से सभी या किसी एक कारण के पैदा होने से दिल को खून बहोत ज्यादा ताक़त से पम्प करना पड़ता है और फेफड़े को खून में हवा मिलाने के लिए बहोत तेज़ी से ताकत के साथ बहोत जल्दी जल्दी दिल को हवा भेजना होता है कियोंकि दिल जल्दी जल्दी फूलने पिचकने लगता है कियोंकि शरीर की कोशिकाएँ (खुलिए) सिकुड़ने लगती हैं कोशिकाओं के द्वारा हवा का आवागमन बंद होने लगता है इस के कारण हवा की कमी होजाती है इसी तरह से दिल और फेफड़ों को बहोत ज़्यादा मेहनत करनी होती है और यह बात सिर्फ ब्लड-प्रेशर पर खतम नहीं होती बल्कि बहोत सी बीमारियों की यहाँ से शुरुआत होती है . खून पतला करने से शरीर के दूसरे अंग कमजोर होना शुरू होजाते हैं इंसान अपनी उमर से बीस साल आगे का होजाता है नसों की बीमारी उसका भाग्य बन जाती है खास कर दिल और फेफड़ा कमजोर होजाते हैं मरीज अगर औरत है तो उसकी स्त्रीत्वता कमजोर या खतम होजाती है अगर मरीज मरद है तो ब्लड-प्रेशर में सब से पहले मरदाना ताकत खतम या बेहद कमजोर होजाती है और संभोग उसी की मौत का कारण बन जाता है या दिल के मरज़ का साधन बन जाता है कियोंकि संभोग के वक़्त शरीर का हर एक अंग सक्रिय होजाता है और दिल के ऊपर बहोत ज़्यादा दबाव बढ़ जाता है और ब्लड-प्रेशर के मरीज का दिल पहले से ही हर वक़्त शरीर के हर अंग को घसीट रहा होता है एक साथ शरीर के हर अंग की नसों को सक्रिय करना दिल और फेफड़े केलिए मुश्किल नहीं नामुमकिन होता है और जैसे जैसे वक़्त आगे बढ़ता है कमजोरी और बड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ता रहता है इसका इलाज करना बेहतर होता है जुगाड़ से ज़िंदगी को घसीटना स्वस्थ के लिए हानिकारक है इस बीमारी में माजून कलबिया मोतदिल और माजून याकूत मुकव्वी खास यह दोनों दवा को एक साथ तीन चार महीना तक चलाएं लेकिन पहले महीने में बासीर टैब्लेट बढ़ा लें ताकी आंतरिक अंगों की सूजन वगैरा खतम होजाए इस के बाद सिर्फ माजून इस्तेमाल करें आराम होगा .

तरीका इस्तेमाल

दस दस ग्राम माजून एक एक टैब्लेट सुबह खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें और कम से कम आधा घंटा बाद नाश्ता करें और इसी तरह शाम को खाना खाने से एक या दो घंटा पहले एक एक टैब्लेट दस दस ग्राम माजून सादे पानी से इस्तेमाल करें .

सख्ती से परहेज करें

जब आप ब्लड-प्रैशर की दवा शुरू करेंगे तो जब नसों को , दिल और फेफड़े को ताक़त मिलेगी तो शरीर के हर अंग की नसों में हरकत पैदा होगी और ताकत बढ़ेगी तो संभोग की इच्छा पैदा होना शुरू होजाएगी लेकिन संभोग से परहेज करें अगर औरत मरीज है तो मरद से और मरद मरीज है तो औरत से परहेज करे और दूसरा परहेज है हर तरह के मादा जानवर के गोश्त का खास कर बड़े जानवर के गोश्त से परहेज करें और हर तरह की खट्टी चीजों का भी परहेज करें .

दिल की कमजोरी या दिल की नसों में तंगी पैदा होगई हो

घबराहट बेचैनी या चलने फिरने पर सांस फूलना सांस लेने में तंगी महसूस होना हाथ पैर में थरथराहट आँखों के सामने अंधेरा महसूस होना चक्कर आना यह सब दिल की नसों में तंगी पैदा होने या दिल की वाल कमजोर नरम और पुलपुली होने या नसों में बाधा पैदा होने की निशानी और अगर खून में चरबी बढ़ गई है तो यह निशानी है की नसों को ठोस रखने वाला पदार्थ कमजोर होगया है और उसकी नसों को ठोस करने की खासियत खतम होगई है और नसों में पिघलने की खासियत पैदा होगई है और खून के साधन से नसों को मिलने वाली ताकत शरीर अपना नहीं रहा है और खून में चरबी बढ़ने की निशानी दिख रही है अब इस हालत में ऐसी दवा की जरूरत है जिस में आत्मा और शरीर दोनों मौजूद होने अर्थात प्रनाग्नि और लुआब को सोखने की ताक़त की जरूरत है कियोंकि पूरा शरीर चरबी का मिश्रण है हड्डी , नस , दिमाग चमड़े को तेल से परवरिश मिलती है हड्डी का गूदा चरबी है और हड्डी के गूदे से खून बंता है खून में तीन हिस्सा पानी होता है पूरा शरीर तेल और पानी का मिश्रण है खून में चरबी का बढ़ना शारीरिक अंगों का बिगड़ा हुआ नियम है उसे जुगाड़ से चलाना सही नहीं होता है दिल के आधे से ज़्यादा मरीजों को अपान वायु का निजाम बिगड़ने से घबराहट और बेचैनी

पैदा होती है और इस आपान वायु निजाम को गैस की दवा या कोई चूरन से ठीक होने के बदले में अशांति और खराबी पैदा होजाती है शरीर चार चीजों का का मिश्रण है गोंद , पानी , हवा और पित . शरीर के अंदर जब ठोस करने वाला गोंद कम होजाता है तो सब से पहले लुआबी झिल्लियाँ और नसों में ढीलापन पैदा होजाता है अब नसों में रिक्तता पैदा होजाती है गोंद की जगह हवा पानी ले लेती है और नसों की दीवार कमजोर होजाती है नसों और लुआबी झिल्लियों की मिसाल ऐसी होती है जैसे सोना (गोल्ड) अपने ठोस , लचकदार , चमकदार गुणवत्ता के कारण कीमती होता है और पीतल की धात में रिक्तता होती है इसलिए भुरभुरापन और खुरदुरापन होता है इसी लिए पीतल में चमक और लचक सिकुड़ने फैलने की ताक़त सोने जैसी नहीं होती है सोना जितना चाहो फैलाते चले जाव फटेगा नहीं कियोंकि इसके अंदर शरीर और आत्मा ताक़त और शक्ति के साथ मौजूद ठोस हालत में होते हैं इसी लिए हर बुरी हालत से गुजरने के बाद , बार बार पिघलने के बाद भी सोना अपनी लचक और चमक फना नहीं होने देता और किसी तरह खराबी पैदा होजाए तो सोने को दोबारा अपनी असलियत पर लाया जा सकता है इसी तरह से नस और लुआबी झिल्ली की मिसाल है जो सोने की हक़ीक़त के जैसी है इसी इसी लिए हम ने मुख़तसर में सोने की मिसाल को सामने रखा है कियोंकि नसों में जब तक ठोस गुणवत्ता मौजूद है तब तक हर मरज़ मामूली होता है और जब नसों में तंगी पैदा होगई या भुरभुरापन आगया तो अब या तो नसों में पिघलाव पैदा होगा तो चरबी की मात्रा खून में बढ़ेगी और अगर नसों में तंगी पैदा होगई है तो ब्लड-प्रेशर हाई होगा अब अगर खून पतला कर के ज़िंदगी को घसीटा गया तो आगे जाकर अपान वायु का निजाम बिगडेगा और लुआबी झिल्लियों में हवा प्रवेश नसों को दबाना शुरू करदेगी कियोंकि झिल्लियों में पानी होता है अब पानी की हवा से मिलने के बाद अपान-वायु गाढ़ी होजाती है जब दूषित वायु गाढ़ी होजाती है तो यह सीने में दिल के स्थान और करीब की नसों को दबाती है और खून की रफ्तार में रुकावट पैदा होने से घबराहट बेचैनी और दरद महसूस होता है अपान-वायु की यह बिगड़ी हुई शक्ल शुरुआती निशानी है कियोंकि यहाँ से शुरू होता है नसों की दीवार का पिघलना और आगे जाकर दिल का वाल ढीला होजाता है और फेफड़े में नसों की दीवार कमजोर होकर फेफड़े में कमजोरी पैदा होजाती है और चलने फिरने में दुश्वारी पैदा होजाती है दिल के मरीज का सांस फूलना और दमा के मरीज का सांस फूलना दोनों की सांस फूलने की अवस्था भिन्न होती है दिल के मरीज को चलने फिरने या थोड़ी सी मेहनत करने से जब सांस फूले गी तो दिल का मरीज सांस खींच खींच कर अर्थात लंबी लंबी सांस लेता है कियोंकि फेफड़े के अंदर की नसों में ढीलापन पैदा होजाता है फेफड़े की मिसाल ऐसी होजाती है जैसे बूढ़ा आदमी जल्दी जल्दी उठक बाईथक नहीं कर सकता है और जवान आदमी बहोत तेज़ी से उठक बैठक कर सकता है

ठीक इसी तरह फेफड़े को हवा खींचने और दिल को हवा (ऑक्सिजन) देने केलिए फूलना पिचकना पड़ता है और फेफड़े को फूलने पिचकने में फेफड़ा के अंदर की नसों का विशिष्ट और शक्तिशाली काम होता है इसी लिए दिल के मरीज की सांस फूलने की अवस्था दमा के मरीज से भिन्न होती है दिल के मरीज के शरीर के हर अंग की नसों में ढीला पुलपुला पन पैदा होजाता है और लुआबी झिल्लियों में सोने की खासियत खतम होजाती है भुरभुरापन आजाता है शरीर के हर अंग की कोशिकाओं का गोंद खतम होजाता है अगर इस कोशिका में पित की हवा प्रवेश कर गई तो नसों में तंगी और अकड़ पैदा होती है अर्थात नसों में लचक खतम होजाती है ऐसे मरीज को पहले ब्लड-प्रेशर का मरज़ होता है इसके बाद अगर इलाज सही हुआ तो ठीक होजाता है अगर जुगाड से ज़िंदगी को घसीटा तो खून पतला करते करते कुछ दिनों के बाद नसों में तंगी और जकड़न खतम होकर पूरी नस में आद्रता बढ़ जाती है पूरे शरीर की कोशिकाओं में ढीलापन पैदा होजाता है अब यह मरीज सिर्फ ब्लड-प्रेशर के साथ दिल का मरीज या दूसरी कई खतरनाक बीमारियाँ होजाती हैं . इस किताब में ज़्यादा बड़ी दलील के साथ बहस नहीं कर सकते आनेवाली किताब में हर बीमारी का पूरा खुलासा बहस और दलील के साथ मौजूद होगा दिल की बीमारी और ब्लड-प्रेशर में यह फरक है अगर ब्लड-प्रेशर होगया है तो दिल की बीमारी होने की शरत है और अगर पहले दिल दिल का मरज हुआ तो दूसरी कई बीमारियों का होना शरत है लेकिन मरदाना ताक़त का दोनों बीमारियों में खतम होना शरत है कियोंकि दोनों बीमारियों में शरीर के हर अंग मौजूद नसों को और लुआबी झिल्लियों को ठोस करती है इस दवा माजून शबाबे कलबिया और माजून कलबिया मोतदिल माजून याकूत मुकव्वी खास की थिउरी (हिकमत) यह है की इंसान के शरीर की नसों में ताकत और नस हड्डी लुआबी झिल्लियों को ठोस करने वाला गोंद शरीर के अंदर बढ़ने से जब नस में मजबूती पैदा होगी तो शरीर का हर अंग अपनी बीमारी से लड़ने की ताकत से बीमारी को खतम करलेते हैं या उसे कमजोर करदेते हैं तो बीमारी अपने आप खतम होकर इसके अंदर किसी तरह का अधूरापन नहीं रहता है इंसान के शरीर का हर अंग सक्रिय होजाता है यह दवा फुलाने वाली नहीं है यह दवा शरीर के हर अंग को ठोस और मुकम्मल बनाकर नौजवानी के साथ रवानी पैदा करती है इस दवा से दोबारा कुदरती ताक़त पैदा होजाती है दिल के मरीज को माजून कलबिया मोतदिल के साथ माजून याकूत मुकव्वी खास शुरू करें पहले चम्मच से फायेदा शुरू होगा अगर पहले से गले में या सीने में जलन , तेजाबीयत , गैस की तकलीफ और पेट साफ नहीं रहता है तो दोनों माजून के साथ बासीर टैब्लेट बढ़ा दें जब पंद्रह दिन या एक महीना होजाए तो मगजीन टैब्लेट भी बढ़ा दें यही तीन दवा चलाएँ और बासीर टैब्लेट को जरूरत के हिसाब से इस्तेमाल करें बासीर टैब्लेट सिर्फ सूजन वगैरा खतम करने केलिए है जब जरूरत महसूस होतो

इस्तेमाल करें पहले दिन से फायेदे का एहसास दिखाई देना शुरू होजाएगा किसी भी आहार को बदन का भाग बनने में चालीस दिन लगता है इसलिए दो महीना तक दावा चलाएं उसके बाद रिपोर्ट निकालें अपनी तसल्ली कीलिए लेकिन आपका शरीर आपकी ताकत आपकी रफ्तार आपको पहले हफ्ते से ही रिपोर्ट देना शुरू कर देगी दो महीना तक दवा को इस्तेमाल करके बंद कर दें और दवा से हुए फायेदे का निरीक्षण करें और रिपोर्ट निकाल कर तसल्ली कर लें उसके बाद दवा को दोबारा शुरू करें कम से कम दो महीना और इस्तेमाल करें और उसके बाद इस से ज़्यादा जीतने दिन तक दवा को इस्तेमाल करें गे उतना ही ज़्यादा बेहतर होगा यह दवा शरीर को ठोस करने वाली है .

तरीका इस्तेमाल

दस दस ग्राम माजून अगर टैब्लेट है तो साथ में एक टैब्लेट सुबह खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें और कम से कम आधा घंटा बाद नाश्ता करें इसी तरह शाम को खाना खाने से एक दो घंटा पहले सादे पानी पूरी दवा को एक साथ इस्तेमाल करें . सख्ती से परहेज करें हर तरह की खट्टी चीज़ का सिर्फ सब्जी में टमाटर खा सकते हैं और बड़े के गोश्त में खास कर मादा जानवर का गोश्त हर गिज ना खाएं .

कैंसर की निशानी और होने के कारण

शुरुवाती कैंसर है तो यह दवा चलाएं

आबे शबाब माजून   कलबिया मोतदिल माजून   याकूत मुकव्वी खास माजून   बरगीन टैब्लेट   मगजीन टैब्लेट

इसको साथ में चलाएं तो बेहतर है

शबाबे कलबिया माजून

यह दवा को सूजन की अलामत या सूजन का गुमान होने पर चलाएं

बासीर टैब्लेट

कैंसर का व्याख्या एक लाइन में या दो शब्दों में पूरा होजाता है और सारे कारणों को बयान करना एक अकेली किताब की जरूरत है कैंसर का संक्षिप्त व्याख्य (मुख़तसर तशरीह) यह है की कैंसर लुआब या लुआबी अंग का मरज़ है जब लुआबी अंग से ठोस करने वाला गोंद दूषित होजाता है और उस अंग में खुरदुरापन या भुरभुरापन पैदा होजाता है तो कुदरती गोंद की जगह दूषित हवा ले लेती है और ऐसे इंसान के

अंदर से बीमारी से लड़ने की ताकत खतम होजाती है या खतम होने के करीब रहती है लुआबी अंग या उसकी झिल्ली में किसी भी तरह का अगर ज़ख़म होगया तो ऐसे ज़ख़म को सूखने से पहले उसमें जरासीम पैदा होजाती है और उस जरासीम की हद सीमित रहती है या कुछ जगह तक बढ़ती है या पूरे शरीर के अंदर फैल जाती है इस जरासीम के फैलने या रुकने की शकल क्या होगी यह मरज़ और मरीज की सेहत और बीमारी से अंदाज़ा करना होता है अगर मरीज के अंदर पहले से ही कोई ऐसी बीमारी है जिस में बीमारी से लड़ने की ताकत और ठोस रखने वाला गोंद कमजोर हालत में मौजूद है तो जरासीम बड़ी तेज़ी से पूरे शरीर में फैल जाती है कियोंकि जो आहार जरासीम को चाहिए वो या तो कम मात्र में मौजूद है या खतम होचुका है . अगर कुदरती गोंद खतम होगई है तो कैंसर की जरासीम उस अंग को हानि पहोंचना शुरू करदेती है जिस अंग में आहार मौजूद होता है और उस अंग को खराब करना शुरू करदेती है और मरीज की हड्डियों में भुरभुरापन शुरू होजाता है नसों में कमजोरी पैदा होजाती है मेदा जिगर कमजोर होजाता है भूक में कमी आजाती है शारीरिक अंगों को ठोस करने वाला पदार्थ कम या खतम होने से वज़न तेज़ी से घटने लगता है मरीज नाजुक हालात में आने लगता है अगर कैंसर शुरुआती हालत में है तो इस दवा से बड़ी आसानी से ठीक हो सकता है कियोंकि इस बीमारी की जरासीम को मारने के लिए कुदरती दवा से बहोत तेज़ असर होता है शरीर के अंदर जरासीम खतम होगी तो शारीरिक अंग कुदरती हालत में आने लगते हैं और इसकी बेहतरीन निशानी है तबीयत का अच्छा महसूस होना चमड़े और चहरे पर चमक दिखाई देने लगती है हमारी दूसरी दवा जो शरीर के हर अंग में बड़ी तेज़ी से कुदरती गोंद को बढ़ाने में मदद करता है और तीसरी दवा जो दिमाग की नसों और कोशिकाओं को सक्रिय करके शारीरिक अंग की हर तरह की हरकत में मदद करती है और एक दवा जो खास कर हर जगह हर बीमारी में इस्तेमाल कराने क कोशिश रहती है वो है माजून शबाबे कलबिया यह दवा नए जमाने की दवाओं की हानियों को सामने रखकर बनाया गया है इस दवा का काम है दिल , दिमाग , जिगर , मेदा , गुर्दा , मसाना को ताकत देकर नसों को मजबूत करता है , इस मरज़ कैंसर केलिए चार दवा लगातार चलाना है दो तरह की दवा हर तरह की जरासीम को खतम करने में मदद करती है मगजीन टैब्लेट और बरगीन टैब्लेट . बरगीन की प्रभावशीलता सरद तर है और मगजीन की प्रभावशीलता गरम खुश्क है दोनों दवा हर तरह की जरसीम को खतम करने में मदद करती है अगर मरीज को सरदी खांसी है तो बरगीन को बंद करके उसकी जगह पर मगजीन टैब्लेट को डबल कर दें और अगर मरीज को सरदी नहीं है या सरदी नहीं होती तो मरीज के स्वभाव को बदलना जरूरी है इसलिए मगजीन इस्तेमाल ना करें इसकी जगह पर बरगीन दो दो टैब्लेट कर दें और अगर सिर्फ सरदी नहीं है तो मगजीन और बरगीन दोनों दवा साथ में चलाना बेहतर और जरूरी है और माजून याकूत मुकव्वी खास के साथ माजून कलबिया मोतदिल इस्तेमाल करें अगर साथ में माजून शबाबे कलबिया इस्तेमाल करें तो ज़्यादा बेहतर

होगा और अगर मरीज को सूजन के लक्षण अंदर या बाहर होने का शक या यकीन है तो बासीर टैब्लेट चला दें इसी छे तरह की दवा से कैंसर का मरज़ खतम करने में मदद मिलेगी और खतम होने का यकीन भी होजाता है शरीर के अंदर किसी भी आहार से बदन का भाग बनने में कम से कम चाईस दिन लगता है इसलिए दो महीना तक दवा को इस्तेमाल करें इस के बाद दवा के फायेदे का निरीक्षण करें और दोबारा दवा शुरू करें किसी भी तरह की जरासीम को खतम होने में कम से कम चार महीना लगता है और हर महीना बीमारी में बदलाव का एहसास आपके सामने होगा जब हर तरह की रिपोर्ट होजाए उसके बाद भी कुछ दिन तक दवा को इस्तेमाल करें .

तरीका इस्तेमाल

दस दस ग्राम अंजून एक एक टैब्लेट सुबह खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें और कम से कम आदधे घंटे बाद नाश्ता करें इसी तरह शाम को खाना खाने से एक या दो घंटा पहले दस दस ग्राम माजून एक एक टैब्लेट सादे पानी से इस्तेमाल करें .

परहेज जो बहोत ज़रूरी है

हर तरह की खट्टी चीजों का परहेज करें और खाने पीने की हर वो चीज़ जो एक दिन से ज़्यादा की बनी हो उससे परहेज करें ताज़ा खाना और ताज़ा आहार हर तरह का ताज़ा जूस ताज़ा फल को ही इस्तेमाल करें , हर तरह का बासी खाना कैंसर बढ़ाने का साधन है हर तरहा की ताज़ा चीजों में ठोस करने वाला पदार्थ और बीमारी से लड़ने की ताक़त बड़ी मात्र में होती है .हम जो माजून बनाते उसमें सूखी जड़ी बूटियों का पावडर होता है और शहद दोनों चीजों को मिलाने से कुदरती हालत पैदा होजाती है आप भी आज़मा लें माजून जितना पुराना होगा उतना ही बेहतरीन होगा लेकिन किसी तरह की बदबू नहीं आएगी और खराब नहीं होगा अगर पानी लग जाए तो खराब होजाता है .

मुंह या नाक से खून आता हो उसका इलाज

इस दवा से हर जगह का ज़ख़्म खुश्क होजाता है और खून का जारी होना बंद करदेता है

बासीर टैब्लेट जखमीनो टैब्लेट बरगीन टैब्लेट

खून किसी भी अंग से आरहा हो तो इसका अर्थात है आंतरिक अंगों में ज़ख़्म का मौजूद होना और इस जखम के होने के बहोत से कारण होते हैं जैसे अगर मुंह से खून आरहा है और उसका रंग काला लाली लेकर है तो यह पेट के किसी हिस्से से आरहा है जैसे मेदा या छोटी आंत या लीवर में कहीं फोड़ा दाना ज़ख़्म की शक्ल ले चुका है या मेदा में खराश पैदा होकर ज़ख़्म की शकल बन चुका है या कीड़ों के कारण खराश पैदा होकर ज़ख़्म होगया है या सूजन होगई हो या शरीर के अंग इतने कमजोर स्थिति में हैं की इस जगह के रेशे से खून प्रचलित (जारी) होजाता है , फेफड़े के अंदर से भी खून प्रचलित होता है अगर खून फेफड़े से आरहा है तो उसका रंग लाल गुलाबी होगा अगर गले या सीने से खून आरहा खून आरहा है तो उसका रंग लाल होगा लेकिन इस में घबराने की कोई जरूरत नहीं है अगर फेफड़े से खून की उल्टी हो रही है या हल्का खून आरहा हो इन सभी तरह के खून के आने को रोकता है जखमीनो टैब्लेट , बासीर टैब्लेट और बरगीन टैब्लेट इन तीन दवाओं से खून की हर अंदरूनी जगह से आना तीन से पंद्रह दिन के अंदर रोक देता है लेकिन ज़ख़्म को हमेशा केलिए ठीक करना है तो दो महीना से जितना ज़्यादा दिन तक इस्तेमाल करें यह अपप्के लिए उतना ही ज़्यादा बेहतर होगा और इसी दवा से दूसरी कई तरह की बीमारियों को होने से पहले ही खतम कर देता है कियोंकि दवा दूसरे अंगों के जरासीम और ज़ख़्म दोनों खतम करदेती हैं अगर खून नाक से आरहा है तो इसके कई कारण हैं या तो दिमाग की किसी झिल्ली में शोथ या खराश पैदा होकर ज़ख़्म बनकर खून आरहा है या नाक के किसी हिस्से में खराश पैदा होकर खून प्रचलित होता है या किसी बहोत कमजोर और बारीक नस के फट जाने से खून प्रचलित होता लेकिन अगर किसी कमजोर नस से जारी होगा तो यह खून रुक रुक कर आएगा अर्थात अगर सही इलाज हो तो हमेशा केलिए बंद होगा वरना थोड़ा दिन तक बंद होगा और वापस कुछ दिन के बाद फिर शुरू होजाएगा कियोंकि कुछ ज़ख़्म में कीड़ी पड़ जाती है इस दवा से किसी भी तरह का ज़ख़्म हो यह दवा नसों

के ज़ख़्म को भी सुखादेती है और बरगीन टैब्लेट से जरासीम और कीड़ी वगैरा भी खतम होजाते हैं .

तरीका इस्तेमाल

बरगीन टैब्लेट , जखमीनो टैब्लेट और बासीर टैब्लेट तीनों दवाओं में से एक एक टैब्लेट सुबह खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें और आधा घंटा बाद नाश्ता करें इसी तरह शाम को खाली पेट एक एक टैब्लेट सादे पानी से इस्तेमाल करें . अगर तकलीफ ज़्यादा है तो दवा को तीन टाईम करलें .

मुंह में छाला , ज़बान पर दाना निकलना और सीने में जलन रहना

मेदा जिगर ही सब कुछ है अगर इसमें ज़्यादा से ज़्यादा कुदरती चीजों को डालते हो तो शरीर कुदरती ताकत और सेहत का खज़ाना होगा और अगर ज़्यादा से ज़्यादा बनावटी चीजों का इस्तेमाल करते हो तो शरीर के सारे अंग बनावटी चीजों के सहारे चलने के आदि होजाते हैं और शरीर में कोई बीमारी की शकल हर वक़्त मौजूद होती है ऐसे में शरीर को हर वक़्त नाप तौल के सहारे चलना होता है और बेहतरीन गाइड की जरूरत होती है कियोंकि यह इंसान अब कुदरती इंसानियत के घेरे से निकल कर बनावटी में प्रवेश कर चुका होता है इसे वापस कुदरती हालत में लाने केलिए कुदरती दवाओं का सहारा लेकर कुदरती दवा आहार दोनों को इस्तेमाल करना होता है अगर मुंह में छाला पड़ गया है या ज़बान पर दाना वगैरा निकाल रहा है तो यह किसी बड़ी बीमारी के लक्षण हैं अगर इसको रोका नहीं गया तो पहले मेदा और जिगर कमजोर होगा उसके बाद छोटी बड़ी आंत उसके बाद यहाँ से पूरा शरीर मरज़ में घिर जाएगा अगर आपके मेदा जिगर में तकलीफ है तो आप बासीर टैब्लेट इस्तेमाल करें इससे मेदे , जिगर और आंतों की सारी खराबी खतम होजाती है मुंह ज़बान या गले में दाना वगैरा का निकलना खतम होजाता है अगर पेट सीने या गले में जलन और दरद भी रहता है तो बासीर टैब्लेट के साथ मगजीन टैब्लेट भी इस्तेमाल करें इससे फौरन आराम होगा .

तरीका इस्तेमाल

एक एक टैब्लेट सुबह खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें इसी तरह शाम को खाना खाने से एक या दो घंटा पहले एक एक टैब्लेट सादे पानी से इस्तेमाल करें .

अपेंडिस का इलाज

अपेंडिस का मरज़ ऐसे हिस्से की बीमारी है जो आंतों का एक हिस्सा होता है और यह अंग हर इंसान की आंत में मौजूद होता है , आंत का यह हिस्सा जो कोन की शकल में होता है हर इंसान की आंत में मौजूद होता है इस का काम बहोत विशिष्ट होता है जैसे छोटी बड़ी आंत में कोन शकल की थैली में ऐसा गोंद होता है जो आंतों को ठोस करने में मदद आंत के अंदर बीमारी से लड़ने की ताक़त पैदा करने ताकत को बढ़ता है जब इस कोन जैसी थैली में गरमी बढ़ जाती है तो कीमती गोंद बेकार होकर बांधा पैदा करदेता है या गांठ की शकल ले लेता है या छोटे छोटे दाने की शकल ले लेते हैं यह थैली इतनी सख्त होती है की इसको फटने का यकीन नहीं होता है हाँ इस को जैसी शकल वाली थैली में बढ़ने की खासियत होती है मगर इसको रहने की जगह भी होती है इस में दरद इसलिए होता है कियोंकि जब इसमें गोंद के जाने या वहाँ से गोंद निकलने का निजाम सक्रिय होता है तो उसमें जो हरकत (हलचल) पैदा होती है इसके कारण दरद तेज़ होजाता है इस तेज़ दरद का बेहतरीन इलाज है फौरन पाव किलो पानी को गरम करें जब पानी खौलने लगे उसको ग्लास में निकाल कर उस में दो नींबू निचोड़कर मरीज को पीला दें जैसे गरमा गरम चाये पीते हैं इस पानी को पेट में जाते ही पाँच से पंद्रह मिनट के अंदर राहत मिलेगी इस बीमारी का कायमी इलाज है बासीर टैब्लेट और मगजीन टैब्लेट इन्हीं दोनों दवाओं को दो से चार महीना तक इस्तेमाल करें मुकम्मल आराम होगा अगर इस के साथ पत्थर चट्टा टैब्लेट इस्तेमाल करते हैं तो ज़्यादा बेहतर है कियोंकि पत्थर चट्टा बहोत सी गंदगियों को खतम करके शरीर के अंगों को साफ करदेता है .

तरीका इस्तेमाल

एक एक टैब्लेट सुबह खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें और कम से कम आधा घंटा बाद नाश्ता करें इसी तरह शाम को खाना खाने से एक या दो घंटा पहले सादे पानी से इस्तेमाल करें .

योनि का बाहर आना या खारिश जलन रहती है

अगर साथ में यह माजून भी इस्तेमाल करें तो कमजोरी कमर दर्द , जोड़ों का दर्द खतम करने में मदद करता है

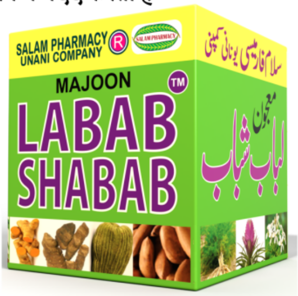

लबाब शबाब माजून

महिला प्रजनन अंग (योनी) बाहर आगाई हो या खारिश जलन रहती हो या बदबू दार मनी होगाई हो तो इस्तेमाल करें

फानूस तेल *बासीर टैब्लेट* *लीकोरा टैब्लेट*

योनि के आंतरिक रेशों में सुजन और ढीलापन होजाता है रेशों में लुआब की कमी पैदा होजाती है स्त्रीत्व कमजोर या खतम होजात है , सफ़ेद नसों में कमजोरी ढीलापन आजाता है ऐसी औरतों में संभोग की ताक़त नहीं होती कियोंकि विशिष्ट अंग सूख जाता है कुछ औरतों में दूषित गरमी बढ़ जाने से मनी सफ़ेद दही की तरह होजाती है योनि की अग्नि दूषित होने से सड़ांध पैदा होकर जरासीम पैदा होजाती है इसलिए सड़न पैदा होकर बदबूदार होजाती है कुछ औरतों को इसमें जलन और खुजली भी पैदा होजाती है . पहले एक महीना तक इलाज शुरू करें या तो मुकम्मल ठीक होचुका होगा या कुछ बाकी है उसी से अंदाज़ा कर के बीमारी को खतम होने तक इलाज करके कामिल सेहत का फायेदा उठाएँ . बीमारी का वक़्त पक्का नहीं किया जासकता कियोंकि बीमारी की कमजोरी और सेहत हर व्यक्ति की अलग अलग स्थिति होती कुछ दिन तक दवा लगाने और खाने से दवा की सच्चाई का अंदाज़ा करना होगा फायेदा होने पर दूसरों को जरूर बताएं .

तरीका इस्तेमाल

दो टैब्लेट निसवाँ एक टैब्लेट बासीर और दस ग्राम माजून सुबह खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें और कम से कम आधा घंटा बाद नाश्ता करें और इसी तरह शाम को निसवां दो टैब्लेट बासीर एक टैब्लेट माजून दस गरम सादे पानी से इस्तेमाल करें .

भगंदर का इलाज

फानूस तेल | बासीर टैब्लेट | मगजीन टैब्लेट | जखमीनो टैब्लेट

भगंदर एक ऐसा ज़ख़म है जिस में कच्चा पक्का मवाद बहता रहता है संडास के रास्ते के आस पास होने के कारण यह ज़ख़म जल्दी सूखता नहीं है कियोंकि गंदी जगह का ज़ख़म है यह नासूर की एक प्रकार है मवाद का बहना कम ज़्यादा होता रहता है इसका बहना खतम नहीं होता अगर उसका इलाज किया जाए तो खतम होजाता है मगर काफी वक़्त लगता है भगंदर वाले मरीज को कई तरह की कमजोरी और बहोत सी बीमारियों का खतरा रहता है आंतों में कमजोरी पैदा होने से संडास रोकने की ताक़त खतम होजाती है कियोंकि आंतों को ताक़त देने वाला लुआब दूषित होकर बहता रहता है बहोत पुराना होजाने पर जरासीम पैदा होना यकीनी होता है लेकिन कुछ लोगों को शुरू में ही जरासीम पैदा होजाती है इस बीमारी में आंत का कैंसर होना कुछ अजीब नहीं कियोंकि हड्डियाँ कमजोर होजाती हैं लुआब में दोषित होने की क्षमता मौजूद रहती है भगंदर का इलाज ना करना बहोत बड़ी गलती है इसका इलाज करलेना बेहतर है भगंदर के इलाज में कम से कम छह महीना लगता है और पहले महीने से फायेदा दिखाई देने शुरू होजाता है मगजीन टैब्लेट , बासीर टैब्लेट , बरगीन टैब्लेट और रोगन फानूस इसी चार दवा से इलाज शुरू करें अगर एक महीना में बदलाव दिखाई दिया तो आपको आगे का इलाज करने का फैसला करने में आसानी होगी .

तरीका इस्तेमाल

एक एक टैब्लेट सुनबह खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें और कम से कम आधा घंटा बाद नाश्ता करें इसी तरह शाम को खाना खाने से एक या दो घंटा पहले एक एक टैब्लेट सादे पानी से इस्तेमाल करें और तेल सोते वक़्त काटन के कपड़े या कापूस में भीगा कर संडास के रास्ते पर रख लें और लूँगी पहेन कर सो जाएँ .

सफ़ेद दाग (अमराजे खाबिया) उसका इलाज

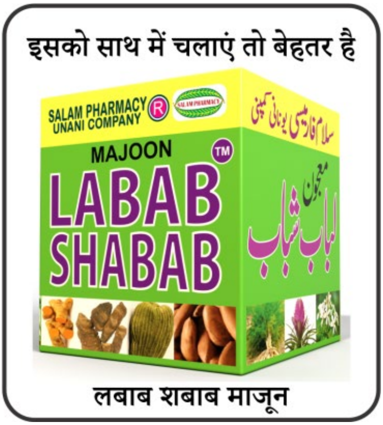

अगर सफ़ेद दाग पर सूई चुभाने से खून निकलता है तो बहोत जल्द यह मरज़ ठीक होजाता है अगर सूई चुभाने से लसीका निकलता है तो इस मरज़ को ठीक होने में काफी वक़्त लगता है लसीका वाला सफ़ेद दाग अपने अंदर लुआबी गंदगी के साथ लुआबी जरासीम क मरज़ है इसी लिए यह मरज़ कोढ़ के मरज़ की एक भांति माना जाता है दोनों में फरक यह होता है की कोढ़ के मरज़ में लुआब के अंदर खटास पैदा होजाती इसलिए लुआब दूषित और गाढ़ा होजाता है लुआब की तेजाबीयत और गंदगी नरम हड्डियों को गलादेती है नरम हड्डियों में सड़ान्द (फफूंद) पैदा होकर मूल तत्व की शकल बिगड़ जाती है और सफ़ेद दाग के मरज़ में लुआब के अंदर जरासीम पैदा होजाती है . चमड़ा चार परत होता है पहली परत में तेल होता दूसरी परत में तेल पानी का मिश्रण होता है और तीसरी चौथी परत में खून पानी का मिश्रण होता है और तीसरी परत में बारीक नस चमड़ा की कोशिकाओं के साथ मौजूद रहती है और चौथी परत के नीचे जो लुआबी पानी होता है इसके अंदर जरासीम होती है यह जरासीम लुआब के अंदर से वो तेल और गोंद खाजाती है जिस से ऊपर की पहली परत का रंग रेशा की ताकत कायम रहती है . सफ़ेद दाग अगर कमर के ऊपर किसी भी हिस्से में मौजूद है एक , दो या चार इंच तक सफ़ेद है तो आप समझ लो की जरासीम का गाँव या शहर आबाद नहीं हुआ है और यह आसानी के साथ खतम हो सकता है लेकिन अगर कमर के नीचे पैर के पंजे तक थोड़ा या ज़्यादा होगया तो अब समझ लो की जरासीम का गाँव या शहर आबाद होगया है कियोंकि कमर के नीचे सब से मोटी और बड़ी हड्डी होती है इसलिए की जरासीम को बड़ी मात्रा में आहार की जरूरत होती है और इस जगह सबसे ज़्यादा लुआबी हिस्सा होता है . अगर सफ़ेद दाग का इलाज करना है तो बरगीन टैब्लेट और मगजीन टैब्लेट इसी दोनों टैब्लेट से हर तरह की जरासीम खतम होजाती है और चमड़ा को ज़िंदा करने केलिए फानूस तेल का इस्तेमाल करें आराम होगा अगर साथ में लबाब शबाब इस्तेमाल करते हैं तो बेहतर है यह इलाज कमर के ऊपर का है जो कुछ दिनों में ठीक होसकता

है और अगर पूरे शरीर या कमर के नीचे सफ़ेद दाग है तो उसके लिए शहर या गाँव को खतम करने केलिए काफी से ज़्यादा वक़्त लग सकता है संतुष्टि होने पर इस्तेमाल करें शिफा अल्लाह के हाथ में है .

तरीका इस्तेमाल

एक एक टैब्लेट और अगर माजून है तो दस दस ग्राम माजून सुबह खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें और कम से कम आधा घंटा बाद नाश्ता करें इसी तरह शाम को खाना खाने से एक या दो घंटा पहले एक एक टैब्लेट और अगर माजून है तो दस ग्राम माजून सादे पानी से इयातेमाल करें .

दांतों में दरद या पायरिया

अगर साथ में यह दवा भी बढ़ा लें तो बेहतर है

मगजीन टैब्लेट

दांतों में जरासीम या पाइरिया केलिए इस्तेमाल करें

रोगन पाइरिया बासीर टैब्लेट

दांत में दरद का असल कारण कीड़ी है अर्थात पायरिया , पायरिया की कीड़ी मसूढ़ों को खाती रहती है पायरिया के कारण मसूढ़ों में ढीला पन पैदा होजाता है जेएसबी मसूढ़े सिकुड़ते हैं तो दाँत के निचले हिस्से में पानी पहोंचता है इसी लिए खाने पीने की चीजों से दरद और जलन चुभने का एहसास होता है इस तकलीफ से बचने केलिए रोगन फानूस रूई में भीगाकर दाँत के बीच रखने से दाँत का दरद खतम होजाता है अगर सूजन वगैरा है तो बासीर टैब्लेट सूजन ज़ख़म केलिए और कीड़ी पायरिया केलिए बरगीन टैब्लेट इन दोनों से दांतों और मसूढ़ों के सिवा भी पूरे शरीर के अंदर से सूजन ज़ख़म के सिवा जरासीम वाइरस वगैरा भी खतम होजाते हैं .

तरीका इस्तेमाल

सुबह खाली पेट एक एक टैब्लेट सादे पानी से इस्तेमाल करें आधा घंटा कुछ ना खाएं इसी तरह शाम को खाना खाने से एक दो घंटा पहले एक एक टैब्लेट सादे पानी से इस्तेमाल करें और तेल कापूस या कपड़े में भीगा कर दरद या पायरिया की जगह पर रखलें .

कान का दरद या कान का बहना

कान का दरद हो या कान बहता हो या कान में दाना वगैरा हो गया हो उसका इलाज करें कियोंकि कान नरम हड्डी है शरीर के सिवा खास कर गरदन से ऊपर का हिस्सा लुआबी भाग से बना हुआ होता है इस हिस्से की तकलीफ को सिर्फ कान का मरज़ ना समझो यह एक निशानी है की लुआबी अंगों में और नरम हड्डियों में और नसों में किसी दूषित पदार्थ के मिलने से उन हिस्सों को नुकसान का डर लगा रहता है बासीर टैब्लेट और फानूस तेल से आराम होजाएगा अगर मगजीन टैब्लेट बढ़ा दें तो ज़्यादा बेहतर है .

तरीका इस्तेमाल

रोगन फानूस को कान में डालें और सुबह खाली पेट एक एक टैब्लेट सादे पानी से इस्तेमाल करें और कम से कम आधा घंटा बाद नाश्ता करें इसी तरह शाम को खाना खाने से एक दो घंटा टैब्लेट सादे पानी से खाएं .

पित्ती उछलना या जुलपुत्ति

पित्ती उछलना ऐसी बीमारी और तकलीफ है की इस में मरीज के पूरे शरीर में बड़े दाने की शकल

का दोदरा निकाल जाता है इसमें जलन और खुजली दोनों होती है लाल रंग के दाने पूरे शरीर की खाल पर फैल जाते हैं इस बीमारी में पित की विष्ठा और पित की ज्यादती से यह मरज़ होता ही जब पित की गरमी संतुलन से ज़्यादा खून में शामिल होता है तो जुलपुत्ति का मरज़ होता है यह मरज़ नव्वे से पंचानवे प्रतिशत नौजवान अविवाहित लोगों को होता है इस मरज़ का मौलिक कारण यही है की नौजवान खून गरम हड्डी और नसों में गरमी होने के कारण पित की गरमी को कमजोर होने का की जगह नहीं मिलती इसलिए नौजवानों में ही खास कर यह बीमारी होती है इसका इलाज है पत्थर चट्टा टैब्लेट जो पित और खून की गंदगी को साफ कर के खतम कर देता है कुछ ठोस कणजो दूषित होते हैं उनको भी नरम करके साफ कर देता है बरगीन टैब्लेट जो खून के अंदर मौजूद बहोत से जहरीले असरात और खून में मौजूद जरासीम या वाइरस खतम करके शरीर को पाक करता है और अगर साथ में बासीर बढ़ा दें तो ज़्यादा बेहतर है .

तरीका इस्तेमाल

पत्थर चट्टा टैब्लेट और बरगीन टैब्लेट सुबह खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें इसके बाद आधा घंटा कुछ ना खाएं इसी तरह शाम को खाना खाने से एक दो घंटा पहले पत्थर चट्टा दो टैब्लेट बरगीन एक टैब्लेट सादे पानी से इस्तेमाल करें रोगन फानूस को दाना खुजली या जलन की जगह पर लगाएँ और उस जगह को एक दो घंटा तक खुला रखें ताकि तेल कपड़े में ना लगे .

अलसर की बीमारी का इलाज

जखमीनो टैब्लेट याकूत मुकव्वी खास माजून

बासीर टैब्लेट मगजीन टैब्लेट

अलसर ऐसा मर्ज है जो कैंसर के बहोत नज़दीक रहता है या कैंसर होने का खतरा मौजूद रहता है अगर अलसर का मरीज प्रकृतिक चीजों और ताजे आहार का शौकीन है तो मुमकिन है किसी बड़ी बीमारी से बचा रहे . अलसर की निशानी है पेट के किसी भी हिस्से में गले से लेकर मलद्वार तक किसी भी जगह दरद और जलन होती रहे और जलन का स्थान एक ही जगह हो और मतली भी आती रहे यह निशानी है अलसर होजाने की और इस बीमारी की खतरनाक शकल यह है की दरद , जलन

और मतली होने के साथ शरीर की खाल (त्वचा) पीली और खुरदुरी होगई हो नाखून की चमक खतम होकर नाखून खुरदुरा भुरभुरा होगया हो यह सब लक्षण हैं की अलसर बहोत पुराना होचुका है . शरीर का रंग या खाल का रंग गोरा हो या काला या पक्का रंग या सांवला खाल (त्वचा) में लाली की झलक मौजूद होनी चाहिए और नाखून में लाली के साथ नाखून चमकदार और ठोस हो तो यह अच्छी सेहत की निशानी है और इसका अर्थात है आंतों में प्रकृतिक ताक़त मौजूद है अगर आप की खाल पीली खुरदुरी होगई है तो इसको कुदरती हालत में लाने केलिए माजून याकूत मुकव्वी खास और साथ में मगजीन टैब्लेट इस्तेमाल करें शरीर के हर अंग से कुदरती ताक़त झलकने लगती है और अगर अलसर होगया है तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है बासीर टैब्लेट और मगजीन टैब्लेट इसी दो दवा से आराम होजाएगा अगर इसको और ज़्यादा बेहतर बनाना है तो माजून याकूत मुकव्वी खास इस्तेमाल करें और जरासीम का यकीन है तो साथ में बरगीन टैब्लेट बढ़ा सकते हैं आपके खाए हुए आहार को शरीर का भाग बनने में चालीस दिन लगता है इसलिए कम से कम दो महीना इस्तेमाल करें पहले पंद्रह दिन की दवा से आराम होना शुरू होजाता है आपका शरीर सेहत को जाहीर करदेगा दो महीना में खतम होचुका होगा या कुछ बाकी रह गया है तो अपनी दो महीना की दवा से सेहत का अंदाजह कर के दवा को चालू रखो कुछ लोगों का मर्ज इतना बिगड़ चुका होता है की दो2 से छे6 महीना तक का वक़्त चला जाता है मुकम्मल सेहत मंद होने में . जब बीमारी खतम होजाती है तो आपका खाया हुआ आहार आपके शरीर में हर तरह की ताकत दर्शाएगा .

तरीका इस्तेमाल

सुबह खाली पेट एक एक टैब्लेट दस ग्राम माजून एक साथ सादे पानी से इस्तेमाल करें और कम से कम आधा घंटा कुछ भी ना खाएं इसी तरह सभी दवाओं को एक साथ शाम को खाना खाने से एक या दो घंटा पहले सादे पानी से इस्तेमाल करें . बड़े का गोश्त बिलकुल ना खाएं , बैंगन , कोंहड़ा , मछली , ना खाएं और कोशिश करें सादा खाना खाने की और जो परहेज लिखा है उसका खयाल रखें .

फ़ालिज लकवा या हाथ पैर की उँगलियों का टेढ़ा होना उसका इलाज

फ़ालिज लकवा या हाथ पैर की उँगलियों का टेढ़ा होना इन सभी बीमारियों का संबंध दिमाग की नसों से है शरीर की हर हरकत का लगाव दिमाग से होता है और दिमाग की नस सारी नसों से बारीक होती हैं अगर दिमाग की नसों को देखना है किसी की आँख की सफेदी में देख सकते हैं , जब फ़ालीज़ लकवा का झटका आता है तो फ़ालिज में यह होता है की खून के अंदर की बलगामी गंदगी दिमाग की नसों में जाकर रुकावट पैदा करदेती हैं खून के दौड़ने का कुदरती तरीका बदल जाता है जिन नसों का रास्ता मल से साफ रहता है उन नसों में खून दौड़ता है और वो अंग काम करते रहते हैं और जिन नसों में इस मल के कारण खून रुक जाता है वो हिस्से स्तब्ध होजाते हैं अगर फ़ालिज या लकवा मारने के तुरंत बाद दवा शुरू कर देते हैं तो यह मरीज ठीक होजाता है और अगर दो महीना से ज्यादा का पुराना मरीज है तो काफी से ज़्यादा नसें सूख जाती हैं और ऐसे मरीज को ठीक होने में काफी वक़्त लगता है लेकिन अगर सारी इंद्रियाएँ बेकार होगई हैं तो अस्सी80 से नव्वे90 प्रतिशद तक ठीक होजाता है . अगर उनलियों में टेढ़ापन पैदा होगया है और हाथ पैर सुन्न होरहे हैं तो उसका तुरंत इलाज कर लेना चाहिए कियोंकि इस से किसी भी बड़ी नस की बीमारी का खतरा होजाता है इसका भी वही इलाज है नसों को सक्रिय करने वाली दवा से दो से तीन महीना तक इलाज करें इस बीच जो बदलाव आएगा उसी से अंदाज़ा करके आगे का इलाज करें माजून कलबिया मोतदिल , माजून याकूत मुकव्वी खास और जौहरी टैब्लेट इस्तेमाल करें और रोगन कंगारू को सर्दी हरण तेल में मिलाकर फ़ालिज लकवा वाली जगह पर मालिश करें .

तरीका इस्तेमाल

दस दस ग्राम माजून और एक टैब्लेट सुबह खाली पेट एक साथ सादे पानी से इस्तेमाल करें और कम से कम आधा घंटा बाद नाश्ता करें इसी तरह शाम को खाना खाने से एक या दो घंटा पहले तीनों दवाओं को एकसाथ सादे पानी से इस्तेमाल करें

और रोगन कंगारू और सर्दी हरन दोनों मिलाकर फ़ालिज , लकवा , सुन्न जगह या टेढ़ी हुई उँगलियों की जगह पर लगाएँ और तेल लगाने के बाद तेल लगी हुई जगह को एक या दो घंटा तक खुला छोड़ दें ताकी लगा हुआ तेल जज़्ब होजाए और कपड़े वग़ैरा में ना लगे .

थायरोइड बादी या खुश्क हो उसका इलाज

बादी थायरोइड की निशानियाँ हैं गले में सूजन , लुआबी अंगों का ढीला और पुलपुला होना , हड्डियों में बुढ़ापा पैदा होना खाल पर रूखा खुरदुरा पन पैदा होना नसों में कमजोरी पैदा होना असल में थायरोइड ऐसी बीमारी का नाम है जिस में हड्डियों , नसों और लुआबी रेशों को ठोस करने वाला गोंद कम होजाता है कुछ लोगों के बदन से यह ठोस करने वाला पदार्थ खतम होजाता है ऐसे लोग कैंसर से बहोत करीब होते हैं या इस मर्ज को बिना जरासीम का कैंसर भी कह सकते हैं और यह हर बड़ी बीमारी की जमीन भी है कियोंकि हड्डियों और नसों में भुरभुरा पन पैदा होजाता है कुदरती ताक़त और बीमारी से लड़ने की ताक़त खतम होजाती है ठोस करने वाले पदार्थ की जगह दूषित हवा ले लेती है बदन बादी होजाता है चक्कर आना , थरथराहट , बेचैनी , घबराहट , नींद का कम होना यह सभी निशानियाँ तुरंत या देरी से दिखाई देना यक़ीनी होता है अगर इलाज किया जाए तो कम से कम छे महीना लग सकता है बीमारी खतम होने बदन ठोस होने और सेहत परिवर्तित होने में इस बीमारी का असल कारण नसों का कमजोर होना है इसलिए माजून कलबिया मोतदिल नसों की गोंद बढ़ाने के लिए माजून लबाब शबाब सूजन को खतम करने केलिए बासीर टैब्लेट और लुआबी रेशे की झिल्लियों और लुआबी अंगों को ठोस करने और हर तरह के जरासीम और वाइरस को मारने केलिए और लुआबी अंगों को ठोस करने केलिए और गोंद गाढ़ा करने के लिए मगजीन टैब्लेट इसी दवा को शुरू करें जब एक महीना में आपकी तबीयत में बेहतरी महसूस हो और शरीर पर चमक आजाए तो आपको आगे का रास्ता समझ आजाएगा फिर दो से तीन महीना में रिपोर्ट निकालें और तसल्ली करें . खुश्क थायरोइड कम होता है और उसकी पहचान है शरीर बहोत ज़्यादा कमजोर होजाता है सिर्फ हड्डी और चमड़ा दिखाई देता है शरीर के हर अंग में सूखापन बढ़ जाता है पित का नियम बिगड़ जाता है शरीर में गरमी बढ़ जाती है

ऐसे मरीज को सिर्फ माजून कलबिया मोतदिल और माजून लबाब शबाब बस यह दो माजून इस्तेमाल करें इसी को काफी दिन तक चलाएं अगर साथ में माजून सलाम भी बढ़ा लें तो बेहतर है .

तरीका इस्तेमाल

दस दस ग्राम माजून एक एक टैब्लेट सुबह खाली सादे पानी से इस्तेमाल करें और कम से आधा घंटा बाद नाश्ता करें इसी तरह शाम को खाना खाने से एक या दो घंटा पहले दस दस ग्राम माजून एक एक टैब्लेट खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें . हर तरह के मादा जानवर का गोश्त और हर तरह की चीजों का परहेज करें .

हरनिया का इलाज

जखमीनो टैब्लेट मगजीन टैब्लेट बासीर टैब्लेट

पेट के चारों तरफ और खास कर निचले हिस्से में सख्त झिल्ली में सूजन पैदा होजाती है और झिल्ली नरम और ढीली होजाती है इस झिल्ली को ढीला होने के बहोत सारे कारण होते हैं , कुछ लोगों की आंत के रेशों से लग कर कीड़ी अपना खोल (घर) बना लेती है और वहाँ से पेट के पूरे हिस्से में फैल कर अपनी गिजा हासिल करती है , रात में अपनी खोराक लेकर वापस अपने खोल में प्रवेश कर जाती हैं , कुछ लोगों को देखा गया है की बिना किसी दवा मुंह या संडास के रास्ते से निकल आते हैं और कुछ बहोत बड़ी होजाती हैं ऐसी कीडियों पर दवा का असर जल्दी नहीं होता है ऐसी ही बारीक कीड़ी आंत के रेशों में प्रवेश होकर उस झिल्ली पर आजाते हैं जिस पर छोटी बड़ी आंत का बोझ रहता है यह कीड़ी इसी सख्त झिल्ली का लुआब खाकर इस जगह को कमजोर और इतना ढीला करदेती है की ज़्यादा वज़न उठाने पर इस झिल्ली पर इतना दबाव पड़ जाता है की आंत इस झिल्ली में प्रवेश कर जाती है इसके बाद दोबारा इस झिल्ली का ढीला पन खतम नहीं होता . जवानी में वजन उठाने पर पोते की नाली की तरफ कुछ फूला हुआ उभारी पन महसूस होता है लेकिन बुढ़ापे में यह तकलीफ इतना बढ़ जाती है की थोड़ा सा भी दबाव बढ़ा तो पोते की नाली की तरफ आंत प्रवेश कर जाती है इस तरह पेट के दूसरे हिस्से में इस तरह फूला हुआ रहता है जैसे फूले हुए हिस्से में हवा पानी दोनों एकसाथ उपस्थित पाने पर बुज बुजाहट महसूस होती है दूसरे हिस्से की हरनिया तकलीफ नहीं देती लेकिन पोते में प्रवेश कर लेने वाली असल

हरनिया होती है यह बहोत ज़्यादा तकलीफ देती है इसका इलाज करें या सावधान रहें लेकिन इलाज बेहतर होता है और हमारी दवा से हरनिया मुकम्मल ठीक होजाती है इस दवा को शुरू करके देखें दो महीने में या तो ठीक होजाती है अगर कुछ बाकी है या उम्मीद से कम फायेदा हुआ है तो आप अपने लिए बेहतर सोच सकते हैं और इलाज आगे बढ़ाकर मुकम्मल ठीक होसकते हैं .

तरीका इस्तेमाल

एक एक टैब्लेट सुबह खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें और कम से कम आधा घंटा बाद नाश्ता करें इसी तरह शाम को भी खाना खाने से एक या दो घंटा पहले एक एक टैब्लेट खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें . हर तरह के गोश्त में मादा जानवर का गोश्त हर गैज न खाएं और कद्दू बैंगन का भी परहेज करें .

दूध की कमी या बच्चा पैदा होने के बाद की कमजोरी

जचकी अर्थात बच्चा पैदा होने के बाद औरतों के शरीर से प्रकृतिक शक्ति कमजोर होजाती है इसलिए औरतों को बच्चा पैदा होने के बाद प्रकृतिक दवाओं और आहार से ताक़त देना बेहतर है ऐसा करने से शरीर के हर हिस्से में दोबारा प्रकृतिक ताक़त और चमक पैदा होजाती है और हर तरह की कमजोरी खतम होजाती है सारे अंग दोबारा सक्रिय होजाते हैं माजून सलाम के इस्तेमाल से औरतों में दूध की कमी खतम होजाती है और दूध के जरिए बच्चे के शरीर में अच्छी सेहत और बेहतरीन ताक़त की बढ़ौतरी होती है अगर माजून सलाम के साथ माजून लबाब शबाब या माजून शबाबे कलबिया बढ़ा दें तो बेहतर परिणाम मिलेंगे माँ और बच्चा दोनों की हड्डियों में मजबूती के साथ ठोस होने की ताक़त में बढ़ौतरी होती है और शरीर के हर अंग में चमक दिखने लगती है .

तरीका इस्तेमाल

दस दस ग्राम माजून सुबह खाली पेट सादे पानी से इस्तेमाल करें आधा घंटा कुछ भी न खाएं इसी तरह शाम को खाना खाने से एक या दो घंटा पहले दस दस ग्राम माजून सादे पानी से इस्तेमाल करें .

बच्चा पैदा होने के बाद सूजन बुखार दरद को खतम करता है

बच्चा पैदा होने के बाद इसे लगाने और खाने से सूजन ज़ख़्म खतम होजाता है

फानूस तेल बासीर टैब्लेट जखमीनो टैब्लेट

बच्चा पैदा होने के बाद सूजन बुखार दरद को खतम करता है बच्चा पैदा होने के बाद पेट और कमर , जांघ में दरद सूजन पैदा होजाती है तो रोगन फानूस की एक या दो बॉटल से मालिश करदें और खाने केलिए बासीर टैब्लेट इस्तेमाल करें इस से खास कर अंदरूनी और बेरूनी सूजन और ज़ख़्म , इन्फेक्शन खतम होजाएगा .

तरीका इस्तेमाल

एक एक टैब्लेट बासीर सुबह खाली पेट सादे पानी से खाएं और रोगन फानूस पेट से लेकर पैर तक मालिश करें कम से कम एक हफ्ता .

माजून याकुत मुकव्वी खास का फायदा

वैवाहिक जीवन में खुशियों को बढाता है ,मायूसी , सुस्ती और कमजोरी , एहसासे कमतरी , ढीलापन खतम करके जोश और हेजान बढाता है , बदन में ताकत पैदा करके हर अंग को मजबूत बनाता है , शरीर के जाहिरी अंग पर चमक पैदा होजाती , चमड़ी का सूखापन और पीलापन खतम होजाता है क्योंकी यह माजून नसों का मटेरियल और सफ़ेद खून बढ़ाता है वीर्य ग्रंथी को ताकत देता है और हरकत पैदा करता है , सफ़ेद नसों को ताकत देता है हड्डियों को मजबूत और ठोस करता है और हड्डियों और नसों को ठोस करने वाली गोंद को तेज़ी से बढाता जिस से शरीर के हर अंग में ताकत का एहसास होता है भूक बढ़ जाती है हाज्मा बेहतर होजाता है जिस से अंतड़ियों में तरी आजाती है और जिस्म कुद्रति ताकत से भर्ता रहता है , सेहत कायम रहती है , मर्दाना ताक़त में कायमी बढ़ौत्रि होती है , ऐसा व्यक्ती जिस की यौन शक्ती समाम्प्त होगई हो कामुक इच्छा की भूक तो लगती है लेकिन खाया नहीं

जाता हो और शरीर के अंग और लिंग उसका साथ ना दे रहे हों ऐसे लोगों के लिए यह दवा वर्दान से कम नहीं , माजून याकूत मुकव्वी खास के साथ अगर टैब्लेट भी इस्तेमाल करते हो तो यह दवा की ताकत अपना काम बदल देती है और अगर सिर्फ माजून इस्तेमाल करते हो तो यह माजून शरीर के अंदरूनी और बाहरी सभी अंगों में बल और शक्ती को बढ़ाता है और नसों की दीवार को ठोस करने में मदद करता है अगर माजून याकूत मुकव्वी खास को माजून कलबिया मोतदिल के साथ इस्तेमाल करते हो तो यह दवा अंदरूनी अंगों की नसों जीवंत करके बल पैदा करता है और कई बड़ी बीमारियों को खतम करने में मदद करता है अगर इस माजून को जौहरी या जोवाला खास टैबलेट और मुरगाबी तेल के साथ इस्तेमाल करते हैं तो दुर्बल और समाप्त होगई मरदाना शक्ती (ताक़त) और मुर्दा लिंग दोनों जवानी की तरफ लौट आते हैं , कायमी जोश - हवस और कुदरती रुकावट पैदा होजाती है और दवा बंद होने के बाद भी दवा की ताकत का असर बाकी रहता है , अगर धात (मनी) गिरने की बीमारी है तो माजून याकूत मुकव्वी खास के साथ जवहरी या हरीसा बूटी टैब्लेट या तीनों दवाओं को ऐक साथ इस्तेमाल करने से रक्त मनी , जिरयान , एहतेलाम खतम हो जाता है और जोश रुकावट दोनों में तेज़ी से असर होता है दोनों दवाओं को ऐक साथ इस्तेमाल करने से धात गिरने की बीमारी खतम होकर शरीर के अंदर नई ताजगी पैदा होजाती है , शरीरिक स्वस्थ बेहतर होजाता है , भूक बढ़ जाती है , खूब खाया जाएगा और खूब हजम भी होगा - पेट में तरावट पैदा होजाति है स्वास्थ्य बना रहता है .

माजून लबाब शबाब का फायेदा

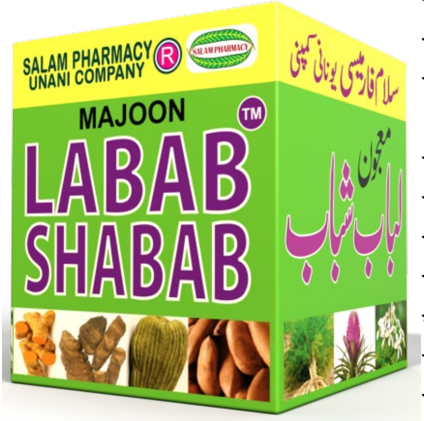

यह खास कर जोड़ों के दर्द , हड्डियों और नसों की कमजोरी को खतम करने और टूटी हुई हड्डियों को जोड़ने में और हड्डियों को ठोस और मजबूत करने में मदत करता है लबाब शबाब की खास बात यह है के लबाब की पैदाइश को बढ़ाता है जिस से हड्डियों में मजबूती पैदा होती है हड्डियों का गूदा बढ्ने पर जोड़ों के बीच का लबाब गाढ़ा होकर चुस्ती फुर्ती आजाती है और जोड़ों का पुराने से पुराना दर्द खतम होजाता है और लुआब से हड्डी बनती है हड्डी का गूदा बनता है नस बनती है और चमड़े के ऊपर का तेल लुआब के अंदर का एक हिस्सा है शरीर के हर अंग के लिए तेल और चर्बी लुआब के अंदर से निकलती है और दिमाग को जिस आहार की जरूरत होती है वह लुआब है और लुआब का खास अंग है दिमाग इसी लुआब के खास अंग से अपने आपकी शक्ति को बढ़ाकर शरीर के हर अंग को जीवित होने का अनुभव देता है लुआब के अंदर से नसों को ठोस करने वाला गोंद निकलता है

इस गोंद से नसों की दीवार ठोस और मजबूत होती है और जब नसों की दीवार से ठोस करने वाला गोंद कम या खतम होजाता है तो हड्डियों में भुरभुरापन पैदा होजाता है हड्डी कमजोर होजाति है बुढ़ापा और बीमारी की शुरुआत हो जाती है नसों की दीवार कमजोर और ढीली पुलपुली हो जाती है जवानी का एहसास सपना बन जाता है बीमारी कमजोरी भाग्य परीक्षा होजाति है , अगर शरीर के अंदर बीमारी से लड़ने की ताक़त और कुदरती ताकत मौजूद है तो हर तरह की बीमारी का इलाज आसान होजाता है वरना कमजोरी मुकद्दर बन जाती है लबाब शबाब माजून से मेदा और आंतों में तरी पैदा होजाति है , नसों में ताक़त बढ़ जाती है और बदन में कुदरती ताक़त बढ़ने लगती है जिस के कारण शरीर के आंतरिक और बाहरी अंगों पर कुदरती ताक़त की चमक जाहीर होने लगती है जोड़ों के दर्द की अनमोल दवा है जब किसी दवासे आराम न मिले तो एक बार ज़रूर इस्तेमाल कर के देखें उम्मीद से ज़्यादा फायेदा होगा . माजून लबाब शबाब नस का मटेरियल बनाता है और नसों में मजबूती पैदा करके हर अंग में ताक़त बढाता है शरीर पर शबाब जाहिर होने लगता है . इस दवा से कुदरती ताकत और बीमारी से लड़ने की ताक़त में आपेक्षिक वृद्धि होती है और सेहत को कायम (स्थिर) करने में मदद करता है .

माजून कलबिया मोतदिल का फायदा

माजून कलबिया मोतदिल की पहली खासियत यह है की दिल दिमाग को ताकत देता है,दिल के मरीजों पर इस का फायदा पहली खुराक से शुरू हो जाता है,घबराहट , बेचैनी , चक्कर आना , बदन में थरथराहट से छुटकारा दिलाता है , सांस फूलना या दमा हो या एलर्जी हो या ब्लड प्रेशर हाई या लो हो इस दवा के इसतेमाल से फायदा होता है ,दिमागी बीमारी-पूरा पागल पन या आधा पागल पन हो या नीन्द कम हो गई हो या बिना दवा के नीन्द ना आती हो तो आप माजून कलबिया मोतदिल जरूर इसतेमाल करें ,अगर हिस्टेरिया , बाव गोला या मिर्गी हो या सर दर्द या आधे सर का दर्द हो , थाइरोइड बादी या खुश्क , फालिज या लक्वा हो या हाथ पावँ सुन्न हो गये हों या उंगलियाँ टेढी होगयी हो उन सभी बीमारियाँ को खतम करने में मदद करता है अगर आप को कैंसर हो गया है तो माजून कलबिया मोतदिल के साथ हमारी दुसरी दवा इसतेमाल करें जो ईलाज के बाब में दर्ज है तो ठीक हो सकता है , इस माजून कि खासियत है के दिल दिमाग की नसों में हरकत पैदा करता है और दिल और दिमाग को ताकत देता है बंद नसों को खोलता है और उसमें हरकत पैदा करता है , हर तरह की हिस को बेदार करता है , सर्वश्रेष्ठ अंग और पुट्ठों को ताकत देता है नसों की दीवार को कमजोर होने से बचाता है जब नस ढीली पुल पुली होजाती तो नसों की बीमारियाँ शुरू होजाती हैं जैसे हार्ट अटैक ,

ब्लड प्रेशर , किडनी फ़ेल होना , फ़ालिज लक्वा , नींद नहीं आना , घबराहट बेचैनी , चक्कर आना , जिस्म में थरथराहट , सांस फूलना और नसों की दूसरी बीमारियाँ शुरू होजाती हैं , माजून कलबिया मोतदिल के साथ दूसरी दवाएँ इस्तेमाल करने से बीमारियों को खतम करने में मदत करता है इलाज का तरीका हमारी किताब में मौजूद है,चालीस दिन में हर बीमारी पर दवा के असर का अन्दाजह होजाता है दवा से आया हुआ फायदा दवा बंद होने के बाद भी बाकी रहता है तो दोबारा शुरू करके मुकम्मल सेहतमंद हो जाएँ , कुदरती जडिबूटियों का इलाज है इस से इमुनिटी बढ़ जाती है जिस्मानी अंग कुद्रति ताकत और सेहत की तरफ लौट आते हैं .

माजून शबाबे कलबिया का फायेदा

माजून शबाबे कलबिया खास पुठ्ठों को और सर्वशेष्ठ अंग दिल दिमाग , फेफड़ा , जिगर , मेदा , गुर्दा , मसाना को ताक़त देता है नसों और नसों की दीवार को बल प्रदान करने के साथ ठोस , मजबूत और लचकदार भी बनाता है दिल दिमाग , दमा और यौन रोग के मरीजों के लिए खास तौर पर नौजवानी पैदा करने और गुर्दा के मरीजों के लिए बेहतरीन टानिक है जो हर तरह की कुदरती ताक़त को बढ़ाकर बीमारी से लड़ने की ताक़त पैदा करता है आत्मा और शरीर दोनों की ताक़त को बढ़ाता है जब इंसान का जिसमे कसीफ (पार्थिव शरीर) और जिसमे लतीफ़ (आत्मिक शरीर) दोनों मजबूत होते हैं तो तमाम अंग जिंदा रहते हैं शरीर नौजवानी की तरफ आकर्षित रहता है और हर बीमारी मामूली सी होजाती है और मामूली इलाज से बड़ी बीमारी आसानी से ठीक होकर खतम होजाति है और अगर शारीरिक अंगों में प्रतिरक्षण (बीमारी से लड़ने की ताक़त) कम हो या बहुत कमजोर हालत में हो तो इंसान बीमारियों के जाल में उलझता चला जाता है और यह माजून शबाबे कलबिया इंसानी अंगों में इतनी ज़्यादा बीमारियों से लड़ने ताक़त पैदा करता है के बीमारी कमजोर होजाती है और बीमार के हर अंग अंग में ताक़त बढ्ने लगती है और मरीज सेहत और तंदुरुस्ती की तरफ आगे बढ़कर मर्ज से छुटकारा पालेता है यह माजून शबाबे कलबिया मरज़ को नहीं मरीज को ठीक करता है यह दवा हर तरह के मरीज कोइस्तेमाल कराने से अलग तरह की ताक़त और नौजवानी की धारा का एहसास जाहिर होजता है .

तरीका इस्तेमाल

दस ग्राम माजून सुबह खाली पेट सादे पानी से खाएं और इसी तरह शाम को खाना खाने से एक या दो घंटा पहले दस ग्राम माजून सादे पानी से इस्तेमाल करें और हर तरह की खट्टी चीज़ से परहेज करें

माजून अंबरी खास का फायेदा

इस का मायाजाल यह है के चालीस साल के ऊपर के लोगों में नौजवा नी और सेहत का एहसास और ताकत वापस लाता है वीर्य को बढ़ाता है मनी को गाढ़ा कर के जोश और रुकावट पैदा करता है , मर्द का बांझपन खतम करता है , बच्चा पैदा करने की क्षमता को ज़िंदा करके जोश और हवस को बढाता है , कुदरती ताक़त को कायम रखता है , जब वीर्य की पैदाइश कुदरती हालत में आती है तो बच्चा पैदा करने की क्षमता बढ़ जाती है मनी के अंदर वीज किटाणु में तेज़ी से बढ़ौतरी होती है . यह माजून अंबरी खास पौरुष ग्रंथि को जीवंत करता है मनी की पैदाइश में बढ़ौतरी पैदा करता है ,मनी गाढ़ी होकर रुकावट और वीज किटाणु बढ़ जाते हैं इसके साथ माजून याकूत खास या शबाबे कलबिया इस्तेमाल करने से बुढ़ापा जवानी में बदल जाता है , सर्वश्रेष्ठ अंग ताकतवर होने पर बहुत सी बड़ी बीमारियों से छुटकारा मिलता है . इसे हमेशा इस्तेमाल करने पर बहुत सी नसों की बीमारी जोड़ों की बीमारी से बचा जा सकता है और शरीर के अंदर कुदरती ताकत प्रतिरक्षा(इमियूनिटी) बढ़ जाती है बड़ी बीमारियाँ आसानी से खतम होजाति हैं और दूसरी दवाओं का असर जल्दी होता है वरना इन्सान बीमारियों में उलझकर रह जाता है . माजून अंबरी खास के इस्तेमाल से शरीर में चुस्ती फुर्ती बढ़कर बदनठोस होजता है और प्रतिरक्षा बढ़ जाती है . माजून अंबरी खास , पैगामे शिफा टैब्लेट और मुरगाबी तेल अगर इसके साथ यह भी चलाएं तो बेहतर है माजून याकूत मुकव्वी खास और ज्वाला टैब्लेट मिलकर मर्द का बांझपन खतम करता है बच्चों की पैदाइश के लिए मनी की ताक़त को बढ़ाता है पंद्रह दिन की दवा से आपके अंदर आया हुआ बदलाव आगे का इलाज करने में आसानी पैदा करेगा दवा की कायमी ताक़त का अंदाजह होजाएगा .

माजून आबे शबाब का फायेदा

हर तरह की गांठ गिल्टी को गलाने में मदद करता है , रहम (बच्चा दानी) में गांठ गिल्टी हो या स्तन (पीसतान) में हो या सीने के अंदर बाहर या पेट में आंतों में गरदन , पीठ में या शरीर के अंदरूनी (आंतरिक) बेरूनी (बाहरी) किसी भी हिस्से में गांठ गिल्टी हो उसे गलाने में मदद करता है , एक छोटी सी रिपोर्ट समझकर दो महीना तक दवा इस्तेमाल करें इस के बाद सोनोग्राफी करा कर देखें या तो गांठ पूरी गल गए होगी या कुछ बाकी होगी अगर कुछ बाकी रह गयी हो तो दो महीने में कितनी छोटी हुई है इस से अंदाज़ा करके दवा इस्तेमाल करें और रिपोर्ट निकालें जब गांठ (गिल्टी) मुकम्मल खत्म होचुकी है उसके बाद एक महीना ज़्यादा इस्तेमाल कर लेना ज़्यादा बेहतर है ताकि बीमारी का मुकम्मल वजूद खतम होजाए कियोंके गांठ गिल्टी वालों का बलगमी पदार्थ दूषित होजाता है ऐसे मरीज के बलगमी पदार्थ में ठोस करनेवाला गोंद बहुत कमजोर हालत में होता है इसी लिए ऐसे मरीजों को कैंसर का खतरह यक़ीनी होता है . माजून आबे शबाब बलगमी पदार्थ को दूषित होने से रोकता है और उसे दोबारा कुदरती हालत में लाता है अगर इसके साथ हमारी दूसरी दवाएं इस्तेमाल करते हैं तो कैंसर को मुकम्मल खतम करता है हमारी इस किताब तरीका इलाज में इसका तरीका मौजूद है अगर शुरुआती कैंसर है तो आप मुकम्मल कुदरतरी शबाब पर आ सकते हैं

बहुत महत्वपूर्ण निर्देशन

अगर सोनोग्राफी के बाद किसी भी तरह की गांठ का पता चलता है तो आप किसी भी तरह की चीड़ फाड़ या काट कर चेकअप न करें कियोंकि गांठ गिल्टी का ज़ख़म सूखने से पहले उसमें जरासीम और किटाणु पडचूके होते हैं कियोंकि गांठ गिल्टी में लुआबी पानी और चर्बी के पदार्थ होते हैं ऐसी जगह ज़ख़म जल्दी सूखता नहीं कियोंकि गांठ गिल्टी वालों का बलगामी पदार्थ दूषित होजाता है मालगामी पदार्थ में ठोस करने वाला गोंद कमजोर हालत में होता है मामूलीसी हरकत मरीज को किसी बड़ी बीमारी में डाल सकती है .

माजून सलाम का फायेदा

माजून सलाम कुदरती ताक़त का ऐसा अनमोल टेस्टी माजून है जो हर उमर के लोगों को ताक़त दे सके इसे खास बच्चों के मेदा जिगर और स्वभाव को सामने रख करबनाया गया है , इस के

अंदर मेवे और उनको जज़्ब करने की ताक़त मौजूद है इस से बच्चों के शरीर में बल , चुस्ती फुर्ती और शरीर को बढ़ाने की ताक़त मौजूद है . इस में जो भी है सब कुदरती हालत में है सेट कुदरती औषधियां हैं हड्डियों में मजबूती पैदा करके उसे ठोस करता है , बूढ़े जवान सभी को बल प्रदान करनेवाला है यह माजून , औरतों की ताकत में आपेक्षिक वृद्धि करनेवाला है जिस से औरतों की नाज़ुक खाल में झुर्रियां आने से रोकता है . इस माजून को इस्तेमाल करके जरूर देखें . माजून सलाम ज़चकी के बाद इस्तेमाल करने से औरतों में दूध की पैदाइश को बढ़ाता है , माता और शिशु दोनों की हड्डियों को मजबूत करता है नसों में ताक़त की बढ़ौतरी होती है . बच्चा पैदा होने के बाद की कमजोरी को खतम करता है दो से तीन महीना तक इस्तेमाल करने से शरीर के हर अंग में दोबारा ताक़त पैदा होजाएगी . छोटे बच्चों को इस्तेमाल कराने से बच्चों की हड्डियों को मजबूत करने और शरीर को बढ़ने में मदद करता है और बूढ़े कमजोर लोगन की ताक़त में वृद्धि होती है , हड्डियों को भुरभुरा होने से रोकता है बुढ़ापे की कमजोरी को खतम करता है . बीमारी के बाद की कमजोरी नाज़ुक होती है कियोंकि मेदा लीवर और आंत सब कमजोर होजाति है और बीमारी से लड़ने की की ताक़त में कमी आजाति है . ऐसे मरीजों के लिए प्राकृतिक औषदियों का खजाना है माजून सलाम आसानी से हजम होकर शारीरिक बल में बढ़ौतरी पैदा करता है बीमारी से लड़ने की ताक़त बढ़ जाती है शरीर के हर अंग में ताक़त बढ़ जाती है .

माजून ज्वाला खास

माजून ज्वाला का कामयाब फायेदा और खास सिफ़त यह है : माद्दए मनविया के अंदर हेजान पैदा करता है , गुदूदे मनवीया को ताक़त देकर जोश और जिंसी हवस को बढ़ाता है , मनी को गाढ़ा कर के सरअते अंजाल खतम करता है , माजून ज्वाला के साथ ज्वाला खास टैब्लेट चलाने से मायूस ठंडे मिज़ाज , शादी से डरने वाले , मुश्तजनी करने वाले , औरतों से नफरत चिड़चिड़ापन रखने वालों को नई उमंग के साथ नौजवानी का एहसास काएम रखने में मदद करता है , हमारी कंपनी की हर दवा जड़ी बूटी होने की वजह से घंटा दो घंटा में कोई असर नहीं दिखाती , हमारी दवा हजम होने के बाद अपने असरात को जाहिर करती है और खतम होचुकी मर्दाना ताक़त को कुदरती हालत पर लाने में मदद करती है ।

इतरिफल दाएमी नजला

इतरिफल दाएमी नजला का कामयाब फायेदा और खास सिफ़त यह है : दाएमी नजला (पुराना नजला) , जुकाम , सर्दी , खांसी , दिमाग की झिल्ली , फेफड़े की सर्दी कमजोरी को दूर करता है ,लूआब के अंदर की रियाह (हवा) को तोड़कर बाहर निकालता है , मेदा , जिगर , अंतड़ियों के अंदर की फ़ासिद रतूबत को साफ करता है , हाजमा को दुरुस्त करता है , लूआब के अंदर मौजूद फ़ासिद जरासीम , जहरीले असरात को खतम करके फेफड़े की ताक़त को बढ़ाता है , पेट के अंदर की खराबी , लूआब की सर्दी से होने वाली सांस फूलने (दमा) की बीमारी खतम करने में मदद करता है।

इतरिफल सरसरा

इतरिफल सरसरा की कामयाब और खास सिफ़त ये है : मेदा , लीवर (जिगर) ,छोटी बड़ी अंतड़ी (पेट) की हर तरह की तकलीफ को खतम करता है , रियाह (गैस) को तोड़ कर बाहर निकालता है , पेट को बढ्ने से रोकता है , हर तरह की सूजन को खतम करता है , पेट में दर्द , मरोड़ , बदहजमी को खतम करता है , भूक को बढ़ाता है , खाने को हजम करता है , पेट को साफ रखता है , रियाह के गाढ़ा (गलीज) होने से सीने के अंदर दर्द , खींचाव , बेचैनी को खतम करने में मदद करता है और हर तरह की रियाही तकलीफ़ों को दूर करता है , रियाही दर्द को खतम करने में मदद करता है , छोटी बड़ी आंत को बादी होने से रोकता है , सूजन को खतम करता है , अंतड़ियों में रियाह के ठहराव को रोकता है , पूरे जिस्म को बादी होने से कई तरह की बादी बीमारियों से बचाने में मदद करता है।

दायमी बुखार टैब्लेट

दायमी बुखार टैब्लेट की कामयाब और खास सिफ़त यह है : नया पुराना बुखार हो या मौसम का बुखार हो या सर्दी खांसी के साथ बुखार हो या ठंडी के साथ बदन में दर्द , मुंह का जाएका खराब होने के साथ बुखार है तो उसे खतम करने में मदद करता है , अगर सर्दी खांसी के साथ बुखार है तो सिर्फ दायमी भर टैब्लेट इस्तेमाल करें और अगर सिर्फ बुखार है , काफी दिनों से तकलीफ खतम नहीं होरही है तो दायमी बुखार के साथ बरगीन टैब्लेट का इजाफा करें यह दोनों दवा केक साथ चलाने से हर तरह के बुखार को खतम करने में मददगार है।

मलारिया हुम्मा टैब्लेट

मलारिया हुम्मा टैब्लेट की कामयाब और खास सिफ़त ये है : हर क़िस्म के बुखार को खतम करने में मदद करता है , मलेरिया बुखार , सफरावी बुखार , फेफड़े की खराबी से होने वाला बुखार , मेदा की खराबी , जरासीम से होने वाले बुखार को खतम करने में मदद करता है , खास कर जूड़ी (ठंडी) बुखार में मददगार है ।

बंदिश जुलाब टैब्लेट

बंदिश जुलाब टैब्लेट की कामयाब और खास सिफ़त यह है : जुलाब पेचीस को रोकने में मदद करता है , जिगर , मेदा , आंत , के अंदर फ़ासिद रतूबत की रियाह् को तोड़ कर जुदा करता है , छोटी बड़ी आंत की अंदरूनी परत के वरम को खतम करके जुलाब और पेचीस की बीमारी को दूर करता है , मरोड़ के साथ या बार बार संडास का जाना , जिगर , मेदा या अंतड़ियों की खराबी से बारबार संडास जाने की बीमारी को खतम करने में मदद करता है।

मतली हरण टैब्लेट

मतली हरण टैब्लेट की कामयाब और खास सिफ़त यह है : बदहजमी , क़ै , उल्टी , मतली , हिचकी , पेट दर्द , मरोड़ , रियाही फसाद को खतम करता है , गाढ़ी रियाह को पतला कर के खारिज करता है। पेट और रियाह की गलाजत को साफ करके सेहत के निज़ाम को सादिर करता है , खाने को हजम करने में मदद करता है , मेदा , जिगर के जहरीले असरात को खतम करता है , भूक को बढ़ाता है।

निहायतुल यरक़ान टैब्लेट

निहायतुल यरक़ान टैब्लेट की कामयाब और खास सिफ़त यह है : निजामे सफरा को एतेदाल पर लाता है , यरक़ान (पीलिया)की बीमारी को खतम करने में मदद करता है , सफरावी बुखार को रोकता है , जिगर और मेदा की ताकत को बढ़ाकर सूजन वरम को खतम करता है , जिगर (लीवर) की बे तरतीबी को खतम कर के एतेदाल पर लाता है , लूआबी रुतूबत और खून के अंदर की गलाजत को साफ करता है , सफरा को कम करता है , यरक़ान (पीलिया) की बीमारी खतम करने में मदद करता है , सफरावी बुखार में फायेदा मंद है।

लिकोरा टैब्लेट

लिकोरा टैब्लेट की कामयाब और खास सिफ़त यह है : औरतों की सफ़ेद पानी (लिकोरिया) की बीमारी को दूर करता है , रहम की कमजोरी को खतम करता है , पीठ , कमर दर्द , पेडू (नाभ के नीचे) का दर्द , बच्चा दानी की सूजन , पैरों का दर्द , खींचाव , रहम से जुड़ी हुई दर्द तकलीफ को खतम करने में मदद करता है , बच्चा दानी को ताक़त देता है , बार बार हमल गिरजाने वाली बीमारी को रोकता है , लिकोरिया की वजह से होने वाली हैज़ की बीमारी को रोकता है , औरतों के बांझपन को खतम करने में मदद करता है , रहम की अंदरूनी परत का ढीलापन खतम करता है , बच्चा दानी की फ़ासिद रूतूबत को कम करता है , रहम की हरारत एतेदाल पर लाता है , हमल गिरने (मिसकैरिएज) से बचाता है , रहम के अंदर हमल क मुहाफ़िज़ हिफाजत करने में मदद करता है।

गैस हरण टैब्लेट

गैस हरण टैब्लेट की कामयाब और खास सिफ़त यह है : गैस (रियाह) को तोड़ कर बाहर करे , खट्टी डकार , बदहजमी दूर करे , भूक खाने की रगबत को बढ़ाता है , पेट दर्द , मरोड़ , बावगोला दूर करता है , पेट की खराबी से होने वाली हर तरह की तकलीफ को खतम करता है , पेट को साफ रखता है , कब्ज को दूर करता है , बवासीर की तकलीफ को आने से रोकता है।

सर्दी हरण टैब्लेट

सर्दी हरण टैब्लेट की कामयाब और खास सिफ़त यह है : दिमाग की सर्दी को खतम करता है , दिमाग को ताकत देता है , बारबार सर्दी , खांसी , नजला , जुकाम होने से रोकता है , दिमाग और फेफड़े की ताकत को बढ़ाता है , दिमाग की रूतूबत को फ़ासिद होने से रोकता है , फेफड़े की कमजोरी को खतम करके सांस फूलना खांसी और सर्दी हो उसको खतम करने में मदद करता है , शदीद किस्म का दमा है तो दायमी नजला के साथ इस्तेमाल करें।

ज्वाला खास टैब्लेट का फायेदा

मनी के अंदर उत्तेजना पैदा करता है पौरुष ग्रंथी को जिंदा करके जोश और कामुक वासना को बढ़ाता है , मनी को गाढ़ा करता है , शीघ्र वीर्यपात और धात की शिकायत को कम करता है अगर इसके साथ माजून याकूत मुकव्वी खास को इस्तेमाल करते हैं तो शरीर के हर अंग में ताक़त का इजाफा होगा मुर्दा नसों में ताक़त पैदा होकर कामुक इच्छाएँ बढ़ जाती हैं , जोश और वासना को बढ़ाता है और रुकावट पैदा करता है , खोई हुई ताक़त नौजवानी का एहसास शुरू होजाता है शरीर के हर अंग में ताक़त पैदा करता है , खूब खाया जाएगा खूब हजम होगा , आंतों में ताक़त पैदा होजाती है मेदा जिगर मजबूत होजाते हैं अगर आपको यौनिक निराशा पैदा होचुकी है तो एक बार जरूर इस्तेमाल करें खोई हुई ताक़त और नौजवानी की रवानी का एहसास कायमी होगा . ज्वाला खास टैब्लेट के साथ माजून याकूत मुकव्वी को दो तीन महीना तक इस्तेमाल करलेते हैं तो हर तरह की कमजोरी खतम होकर सेहत कायम होगी . अगर मर्दाना कमजोरी है तो ज्वाला खास टैब्लेट , जौहरी टैब्लेट , मुरगाबी तेल और माजून याकूत मुकव्वी खास इस चार दवा को एक साथ इस्तेमाल करने से हर

तरह की गलतियों के प्रभाव खतम होकर दोबारह कुदरती स्तिथी वापस आजती है . दवा के जरिये आई हुई ताक़त कायम होजाती है कुदरत की दी हुई जवानी से नौजवानी का फायेदा उठाएँ और खुशहाल वैवाहिक जिंदगी के साथ कभी न थकने वाली खुशियों को कायम करलें .

जौहरी टैब्लेट का फायेदा

वीर्य को बढ़ाता है लुआब में गर्मी पैदा करके नसों में जज्ब करता है नसों की ताक़त को बढ़ाता है , नसों की दीवार में नौजवानी की सख्ती कर के नसों को ठोस करता है हड्डियों का भूरभुरापन खतम करके उसे ठोस करता है , वीर्य को गाढ़ा करता है , लुआब के अंदर गर्मी और सोखने की शक्ति को बढ़ा देता है , लुआब की सर्दी खतम होते ही सर्दी खांसी खतम होजाती है , पुराने नज़ला को खतम करने में मदद करता है , दूषित बलगम को सुखाता नहीं उसे गाढ़ा करके निकाल देता है , सर्द और पतले बलगम या लुआब को गर्मी के साथ पेवस्त करता है यह खांसी की दवा नहीं है लेकिन खांसी को खतम करने में मदद करता है . ठंढे स्वभाव के लोगों के लिए यह दवा किसी वरदान से कम नहीं है . जौहरी टैब्लेट को माजून लबाब शबाब के साथ इस्तेमाल करने से हड्डियों में मजबूती पैदा करता है लुआबी अंगों को ढीला और भुरभुरा होने से बचाता है जब लुआबी अंगों में ढीला और भुरभुरापन पैदा होता है तो बड़ी और लाइलाज बीमारियाँ पैदा होजाति हैं इस जवहरी टैब्लेट के साथ कोई भी माजून लबाब शबाब या माजून याकूत मुकव्वी खास इस्तेमाल करते हैं तो यह स्वस्थ की रक्षा करता है ताक़त का खजाना है सेहत कायम रखने में मदद करता है .

पैगामे शिफा टैब्लेट का फायेदा

पैगामे शिफा टैब्लेट खास संतानहीन लोगों की मनी में वीर्य किटाणु की पैदाइश को बढ़ाता है पौरुष ग्रंथी में प्राकृतिक शरीरिक गर्मी (हरारते अजीजिया) बढाता है उसके रेशे का ढीलापन खतम होकर वीर्य पदार्थ कुदरती हालत में गाढ़ी होने लगती है और जोश रुकावट सब बढ्ने लगता है लेकिन पैगामे शिफा टैब्लेट के साथ माजून अंबरी खास या माजून याकूत मुकव्वि खास इस्तेमाल करने से हर अतरह की ताक़त बढ़ाने में मदद मिलेगी और प्रकृतिक शारीरिक गर्मी के साथ अच्छी सेहत कायम होगी . ऊपर दोनों दवाओं को आप जितना इस्तेमाल करते

जाओगे उतना ही शारीरिक शक्ति ठोस और मजबूत होगी . कुदरती ताक़त में बढ़ौतरी करके आप के शरीर को सक्रिय करेगा और अगर सौ प्रतिशत मर्दाना ताक़त खतम होचुकी हो पुरुषत्वता समाप्त होजाति है और स्त्रीत्व उत्पन्न होगयी हो मनी पानी जैसी होचुकी है तो एक बार इस दवा को जरूर आज़माएँ माजून अंबरी खास या माजून याकूत मुकव्वी खास अगर आप चाहें तो दोनों माजून एक साथ इस्तेमाल कर सकते हैं इसके साथ पैगामे शिफा टैब्लेट और जवहारी टैब्लेट साथ में रोगन मुरगाबी इसी चार या पाँच दवा को पंद्रह दिन तक इस्तेमाल करके बंद करदें पंद्रह दिन की दवा से बीस से पच्चीस प्रतिशत की वृद्धि होगी अब इस दवा का आया हुआ फायेदा खतम होने का इंतज़ार करो दवा मत खरीदो जब संतुष्ट होजाएं तब दोबारा शुरू करके दो से तीन महीना का कोर्स करलो सेहत की स्थापना होजाएगी और वैवाहिक ज़िंदगी की खुशियों का आनंद लें और अगर सिर्फ मरदाना कमजोरी है तो एक या दो बार की दवा से पूरी कायमी ताकत संपन्न होजाती है .

मगजीन टैब्लेट का फायेदा

आंतों की अंदरूनी परत को ठोस करता है , आंतों की किटाणु को और लुआबी रेशे के किटाणु को लुआब के अंदर माजूद किटाणु को खतम करता है , हड्डियों नसों और लुआबी झिल्लियों को भुरभुरा होने से रोकता है कियोंकि लुआब के अंदर के किटाणु ठोस करने वाले पदार्थों को खाजाती है इसी लिए बड़ी बीमारियों की शुरुआत होजाती है कियोंकि आपका आहार आपके शारीरिक अंगों को पूरा नहीं मिलता ईसी लिए आपका शरीर बड़ी तेज़ी से कमजोरी की तरफ भागता है . आप अपनी बाहरी चमड़ी से इसका अंदाज़ा कर सकते हैं आपकी दृश्य त्वचा में रूखा , सूखा और पीलापन प्रदर्शित होजाता है इससे इस बात का अंदाज़ा होता है की आपके खाए हुए आहार में से ठोस करनेवाली पदार्थ को खानेवाले किटाणु मौजूद हैं मगजीन टैब्लेट इसी तरह की फफूंद और किटाणुओं को खतम करने में मदद करता है पेट के अंदर की फफूंद , किटाणुओं और कीडियों को खतम करता है . अल्सर , हरनियाँ या अपेंडिस होगया हो तो मगजीन टैब्लेट , बासीर टैब्लेट और बरगीन टैब्लेट को साथ में इस्तेमाल करने से बीमारी को खतम करने में मदद करता है इन तीनों दवाओं को एक साथ इस्तेमाल करने से भगनदर , अलसर , हरनियाँ , अपेंडिस , कैंसर के किटाणुओं वगैरह को खतम करके जाहिरी (प्रदर्शित) अंगों में चमक पैदा करता है कियोंकि अब आपका खाया हुआ आहार आपके शरीर का हिस्सा बन्ने लगता है आपकी सेहत बेहतर होजाती है आप बड़ी बीमारियों के खतरे से बचते रहेंगे , इस दवा को बिना जरूरत भी इस्तेमाल करसकते हैं यह सिर्फ प्रकरतीक जड़ीबूटियाँ हैं ,

इस दवा से हर तरह के किटाणु खतम होजाते हैं जब किटाणु खतम होंगे तो दृश्य त्वचा से सूखापन खतम होजाएगा हड्डियों और नसों का भुरभुरापन खतम होगा इसकी पहचान है हल्का ज़ख़म बिना किसी दवा के सुख जाता है यह कुदरती ताक़त और बीमारी से लड़ने की ताक़त में वृद्धि की निशानी है .

हरिसा बूटी टैब्लेट का फायेदा

धात , सप्रदोष , वीर्य आर्द्रता , शीघ्र वीर्यपात को तुरंत रोकता है यह खास धात मनी को गाढ़ा करके जोश और कामुक इच्छाओं को हरकत में लाता है और जोश के साथ रुकावट भी पैदा होजाति है . हरिसा बूटी टैब्लेट के साथ माजून याकूत मुकव्वी खास छोटा डब्बा इस्तेमाल करें यह खास रुकावट , जोश और मनी को गाढ़ा करता है हरिसा बूटी टैब्लेट को अकेला इस्तेमाल न करें कियोंकि इसमें लुआब को सुखादेने वाली प्रचंड रूप से गर्मी खुश्की मौजूद है . जब किसी भी दवासे सप्रदोष और धात न रुकती हो तो इसको इस्तेमाल करने से रुक जाती है लेकिन बहुत ज्यादा इस्तेमाल करने से मनी सूख जाती है दवा बंद होने से हफ्ता दस दिन में बिना किसी दवा के जोश और रुकावट दोनों बढ़कर बहुत तेज़ी से मनी गाढ़ी होने लगती है पौरुष ग्रंथि ठोस होकर वापस कुदरती हालत में आजाती है . वीर्य का मामला ऐसा है के मनी सूख जाए तो भी नामर्दी पानी की तरह होजाए तो भी नामर्दी जब संतुलन में होगी तो सब कुछ कुदरती हालत में होगा . हरिसा बूटी टैब्लेट के साथ माजून याकूत मुकव्वी खास दोनों दवाओं को एक साथ कभी कभी इस्तेमाल करते रहेंगे तो सब कुछ शारीरिक बल सेहत ताक़त सब संतुलन में रहेंगेकिसी भी प्रकार की कमजोरी का एहसास नहीं होगा अगर आप की मनी पानी की तरह होगई है तो इस दवा को एक बार जरूर इस्तेमाल करके देखें उम्मीद से ज्यादा बेहतर पाएंगे . हरिसा बूटी टैब्लेट की एक खास और बहुत ही महत्वपूर्ण गुणवत्ता है अगर फेफड़े में पानी भर गया है तो हरिसा बूटी टैब्लेट से फेफड़े का पानी लुआब (राल) बनकर साफ होजाता है और फेफड़े की झिल्ली वापस अपने स्थान पर चिपक जाती है फेफड़े की सरदी खतम होजाति है फेफड़े में ताक़त पैदा होकर सांस फूलना खतम होजाता है और अगर फेफड़े का पानी पाईप या इंजेक्शन के जरिए निकाला गया हो तो दवा इस्तेमाल ना करें कियोंकि फेफड़े के ऊपर लुआबी झिल्ली होती है और लुआब की जगह का ज़ख़म सूखता नहीं और ठीक होने से पहले सडकर उसमें किटाणु पैदा होजाते हैं और किसी बड़ी बीमारी का आरंभ होजाता है और अस्सी80 प्रतिशत लोगों के साथ ऐसा ही होता है दस10 बीस20

प्रतिशत लोग इसलिए ठीक होजाते हैं कियोंकि उनके अंदर ज़ख़म सुखाने की ताक़त इतनी अधिक है की बिना दवा के उनका ज़ख़म सुख जाता है .

बासीर टैब्लेट का फायेदा

बसीर टैब्लेट की पहली खासियत यह है की सूजन ज़ख़म किसी भी जगह हो उसे खतम करता है मेदा जिगर में सूजन हो , गले में सूजन हो , आंतों में सूजन हो , अल्सर हो , बादी बवासीर हो , महेसी हो , पूरी काँच बाहर निकलती हो , हरनियाँ हो , अपेंडिस हो या गुरदह मसाना में सूजन हो या मसाने के अंदर पेशाब खुलने की जगह पर सूजन होकर गोश्त बढ़ गया हो और पेट में गले में अंदरूनी सूजन इन्फेक्शन के कारण जलन और दर्द रहता हो शरीर के अंदरूनी बेरूनी (बाहरी) हिस्से पर सूजन रहती हो तो बासीर टैब्लेट यह सभी तरह की बीमारियों को खतम करने में मदद करता है अगर मेदा लीवर में गले में सूजन है तो सिर्फ बासीर टैब्लेट इस्तेमाल करें आराम होजायेगा . अगर आंतों में सूजन हो या अल्सर हो या बवासीर बादी हो या कीड़ी वाली हो तो बासीर टैब्लेट और मगजीन टैब्लेट दोनों एकसाथ इस्तेमाल करें पहले हफ्ते से आराम शुरू होजाएगा पुराने से पुरानी बवासीर को खतम करता है एक बार जरूर आज़माएँ फायेदा होने पर दूसरों को भी बताएं . अगर बवासीर खूनी है तो बासीर टैब्लेट , बरगीन टैब्लेट और जखमीनो इस तीन दवा को एक साथ इस्तेमाल करने से फायेदा यह होता है के किसी भी जगह से खून जारी हो मुंह से नाक से पेशाब के रासते से या संडास के रसते से या गर्भपात के बाद का जारी खून रोकने में मदद गार है . अगर हरनियाँ हो , अपेंडिस हो या गुरदह मसाना में सूजन हो , पेशाब रुक रुक कर आरहा है या पेशाब की थैली में पेशाब खुलने की जगह पर मस्सा बढ़ गया होतो यह सब बीमारियों में बासीर टैब्लेट , मगजीन टैब्लेट और बरगीन टैब्लेट इन्हीं दवाओं को इस्तेमाल करें पहले हफ्ता से आराम शुरू होजाएगा दो से तीन महीना तक इस्तेमाल कराएं आराम होगा .

जखमीनो टैब्लेट का फायेदा

जखमीनो टैब्लेट जारी खून को बंद करने की दवा है , ज़ख़म को सुखाता है मुंह से खून आरहा हो या नाक से खून आरहा हो या पेशाब के रास्ते से या संडास के रास्ते से खून आरहा हो या बवासीर का खून जारी हो या गर्भपात के बाद जो खून जारी होता है तो जखमीनो टैब्लेट , बरगीन टैब्लेट और बसीर टैब्लेट इस तीन तरह की दवाओं से हर तरह का जारी खून बंद होजाता है और इसी तीन तरह दवाओं से औरतों की माहवारी जो हमेशा जारी रहती हो या महीने में दो से तीन बार जारी होजाती हो या खूनी बवासीर हो , अलसर हो , हरनिया होगया हो , भगनदर हो गया हो या पूरी काँच बाहर आती हो इसी तीन दवा से हमेशा केलिए ठीक होजाता है . शरीर के हर अंग का ज़ख़म , सूजन , इन्फेक्शन , खतम होकर सेहत स्थापित होजाति है मेदा , लीवर और आँतें मजबूत होकर खाना हजम करने लगती हैं भूक बढ़ जाती है खाया हुआ हजम होकर सेहत में बढ़ौतरी होती है .

बरगीन टैब्लेट का फायेदा

बरगीन टैब्लेट वायरस और किटाणु जो लुआबी पदार्थ में पैदा होते हैं जैसे आंत , मेदा , सफ़ेद दाग के किटाणु और कैंसर के किटाणु जो शरीर के जिस हिस्से में होते हैं वहाँ के रेशों का लुआब खाकर उसे कमजोर , भुरभुरा और मुर्दा करदेते हैं बरगीन टैब्लेट लुआबी रेशे के किटाणुओं को खतम करके उसे साफ करदेती है . सलाम फारमेसी की दूसरी दवाओं के साथ इस्तेमाल करने पर शरीर के हर अंग में सेहत और ताकत की वापसी होती है और बीमारी खतम होती है कियोंकि आप के खाये हुये आहार से आपका शरीर पोषण पाने लगता है . इसके इस्तेमाल से पेट के अंदर के खास कर किटाणु , वायरस खतम होजाता है शरीर के अंदर से जहरीले प्रभाव खतम होते हैं आम तौर से खून के अंदर से दूषित पदार्थों को साफ करता है . आंतों में जो दूषित पदार्थ होता है उसके किटाणुवों , कीडियों और अल्सर की बीमारी को खतम करने में मदद करता है . खून साफ होने पर बुखार और होने वाले बुखार को भी बंद करता है और दूसरी बीमारियों को रोकने में मददगार है . बासीर , बरगीन और जखमीनो टैब्लेट इन तीन दवाओं को एक साथ इस्तेमाल करने से अगर किसी भी जगह से खून आरहा है तो तुरंत रोक देता है बवासीर , भगंदर , हरनियाँ , अपेंडिस हो या मुंह से खून आता हो या नाक से या

पेशाब के रासते से हमल गिरने के बाद का जारी खून हो या माहवारी की ज्यादती हो हर जगह के जारी खून को रोकता है इन सभी बीमारियों को खतम करने में मदद करता है , दो से तीन महीना तक दवा चलाएं मुकम्मल आराम होगा अगर कुछ तकलीफ बाकी रह गयी है तो थोड़े दिन तक दवा को ज़्यादा इस्तेमाल करें बरगीन टैब्लेट सिर्फ जड़ीबूटियों से बनी है इसीलिए इससे किसी भी तरह का नुकसान नहीं होता है . अगर आप बरगीन टैब्लेट के साथ मगजीन टबलेट भी इस्तेमाल करते हैं तो आपका शरीर हर तरह के किटाणु , फफून्द , जरासीम से मुक्त होजाता है कियोंकि शरीर में फफून्द रहने पर आपका ज़ख़म ठीक नहीं होता उसमें जरासीम पैदा होकर उस अंग की गोंद को खाते रहते हैं इस तरह ज़ख़म सड़कर ठीक नहीं होता इसके इस्तेमाल से ज़ख़म जलदी भर जाता है .

जामुनी मेथी टैब्लेट का फायेदा

जामुनी मेथी यह टैब्लेट आपका शुगर नहीं घटाता है जामुनी मेथी टैब्लेट शुगर की बीमारी खतम करने में मदद करता है जब आपके मेदा , जिगर और पित्त की तरतीब बिगड़ जाती है तो सब से पहले लुआबी रेशे और लुआबी झिल्लियां यह सब ढीली और कमजोर होजाति हैं इसके बाद आंतों में जज़्ब करने की खासियत खतम होजाति है इसके बाद हाथ पैर में हरकत की ताक़त कमजोर होजाति है . लुआब की पैदाइश घट जाती है इस के बाद हड्डियों और नसों को ठोस करने वाला गोंद कम या खतम होजाता है , शुगर होने के बाद यौन अंग कमजोर या खतम होजाते हैं बीमारी से लड़ने की ताक़त कमजोर या खतम होजाति है शारीरिक अंग ऐसी लकड़ी की तरह होजाति हैं जिसमें चटकने और तेज़ आवाज़ देने की खासियत नहीं होती और भी बहुत कुछ खतम होना शुरू होजाता है . जामुनी मेथी टैब्लेट पहले पंद्रह दिन की दवा से शुगर की अलामत को खतम करता है दूसरे पंद्रह दिन की दवा से शुगर घटना शुरू होजाता है एक महीना पूरा होने के बाद हर महीना शुगर चेक करलिया करो . दो चार या छे महीना में शुगर संतुलन पे आजाए तब भी दवा बंद न करें इसके बाद दवा चलाते रहो और शुगर का परहेज थोड़ा थोड़ा खतम करना शुरू कर दो और हर महीना रिपोर्ट निकाला करो अपने परहेज खतम करने के बाद भी शुगर नहीं बढ़ रहा है इसके बाद भी कुछ दिन दवा चलाकर बंद कर दो अपने आप को तब तक नॉर्मल न समझें जब तक परहेज की हालत में रहो . इस दवा के इस्तेमाल से शुगर रहते हुए भी शुगर की अलामत नहीं रहती खाल का रूखापन खतम होजाता है . जामुनी मेथी टैब्लेट के इस्तेमाल से शुगर होने के बाद की सारी तकलीफ़ों से छुटकारा मिलता है . सेहत कायम होजाति है मर्ज खतम होजाता है मरीज कुदरती ताक़त और सेहत को दोबारा महसूस करने लगता है .जामुनी मेथी टबलेट के साथ माजून कलबिया मोतदिल को भी चलाने से नसों की बीमारी का खतरह खतम

होजाता है शरीर का अधूरापन खतम होकर सम्पूर्ण मनुष्य का अनुभव स्पष्ट होकर दीर्घ कालीन समय तक शक्ति देता है

पत्थर चट्टा टैब्लेट का फायेदा

हर जगह की पथरी को गलाने में मदद करता है गुर्दा मसाना की पथरी हो या पित की थैली में पथरी हो गुरदह मसाना में पत्थर है तो दो महीना तक दवा इस्तेमाल करें और सोनोग्राफी कराएं या तो पत्थर गल गया होगा या कुछ बाकी रह गया है तो जितना कम हुआ है उसी हिसाब से अंदाज़ा करके कुछ दिन दवा को और इस्तेमाल करें और रिपोर्ट निकालें . अगर पथरी पित्त की थैली में है तो दो महीना तक दवा को इस्तेमाल करें इसके बाद सोनोग्राफी कराकर देखें पथरी कितना छोटी हुई है उसी से हिसाब करलें कितना दिन में खतम होगी कियोंकि पित्त की थैली में दवा का सीधा असर नहीं होता है सफरा के थैली में आने और जाने की हालत में दवा असर करती है इसलिए पित्त की थैली का पत्थर गलने में वक़्त लगता है मगर गलता जरूर है . इस दवा पत्थर चट्टा की एक खासियत यह है के खून के अंदर मौजूद हर तरह की गंदगी को साफ करदेता है और चेहरे के दाने और मुहासे के निकलने को बंद करदेता है चाहे लड़कियों के चहरे का कील मुहासा हो या लड़कों के चेहरे का कील मुहासा हो उसका निकलना बंद करदेता है . चेहरा साफ होजाता है कियोंके खून और सफरा के अंदर की गंदगी और ठोस जररात को गला कर खतम करदेता है खून हर तरह की गंदगी से साफ होजाता है और शरीर , चहरे की कोशिकाएँ और रेशा गंदगियों से साफ होकर हरकत में आजाते हैं और कील मुहासा दाना वगैरा का निकलना बंद होजाता है .

माहेरवाँ टबलेट का फायेदा

माहवारी बंद होगाई हो या दर्द के साथ माहवारी आती हो , पेट या कमर में बहुत तेज़ दर्द के साथ माहवारी आती है या एक दो दिन तक माहवारी आकार बंद होजाति हो माहेरवाँ टैब्लेट माहवारी की हर तरह तकलीफ को खतम करने में मदद करता है गर्भाशय के रेशों को सक्रिय करता है और ताक़त देता है और गर्भाशय के रेशों में मनी ठहेरने और मनी में अंडा बनाने में मदद करता है . जब गर्भाशय के रेशों में मनी रुकती है तो माहवारी जारी होती है और अगर लिकोरिया (सफ़ेद पानी) की शिकायत है तो निसवाँ टैब्लेट खिलाएँ गर्भाशय के रेशों में मजबूती आएगी और जब गर्भाशय में मनी रुकेगी तो माहवारी साफ तरीके से आएगी और साथ में माहेरवाँ दोनों दवाओं को एक साथ इस्तेमाल करें और अगर लिकोरिया नहीं है सिर्फ माहवारी बेतरतीब है तो सिर्फ माहेरवाँ टैब्लेट इस्तेमाल करें अगर दो महीना दवा खिलाने के बाद भी माहवारी ना आए तो सोनोग्राफी कराएं अगर बच्चे दानी में गांठ है तो माजून आबे शबाब और साथ में माहेरवाँ टैब्लेट दोनों दवाओं को एक साथ चलाएं गांठ पूरी गल जाएगी और माहवारी आसानी के साथ जारी होगी . अगर माहवारी की तकलीफ नौजवान अविवाहित लड़की को है या बहोत कम माहवारी आती हो तो उसके बहोत से कारण हैं पहला कारण अगर सफ़ेद पानी की शिकायत नहीं है और माहवारी मामूली आरही है या बंद होगई है या कभी आती है कभी नहीं आती और कभी माहवारी कई कई महीना गायब रहती है तो यह यक़ीनी है की लड़की का खून गाढ़ा और दूषित होगया है ऐसी हालत में पत्थर चट्टा टैब्लेट और माहेरवाँ टैब्लेट इन दोनों दवाओं को एक साथ इस्तेमाल करने से माहवारी आने लगेगी अगर लड़की बहोत कमजोर है तो साथ में माजून सलाम भी इस्तेमाल करें बीमारी खतम होकर सेहत और शारीरिक निखार बढ़ जाएगा चहरे पर चमक आएगी और बीमारी सेहत में बदल जाएगी .

रोगन मुरगाबी का फायेदा

नस बूढ़ी नहीं होती इसलिए मर्द बूढ़ा नहीं होता . रोगन मुरगाबी यह तेल नसों को ताकत देता है हर जगह की बंद नसों को खोलता है नसों का ढीलापन खतम करके उसे ज़िंदा करता है नस अपने कुदरती साइज़ पर आजाती है दोबारा नसों में खून दौड़ने लगता है अगर आप को मर्दाना कमजोरी है या मुकम्मल नामर्दी है अगर लिंग एक दो इंच का हो कर मुर्दा

होगया हो लिंग में ज़िंदा होने का एहसास खतम होचुका हो लिंग के मुर्दा होने का कोई भी कारण हो या किसी भी जरिए से खराब होगया हो चाहे हस्तमैथून से नस चिपक गयी हो या माहवारी औरत के साथ संभोग करने के कारण नसें सूख गयी हों या किन्नर के साथ संभोग करने से नसें सूखकर मुर्दा हो गयी हों या नसों की दीवार नरम होकर ढीली होगयी है ऐसे खराबियों को खतम करने केलिए सिर्फ चार दावा रोगन मुरगाबी , माजून याकूत मुकव्वि खास , ज्वाला खास टैब्लेट और जवहरी टैब्लेट जो पंद्रह दिन की खुराक है इस दवा से पंद्रह दिन में बीस से पच्चीस प्रतिशत का बदलाव आएगा हर तरह की ताक़त शारीरिक और कामुक दोनों तरह का फायेदा जाहीर होगा इस पर भरोसा न करें अब इंतज़ार करें दस पनदारह दिन तक दवा बंद करके यह निरीक्षण करें के दवा से आई हुई ताक़त खतम होचुकी है या बाक़ी है अगर लिंग पर आया हुआ बदलाव बाकी है तो दोबारह इलाज शुरू करें हर पंद्रह दिन की दवा से बीस से पच्चीस प्रतिशत का इजाफा होता रहेगा दो से तीन महीने का कोर्स करके मुकम्मल सेहत और नौजवानी का फायेदा उठाएँ हमारे मुरगाबी तेल की यह विशेषता है की अगर आपको दिल के स्थान पर दर्द है तो वहाँ यह तेल लगाने पर नस मजबूत होगी दर्द खतम होगा अगर गरदन , पीठ , कमर , पुट्ठे पर या पैर में नस कमजोर होने पर या नस में खून जाना बंद होगया है इसलिए दर्द है या नस आधी अधूरी खुली है इसलिए दर्द है तो नसों की कमजोरी खतम करके बंद नसों को ताक़त देकर दर्द खतम करता है . यह तेल दर्द नाशक नहीं है सिर्फ नसों को ताक़त देता है और नसों में दोबारह खून दौड़ने के लायक बनाता है नौजवानी का एहसास जाहीर होजता है मुरगाबी तेल सिर्फ तेल है तिला नहीं इसलिए किसी भी जगह इस्तेमाल कर सकते हैं किसी भी तरह से नुकसान नहीं करता है . यह अपने अंदर तिला की गुणवत्ता नहीं रखता यह तेल नसों को ताक़त देकर नस की कमजोरी को खतम करके नसों को दोबारह कुदरती ढाल पर लाता है और नस दोबारह जिंदा हो जाती है और अपने अंगों को काम में व्यस्त करदेता है और इंसानी शरीर मुकम्मल होजाता है और सेहत कायम होजाती है और इस तेल का तरीका इस्तेमाल बॉक्स के अंदर पर्चे में मौजूद है .

रोगन कंगरु का फायेदा

इस तेल का फायेदा यह है के नस कहीं भी चोकब होगई हो इसके इस्तेमाल से नस में दोबारह ताक़त वापस आजाति है हृदय के स्थान पर दर्द हो या गरदन में या सीने में दर्द हो या पीठ में या पैर में दर्द हो यह हर जगह का दर्द खतम करता है और नसों को ताक़त देता है यह तेल दर्द नाशक नहीं है कभी कभी ऐसा भी होता है की नस चिपक गयी है और तेल लगाने से दर्द बढ़ जाता है यह निशानी है नसों में लचक पैदा होने और नसों का पूरा हिस्सा पूरी गोलाई न खुलने की जब नसों की पूरी गोलाई खुल जाएगी खून तेज़ी से चलने लगेगा तो दर्द अपने आप खतम

होजाएगा और नस दोबारह रिपेयर होजाएगी . रोगन कंगरु को रोगन सर्दी हरन में मिलाकर लगाने से फ़ालिज लकवा के मरीजों की नसों में बहोत तेज़ असर होता है नसों को खुलने में बहुत तेज़ी से मदद मिलती है . फ़ालिज लकवा या पुरानी चोट लगी उस पर मालिश करने से बहोत जल्द फायेदा होता है . इसे भी लिंग पर इस्तेमाल कर सकते हैं यह मुरगाबी से थोड़ा हल्का है , लिंग की हर की कमजोरी को खतम करता है , हस्तमैथून के मरीज के लिए नई ताक़त नसों में रवानी के साथ जवानी को दोबारह वापस लाता है लिंग की मुरदह नसों को ज़िंदा करने केलिए इसके साथ माज़ून याकूत मुकव्वि खास , ज्वाला खास , जवहारी टैब्लेट और रोगन मूरगाबी या रोगन कंगरु यह चारों दवाओं को एक साथ इस्तेमाल करने से हर तरह की कमजोरी खतम होजाति है एक बार जरूर परखें खुद भी फायेदा उठाएँ दूसरों को भी बताएं .

रोगन सर्दी हरन का फायेदा

सर्दी , नजला , ज़ुकाम , खांसी की बीमारी में पैर के तलवे में लगाने पर सर्दी खतम होती है , सर्द खांसी में पीठ और सीने पर मालिश करने पर खांसी से आराम मिलता है जिन बच्चों को बार बार सर्दी खांसी निमोनिया होता है उसके सीने और पीठ पर मालिश करें आराम होगा . फ़ालिज या लकवा हो या पीठ का दर्द हो या पैर का दर्द होतो इस तेल में रोगन कंगरु मिलाकर मालिश करें नसों को ताक़त देता है , नसों की सर्दी खतम करता है और बंद नस खुलने पर दर्द से आराम मिलता है , फ़ालिज लकवा में रोज मालिश करें नसों में ताक़त और गर्मी पैदा होकर हाथ पैर में ताक़त आजाति है कमर दर्द , पीठ का दर्द , घुटने का दर्द , मोच , चोट का दर्द हो मालिश करने पर आराम होगा यह तेल नसों में गर्मी और ताक़त पैदा करता है गोष्ट और चमड़ी पर गर्मी का असर होते ही सर्दी ठंडी खतम होजाति है तकलीफ से छुटकारा मिलता है नसों में लचक पैदा होकर नस सीधी होजति है सिकुड़ी हुई नस या कमजोर नस दोबारा काम करने लगती है दर्द से आराम होता है .

रोगन फानूस का फायेदा

जलने , कटने , फटने , मोच और गहरे ज़ख़्मों का बहता ख़ून को बंद करता है सड़े गले जख्म को सूखा देता है कान दर्द , दाँत दर्द , जलन से आराम देता है जले हुए स्थान पर लगाने पर दर्द जलन से छुटकारा मिलता है और जले हुए ज़ख़म पर कापुस या साफ कपड़े से तेल को लगाते रहें , ज़ख़म सूख जाता है और चमड़े पर जलने या कटने का दाग नहीं रहता और ज़ख़म धीरे धीरे भर जाता है , कटने फटने या गहरे ज़ख़म का ख़ून बंद करके दर्द से आराम देता है ज़ख़म को तेज़ी से भर्ता है , दाँत दर्द में कापुस को रुई में भिगा कर दाँत दर्द की जगह पर रख दें आराम होजाएगा , बवासीर का ठोठा मस्सा सूखा कर सिकोड़ देता है , बवासीर की तकलीफ को खतम करता है बवासीर के ठोंठे मस्से पर सोते वक़्त रुई में तेल भीगाकर ठोठे के चारों तरफ लगादें ठोठा सिकुड़ कर हमेशा केलिए ठीक होजाएगा , चोट या मोच वाली जगह पर दिन में दो से तीन बार तेल लगा दें आराम होजाएगा दर्द की जगह मालिश करदें सूजन के स्थान पर तेल से मालिश करदें सूजन खतम होगा बहोत गहरा ज़ख़म होगया या फ्रैक्चर होगया हो तेल को ज़ख़म पर गीला करदें , बहता हुआ ख़ून बंद होगा ज़ख़म का दर्द खतम होगा ज़ख़म पर लगते राहें ज़ख़म सूख जाएगा .

रोगन पाइरिया का फायेदा

रोगन पाइरिया की खास सिफ़त और कामयाब फायेदा यह है : हर तरह के सड़े गले जरासीमी ज़ख़म को खुश्क करता है , जरासीम को खतम करके ज़ख़म भरने में मदद करता है , मसूढ़ों , दांतों के पाइरिया को खतम कर के मसूड़ों का पुलपुलापन खतम करता है , दाँत दर्द , मुंह का छाला या ज़ख़म हो उसे जाएल करता है , फोड़ा फुंसी का गहरा जख्म हो या बहोत गहरा कटा भटा ज़ख़म हो उसे खुश्क करके तेज़ी से ज़ख़म को भरने में मदद करता है और चमड़े पर किसी तरह का ज़ख़म का निशान बाक़ी नहीं छोडता है , सफ़ेद दाग को धीरे धीरे मुसलसल लगाते रहने से दाग को खतम करने में मदद करता है।

जरूरी हिदायत : जिस ज़ख़म में जरासीम , कीड़ी या फफूंद के असरात हों ऐसी जगह कम अज़ कम दो टाईम दवा को लगाना चाहिए और दवा रोकने की हालत में जरासीम या कीड़ी का गलबा बढ़ जाता है , इसलिए वापसी का मौका नहीं देना चाहिए वरना ठीक होने का टाईम बढ़ जाता है ।

रोगन मुकव्वि दिमाग का फायेदा

रोगन मुकव्वि दिमाग की खासियत है टूटते गिरते झड़ते बालों को रोकना , रोगन मुकव्वि दिमाग टूटते झड़ते बालों को ताक़त देता है , बालों को मजबूत और घना करता है बालों की रूसी , जूँ , लीख को खतम करता है दिमाग को ताक़त देता है स्मरण शक्ति को बढ़ाता है , आधे या पूरे सिर का दर्द खतम करता है , आँखों की रोशनी को बढ़ाता है , अनिद्रा को खतम करके गहरी नींद लाता है , सर्दी जुकाम नजला को खतम करता है , दिमाग और स्मरण शक्ति (याददाश्त) को तेज़ करता है और वक़्त से पहले बाल सफेद होनेसे रोकता है , बालों के कालेपन को स्थापित करता है बालों की चमक को बढ़ाता है बालों को मजबूत करता है अगर इस तेल को लगातार रखते रहें तो गंजेपन को खतम करता है , दिमागी मेहनत करने वालों के दिमाग का बेहतरीन टॉनिक है दिमागी नसों को ताक़त देकर दिमाग को मजबूत और सकरीय करता है , यह बालों का तेल नहीं है दिमाग को ताक़त देने वाला तेल है जब दिमाग में मजबूती होगी तो बाल और उसकी खाल सब मजबूत होजाएंगे .

लकवानी तेल

लकवानी तेल की खास सिफ़त और कामयाब फायेदा ये है : कमर दर्द , जोड़ों का दर्द , गर्दन , पीठ , हाथ , पैर , घुटना , चोट , मोछ का दर्द हो या बहोत पुरानी चोट मोछ से कमजोर होकर नस मुरदह और खुश्क होगई हो इसलिए दर्द होरहा हो तो नसों की ताक़त बढ़ाकर नसों में गर्मी लचक को बढ़ाकर दौराने खून को तेज़ करके बंद नसों में खून को दौड़ाता है , इस लकवानी तेल की मुसलसल मालिश करते रहने से नसों की ताक़त में इजाफा होकर नस मजबूत और लचकदार होजाती है और हमेशा केलिए दर्द की तकलीफ़ों से आराम मिलता है , अरकुननिसा (साटिका) के दर्द से निजात देता है , फ़ालिज लकवा में रोजाना मालिश करें नसों में ताकत और गर्मी पैदा होकर हाथ पैर में ताक़त बढ़ जाती है और बीमारी से छुटकारा मिलता है , इस तेल की मालिश करते रहने से नसों की बहोत सी बीमारियों से बचाता है .

लबाब है तो शबाब है वरना बीमारियों का अज़ाब है

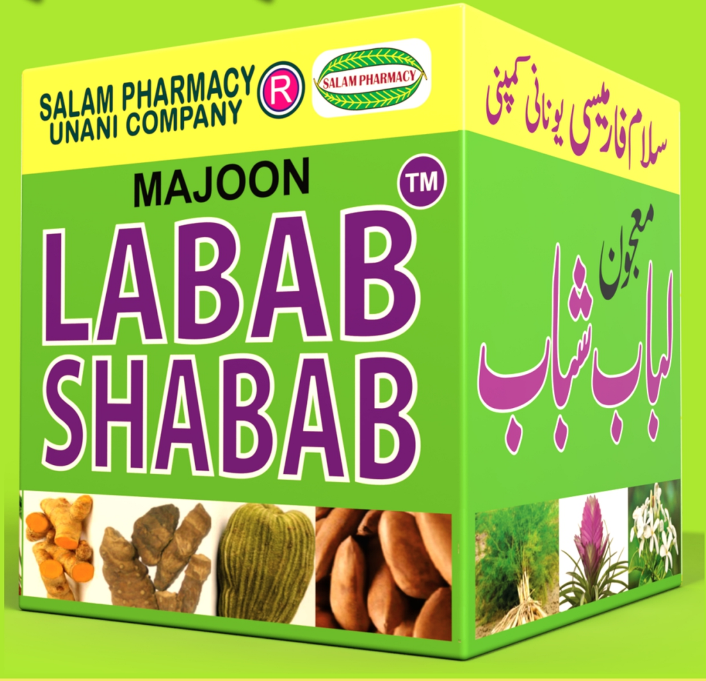

यह खास कर जोड़ों के दर्द , हड्डियों और नसों की कमजोरी को खतम करने और टूटी हुई हड्डियों को जोड़ने में और हड्डियों को ठोस और मजबूत करने में मदत करता है और लुआब से हड्डी बनती है हड्डी का गूदा बनता है नस बनती है और चमड़े के ऊपर का तेल लुआब के अंदर का एक हिस्सा है शरीर के हर अंग के लिए तेल और चर्बी लुआब के अंदर से निकलती है और दिमाग को जिस आहार की जरूरत होती है वह लुआब है और लुआब का खास अंग है दिमाग इसी लुआब के खास अंग से अपने आपकी शक्ति को बढ़ाकर शरीर के हर अंग को जीवित होने का अनुभव देता है लुआब के अंदर से नसों को ठोस करने वाला गोंद निकलता है इस गोंद से नसों की दीवार ठोस और मजबूत होती है और जब नसों की दीवार से ठोस करने वाला गोंद कम या खतम होजाता है तो हड्डियों में भुरभुरापन पैदा होजाता है हड्डी कमजोर होजाति है बुढ़ापा और बीमारी की शुरुआत हो जाती है नसों की दीवार कमजोर और ढीली पुलपुली हो जाती है जवानी का एहसास सपना बन जाता है बीमारी कमजोरी भाग्य परीक्षा होजाति है , लबाब शबाब की खास बात यह है के लबाब की पैदाइश को बढ़ाता है जिस से हड्डियों में मजबूती पैदा होती है हड्डियों का गूदा बढ्ने पर जोड़ों के बीच का लबाब गाढ़ा होकर चुस्ती फुर्ती आजाती है और जोड़ों का पुराने से पुराना दर्द खतम होजाता है मेदा और आंतों में तरी पैदा होजाति है , नसों में ताक़त बढ़ जाती है और बदन में कुदरती ताक़त बढ़ने लगती है जिस के कारण शरीर के आंतरिक और बाहरी अंगों पर कुदरती ताक़त की चमक जाहीर होने लगती है जोड़ों के दर्द की अनमोल दवा है जब किसी दवासे आराम न मिले तो एक बार ज़रूर इस्तेमाल कर के देखें उम्मीद से ज़्यादा फायेदा होगा . माजून लबाब शबाब नस का मटेरियल बनाता है और नसों में मजबूती पैदा करके हर अंग में ताक़त बढ़ता है शरीर पर शबाब जाहिर होने लगता है . अगर शरीर के अंदर बीमारी से लड़ने की ताक़त और कुदरती ताकत मौजूद है तो हर तरह की बीमारी का इलाज आसान होजाता है वरना कमजोरी मुकद्दर बन जाती है , इस दवा से कुदरती ताकत और बीमारी से लड़ने की ताक़त में आपेक्षिक वृद्धि होती है और सेहत को कायम (स्थिर) करने में मदद करता है .

कम्पनी का नंबर : 9763383553 / 9172154577

पता : घर नं.1684 , शमसुद्दीन बिल्डिंग तीसरा माला , फातिमा नगर गाएत्री नगर रोड ,नायगाओं 2 , भिवंडी जिला थाना महाराष्ट्र 421302